@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 16 सितंबर 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 313 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

‘न्यायपालिका को भ्रष्टाचार और आलोचना जैसे मुद्दों से नहीं भागना चाहिए’

● आम जनता के भरोसे पर मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत बोले- फैसला पसंद आए ये जरूरी नहीं

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि न्यायपालिका पर जनता का भरोसा, लोगों की मंजूरी से अलग है। उन्होंने कहा कि लोगों की पसंद के फैसले देने से भरोसा नहीं बनता बल्कि निष्पक्ष तरीके से न्याय करने से जनता का विश्वास कायम होता है। सीजेआई ने यह भी कहा कि अदालतों को जांच, सवाल और जरूरत पड़ने पर आलोचना के लिए तैयार रहना चाहिए।

आपको बता दें कि सीजेआई सूर्यकांत दिल्ली में आयोजित छठे राम जेठमलानी मेमोरियल लेक्चर में मुख्य वक्ता के तौर पर संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम का विषय था- Justice seen to be done: Transparency and public trust as pillars of the legal system. कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे और महेश जेठमलानी ने न्यायपालिका में प्रशासनिक सुधारों की जरूरत पर चिंता जताई। उन्होंने जजों की नियुक्ति समेत न्यायपालिका के सामने मौजूद चुनौतियों से निपटने के लिए सुधारों की आवश्यकता पर

जोर दिया। इस पर सीजेआई ने कहा कि सुधार व्यवस्था का हिस्सा होना चाहिए और कोई भी संस्था स्थिर रहकर लंबे समय तक ना तो टिक सकती है और ना ही इस बात पर गर्व कर सकती है कि उसमें कोई बदलाव नहीं हो रहा।

कॉलेजियम सिस्टम पर क्या बोले सीजेआई

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि कुछ ऐसे मुद्दे भी होते हैं जिन पर सार्वजनिक मंच से जवाब देना उचित नहीं होता। उन्होंने कहा कि कॉलेजियम सिस्टम कैसे बना और अब तक किस तरह काम करता रहा है, इन सवालों के उनके पास कानूनी और ऐतिहासिक जवाब हैं। उन्होंने कहा कि कॉलेजियम की सिफारिशों पर केंद्र सरकार की ओर से जजों की नियुक्ति में आमतौर पर कोई बड़ी रुकावट नहीं आती। उनके मुताबिक, यह खुद बताता है कि कॉलेजियम में किस तरह चर्चा होती है और आखिर में सिफारिशें कैसे तय की जाती हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि सुधार का स्वागत होना चाहिए।

शिकायतों पर चीफ जस्टिस सूर्यकांत का मत

उन्होंने शिकायतों के गलत इस्तेमाल की आशंका भी जताई।सीजेआई ने कहा कि अगर हर फैसले पर शिकायत की अनुमति हो तो कोई भी न्यायिक अधिकारी जब अंतरिम आदेश देता है, किसी मामले की सुनवाई टालता है या अंतिम फैसला सुनाता है तो हर चरण पर शिकायत हो सकती है। उन्होंने कहा कि यह गंभीर चर्चा का विषय है कि क्या हर शिकायत को सार्वजनिक मंच या वेबसाइट पर डालना चाहिए। या फिर इसके लिए एक मजबूत आंतरिक व्यवस्था होनी चाहिए जो पूरी निष्पक्षता और जिम्मेदारी के साथ शिकायतों पर फैसला करे। सीजेआई ने कहा कि ऐसी व्यवस्था पहले से मौजूद है।

पटना में छात्रों ने किया जोरदार प्रदर्शन

● बीपीएससी सयुंक्त परीक्षा और दरोगा भर्ती की मुख्य परीक्षा रद्द करने की मांग की

एजेंसी
पटना। बिहार पुलिस दारोगा भर्ती और बीपीएससी 70वीं परीक्षा रद करने समेत विभिन्न मांगों को लेकर मंगलवार को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों ने गांधी मैदान के समीप प्रदर्शन किया।विभिन्न छात्र संगठनों के नेतृत्व में बड़ी संख्या में छात्र जेपी गोलंबर के पास जुटे और सड़क पर उतर गए। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने जेपी गोलंबर से रामगुलाम चौक तक मुख्य मार्ग को जाम कर दिया।छात्रों को रोकने के लिए पुलिस ने पहले वाटर कैनन का इस्तेमाल किया, लेकिन हालात नहीं संभले तो पुलिस ने लाठीचार्ज कर प्रदर्शनकारियों को पीछे हटाया। गांधी मैदान से मार्च शुरू करने के बाद प्रदर्शनकारी छात्र राजभवन की ओर बढ़ रहे थे। रास्ते में पुलिस ने बैरिकेडिंग कर छात्रों को प्रतिबंधित क्षेत्र में जाने से रोकने की कोशिश की। हालांकि, प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग तोड़ दी और आगे बढ़ने लगे। मौके पर पुलिस की भारी तैनाती की गई थी। पुलिस अधिकारियों ने साफ कहा कि प्रदर्शनकारियों को प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। छ्स्क्क कामाख्या नारायण सिंह ने कहा कि अगर प्रदर्शनकारी आगे बढ़ने की कोशिश करेंगे तो पुलिस उन्हें रोक देगी। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों के साथ छात्रों की बातचीत सकारात्मक रही है और उम्मीद है कि छात्र उनकी बात

पुलिस का लाठीचार्ज

मानेंगे। उन्होंने कहा, ‘हम उन्हें रोकेंगे और आगे नहीं बढ़ने देंगे। हालांकि, बातचीत सकारात्मक रही है और हमें उम्मीद है कि छात्र सहमत होंगे। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों के सामने कई मुद्दे रखे हैं और बातचीत का नतीजा सकारात्मक रहा है। इसलिए उम्मीद है कि प्रदर्शन में कम लोग शामिल होंगे और छात्र सहमत हो जाएंगे। अगर वे नहीं मानते हैं तो हम उन्हें यहीं रोक देंगे और प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश नहीं करने देंगे। ‘

स्वतंत्र भारद्वाज को 3 हफ्ते की अंतरिम जमानत

जंतर-मंतर पर सीजेपी प्रदर्शनकारी से मारपीट मामले में मिली राहत

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने सीजेपी प्रदर्शनकारी से कथित मारपीट के मामले में स्वतंत्र भारद्वाज को तीन हफ्ते की अंतरिम जमानत दे दी है। कोर्ट के इस आदेश से उन्हें फिलहाल राहत मिली है। पिछली सुनवाई के दौरान अदालत ने स्वतंत्र भारद्वाज की जमानत याचिका पर अपना आदेश 15 सितंबर के लिए सुरक्षित रख लिया था। मामला कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की एक प्रदर्शनकारी के साथ कथित मारपीट से जुड़ा है। स्वतंत्र भारद्वाज पर प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारी और उसके पिता के साथ मारपीट करने का आरोप है। मामले में पुलिस की कार्रवाई के बाद उन्हें न्यायिक प्रक्रिया का सामना करना पड़ रहा है। पटियाला हाउस कोर्ट के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सौरभ प्रताप सिंह ललर ने यह आदेश

पारित करते हुए भारद्वाज को तीन हफ्ते की अंतरिम जमानत दे दी। हालांकि, यह अंतरिम जमानत सीमित अवधि के लिए है और मामले की आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी रहेगी। आपको बता दें कि स्वतंत्र ने नियमित जमानत मांगी थी।

राजपाल यादव को सुप्रीम कोर्ट से राहत

● 2 करोड़ जमा करने के लिए मिला दो हफ्ते का समय

एजेंसी
नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने राजपाल यादव को चेक बाउंस मामलों में 2 करोड़ रुपये का डिमांड ड्राफ्ट जमा करने के लिए दो हफ्ते का समय दिया है। कोर्ट ने इसे उनके लिए आखिरी मौका बताया है और पासपोर्ट जमा करने का भी निर्देश दिया है। राजपाल यादव और उनकी पत्नी राधा यादव ने

दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी है, जिसमें उन्हें दोषी ठहराते हुए प्रत्येक मामले में तीन महीने की सजा सुनाई गई थी। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने राजपाल यादव की फिल्मों में एक्टिंग का जिक्र करते हुए टिप्पणी की, ‘आप फिल्मों में बहुत अच्छी एक्टिंग करते हैं। मैं उम्मीद करता हूं कि कोर्ट में ऐसा नहीं करेंगे।’ कोर्ट की इस टिप्पणी के बाद मामले में राजपाल यादव को दो करोड़ रुपये जमा करने के लिए दो हफ्ते की मोहलत दी गई।

सीएम डीके शिवकुमार ने भाजपा पर ‘वंदे मातरम’ विवाद को लेकर अशांति फैलाने का लगाया आरोप

‘वंदे मातरम’ मुद्दे पर भाजपा के प्रस्तावित आंदोलन की कड़ी आलोचना की’

बेंगलुरु(एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने मंगलवार को ‘वंदे मातरम’ मुद्दे पर भाजपा के प्रस्तावित आंदोलन की कड़ी आलोचना की। उन्होंने विपक्षी पार्टी पर लोगों को भड़काने और राज्य में अशांति पैदा करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। सीएम शिवकुमार ने केआर सर्कल में सर एम. विश्वेश्वरैया को श्रद्धांजलि देने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा राजनीतिक कारणों से हर चीज में कमी निकाल रही है और उसे कर्नाटक के कल्याण की कोई परवाह नहीं है। शिवकुमार ने कहा, ‘अगर आप भाजपा नेताओं का सीना भी चीरकर देखें, तो उसमें राज्य के कल्याण की चिंता का कोई भाव नहीं मिलेगा। उनकी सोच सिर्फ राजनीतिक है। उन्हें सुधारा नहीं जा सकता।

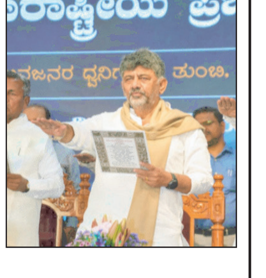

‘’वंदे मातरम’ मुद्दे पर भाजपा के विरोध प्रदर्शन के आह्वान पर प्रतिक्रिया देते हुए, उन्होंने उस पुलिस अधिकारी का बचाव किया, जिसके बयानों से यह विवाद शुरू हुआ था। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारी ने क्या गलती की है? उसने बस चेतावनी दी थी ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। इसके लिए भाजपा इस मुद्दे को सड़कों पर ले आई है। ‘ शिवकुमार ने सवाल किया कि विपक्ष के नेता समेत अन्य विपक्षी नेता पंचायत स्तर के मुद्दे में क्यों शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता का पद एक संवैधानिक पद है। मैं उनसे बेहतर आचरण की उम्मीद करता हूं। इस मुद्दे पर भाजपा नेताओं के सोशल मीडिया पोस्ट का जिक्र करते हुए शिवकुमार ने सवाल किया कि समाज में कानूनों का पालन सुनिश्चित करने के लिए कौन जिम्मेदार होना चाहिए।

बिहार में बाढ़ की तबाही पर राहुल गांधी, खरगे और प्रियंका गांधी ने जताया दुख

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में आई विनाशकारी बाढ़ से हुई जनहानि पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने दुख व्यक्त किया। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना जताते हुए सरकार से राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाने की अपील की। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि बिहार में बाढ़ से हुई जनहानि अत्यंत दुखद और हृदयविदारक है। उन्होंने आपदा में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि त्रासदी से प्रभावित सभी लोगों के साथ उनकी सहानुभूति है। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से आगे बढ़कर प्रभावित लोगों की हरसंभव मदद करने की अपील की। राहुल गांधी ने सरकार और प्रशासन से राहत एवं बचाव कार्य पूरी तत्परता से चलाने तथा प्रभावित परिवारों तक आवश्यक सहायता जल्द से जल्द पहुंचाने की अपेक्षा जताई। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बिहार में बाढ़ से हुई जनहानि को अत्यंत पीड़ादायक बताया। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि 15 जिलों में करीब 50 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं और हजारों गांवों में जनजीवन अस्त-व्यस्त है।

राहुल का आरोप- सरकार ने यूपीआई पर शुल्क लगाने का रास्ता खोल दिया

नई दिल्ली । केंद्र सरकार के दो हजार रुपये तक के यूपीआई के जरिए भुगतान को नि:शुल्क बनाए रखने की अधिसूचना के बाद लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने चुपचाप दो हजार से अधिक के यूपीआई लेनदेन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लगाने का रास्ता खोल दिया है। उन्होंने कहा कि भले ही ऐसे लेनदेन कुल संख्या का करीब पांच फीसदी हैं, लेकिन इनका कुल लेनदेन मूल्य में हिस्सा करीब 65 फीसदी है। राहुल गांधी ने मंगलवार को एक्स पोस्ट में कहा कि यूपीआई भुगतान पर सरकार ने कहा कि ग्राहकों से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। यदि दुकानदारों पर शुल्क लगाया जाता है तो उसका बोझ अंततः कहां जाएगा। यह लागत वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में शामिल होकर ग्राहकों की जेब पर पड़ सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिकी भुगतान कंपनियां लंबे समय से भारत की शून्य एमडीआर नीति का विरोध करती रही हैं।

हमारी विदेश नीति को दूसरे देशों के सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं : उमर अब्दुल्ला

● यूसीसी को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर आपके पास बहुमत है तो इसे संसद में लाइए

‘पूरा देश भाजपा शासित नहीं है।’

एजेंसी
श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को कई अहम मुद्दों पर अपनी राय रखी। उन्होंने यूसीसी विवाद, चीन की ओर से भारतीय विदेश नीति की तारीफ और एलएसी पर तनाव कम होने की खबरों पर बात की। चीन द्वारा भारत की विदेश नीति की सराहना करने पर उमर अब्दुल्ला ने कहा, ‘हमारी विदेश नीति हमारी अपनी है। हम दूसरे देशों के सर्टिफिकेट क्यों देखते हैं? और इसमें खतरा यह है कि कल अगर चीन हमारी विदेश नीति के खिलाफ कुछ कहे, तो आप क्या करेंगे? इसलिए, मुझे नहीं लगता कि हमें दूसरे देशों द्वारा हमारी विदेश नीति के बारे में कही गई बातों को, चाहे वह सकारात्मक हो या नकारात्मक, ज्यादा महत्व देना चाहिए।’ यूसीसी को लेकर

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि अगर आपके पास बहुमत है तो इसे संसद में लाइए। आप इसे अलग-अलग राज्यों में क्यों लागू कर रहे हैं? वैसे भी उनके अपने एनडीए में ही इस पर सहमति नहीं है। उन्होंने कहा, ‘रिपोर्ट्स के मुताबिक, जनता दल यूनाइटेड ने सीधे हाथ खड़े कर दिए हैं और कहा है कि यह बिहार में लागू नहीं होगा। तो अगर उनके अपने लोग ही इसके लिए तैयार नहीं हैं, तो वे कैसे कह सकते हैं कि इसे पूरे देश में लागू किया जाना चाहिए? उन्हें बैकडोर से नहीं आना चाहिए, उन्हें संसद में बिल लाना चाहिए और देखना चाहिए कि उनके पास नंबर हैं या नहीं। ‘ उमर अब्दुल्ला ने कहा कि अगर यह पूरे देश में लागू नहीं होता तो यह यूनिवर्सल नहीं है। पूरा देश भाजपा शासित नहीं है। कई राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों में भाजपा का शासन नहीं है। इसलिए, यदि आप इसे केवल भाजपा शासित राज्यों में लागू करते हैं, तो यह यूनिवर्सल नहीं है।

भारत डिफेंस एक्सपोर्टर बनने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा आगे : राजनाथ सिंह

● आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में एमएसएमई और स्टार्टअप की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

एजेंसी
नई दिल्ली । भारत आज आयातक से रक्षा निर्यातक बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मंगलवार को यह बात रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कही। उन्होंने बताया कि बीते कुछ वर्षों में स्टार्टअप और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम भारत में नवाचार के नए ध्वजवाहक बनकर उभरे हैं। यही छोटे उद्यम नए विचारों और नई प्रौद्योगिकियों को जन्म देते हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने इनके लिए ऐसा ढांचा तैयार किया है, जिसके माध्यम से स्टार्टअप और एमएसएमई सीधे

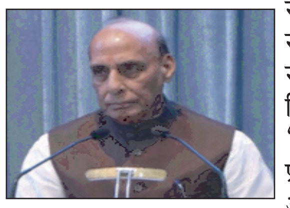

डीआरडीओ की प्रयोगशालाओं के साथ संवाद कर सकते हैं। डीप टेक व विशिष्ट प्रौद्योगिकियों में काम करने का अवसर प्राप्त कर सकते हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह नई दिल्ली में आयोजित डीआरडीओ-उद्योग समन्वय बैठक ‘विमर्श 2026’ में बोल रहे थे। यहां उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में एमएसएमई और स्टार्टअप की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। ये उद्यम बड़े रक्षा तंत्रों के घटक व उप-तंत्रों से लेकर अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी तक विकसित कर रहे हैं। अब डीआरडीओ व उद्योगों की साझेदारी केवल उत्पादन तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। रिसर्च, डिजाइन, परीक्षण, प्रमाणन और विनिर्माण की पूरी श्रृंखला में साझेदारी बढ़ानी होगी। बड़े उद्योगों के साथ एमएसएमई व स्टार्टअप को भी रक्षा आपूर्ति श्रृंखला का अभिन्न हिस्सा बनाना होगा। रक्षा मंत्री ने कहा, ‘आज डीआरडीओ के पास ज्ञान और प्रौद्योगिकी है, इंडस्ट्री के पास विस्तार और विनिर्माण क्षमता है, स्टार्टअप के पास नवाचार और तेजी से काम करने की क्षमता है और हमारे युवाओं के पास नए भारत का सपना है। जब ये चारों शक्तियां एक साथ आएंगी, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं रह जाएगा। जब ये चारों शक्तियां एक दिशा में आगे बढ़ेंगी, तो भारत की रक्षा क्षमता को दुनिया की कोई शक्ति रोक नहीं सकती।

जैकलीन फर्नांडिस को मकोका केस में आरोपी बनाया जाएगा या नहीं, राउज एवेन्यू कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली । अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस की मुश्किलों से जुड़ा 200 करोड़ रुपए का मामला एक बार फिर चर्चा में है। सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े मकोका केस में जैकलीन को आरोपी बनाए जाने की मांग वाली अर्जी पर राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई है और अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। इससे पहले अदालत ने इस मांग पर दिल्ली पुलिस से जवाब मांगा था। मौजूदा मामले में जैकलीन अभी मकोका केस की आरोपी नहीं हैं। दरअसल, 200 करोड़ रुपए के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जैकलीन पहले से आरोपी हैं और मई 2026 में दिल्ली की अदालत ने उनके खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया था।

दिशा सालियान केस में नाम आने पर सूरज पंचोली ने तोड़ी चुप्पी, बोले-मैं दिशा से कभी नहीं मिला

‘न ही मैं आदित्य ठाकरे से मिला हूं’

एजेंसी
मुंबई । सेलिब्रिटी मैनेजर दिशा सालियान का केज दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है और धीरे-धीरे इंडस्ट्री के लोगों का नाम आ रहा है। अब इस बीच अभिनेता सूरज पंचोली का नाम भी जोड़ा जा रहा है, जिस पर अभिनेता ने अपनी चुप्पी तोड़ी। सूरज पंचोली ने इंस्टाग्राम एक नोट शेयर करते हुए साफ किया कि दिशा से न उनकी पहले मुलाकात हुई और न ही मेरे पास कुछ भी छुपाने के लिए है। उन्होंने अपने नोट पर लिखा, ‘मैंने यह बात सामने रखने का फैसला इसलिए किया क्योंकि मुझे लगता है कि कुछ फैक्ट्स को पब्लिक डोमेन में साफ-साफ रखना जरूरी है। पिछले कुछ सालों से, मेरा नाम अलग-अलग मीडिया रिपोर्ट्स और बयानों के जरिए दिशा सालियान की दुर्भाग्यपूर्ण मौत से जुड़े कॉन्ट्रोवर्सी में घसीटा जा रहा है। मैं साफ-साफ कहना चाहता हूं कि मैं अपनी जिंदगी में कभी भी लेट दिशा सालियान से नहीं मिला हूं और न ही आदित्य ठाकरे से मिला हूं। अभिनेता ने अपना दुख जाहिर करते हुए बताया कि बहुत दुख की बात है कि उनका नाम बेवजह ऐसे मामलों में घसीटा जा रहा है, जिससे उनका कोई लेना-देना ही नहीं है। उन्होंने लिखा, ‘मैं लंबे समय तक चुप रहा क्योंकि मैं अपने बारे में लिखी गई हर रिपोर्ट या हर कहानी का जवाब नहीं देना चाहता था, लेकिन जब वही चीज बार-बार होती रहती है, तो एक पॉइंट आता है जब आपको खुद के लिए बोलना पड़ता है। इस मामले के बारे में, सीबीआई/पुलिस पहले ही मेरी जांच कर चुकी है और एजेंसियों ने लगभग 4-5 साल पहले मेरा स्टेटमेंट रिकॉर्ड किया था। ‘

यूसीसी पर एनडीए के सहयोगी दलों ने बढ़ाई भाजपा की चिंता

शाह के बयान के बाद सामने आए तीन अलग सुर

नई दिल्ली, एजेंसी।
केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में 2029 तक 21 भाजपा-एनडीए शासित राज्यों में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने का लक्ष्य रखा है। हालांकि, उनके इस बयान के तुरंत बाद ही सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के कुछ प्रमुख सहयोगी दलों ने इस मुद्दे पर सावधानी भरा रुख अपना लिया है, जिससे भाजपा की राह थोड़ी मुश्किल होती दिख रही है। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी), जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने यूसीसी को लेकर अपने-अपने विचार रखे हैं, जो गठबंधन के भीतर बढ़ती सुगबुगाहट को दर्शाते हैं।

संसद में बहुमत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली तेलुगु देशम पार्टी ने यूसीसी पर सशर्त समर्थन का संकेत दिया है। लोकसभा में टीडीपी के नेता लावु कृष्ण देवरायालु ने कहा कि जब इसकी जरूरत महसूस होगी, तब इस पर विचार किया जाएगा और इसे अपनाने से पहले विभिन्न हितधारकों को चर्चा में शामिल किया जाएगा। यह भी गौरतलब है कि 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले टीडीपी प्रमुख और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने यूसीसी की बात आने पर मुस्लिम समुदाय के साथ खड़े होने की बात कही थी, जो उनके वर्तमान रुख में सावधानी का संकेत देता है। बिहार में नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड ने अपना रुख साफ करते हुए कहा है कि पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर यूसीसी विधेयक का समर्थन करती है, लेकिन इसे बिहार में लागू करने के पक्ष में नहीं है। पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर इस मुद्दे पर चर्चा करने की बात कही है। नीतीश कुमार अतीत में यूसीसी का समर्थन कर चुके हैं, लेकिन उनका जोर इस बात पर रहा है कि सभी समुदायों को साथ लेकर आम सहमति बनाई जानी चाहिए।

भाजपा के एक अन्य सहयोगी और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता चिराग पासवान ने भी यूसीसी पर सावधानी भरा रुख अपनाया। उन्होंने संविधान में विभिन्न समुदायों की परंपराओं और प्रथाओं को मान्यता दिए जाने का हवाला देते हुए विविधता के महत्व पर जोर दिया। पासवान ने कहा कि यूसीसी का प्रस्ताव सार्वजनिक किया जाना चाहिए और संबंधित हितधारकों से व्यापक चर्चा व विचार-विमर्श के बाद ही पार्टी अपना रुख स्पष्ट करेगी। उन्होंने अनुसूचित जनजातियों को मिली छूट का भी विशेष रूप से उल्लेख किया। हालांकि, कुछ सहयोगी दल यूसीसी के प्रति अपना पूर्ण समर्थन दोहरा चुके हैं। एकनाथ शिंदे की शिवसेना और हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (सेक्युलर) ने यूसीसी को लेकर अपना समर्थन व्यक्त किया। शिवसेना नेता श्रीकांत शिंदे ने यूसीसी को समानता, न्याय और राष्ट्रीय एकता के सिद्धांतों पर आधारित बताया, जबकि हम के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष कुमार सुमन ने अमित शाह के यूसीसी संबंधी बयान का पूरे समर्थन के साथ स्वागत किया।

बिहार में बाढ़ से जानमाल को नुकसान- खड़गे और राहुल गांधी ने जताया दुख

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बिहार में बाढ़ से हुए जानमाल के नुकसान पर दुख जताया और पार्टी के कार्यकर्ताओं से प्रभावित लोगों की मदद के लिए हाथ बढ़ाने अपील की। खड़गे ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा- बिहार में बाढ़ से हुई जनहानि अत्यंत पीड़ादायक है। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। उन्होंने कहा कि 15 जिलों में करीब 50 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं और हजारों गांवों में जनजीवन अस्त-व्यस्त है। खड़गे ने इस बात पर जोर दिया कि संकट की इस घड़ी में सरकार की प्राथमिकता हर प्रभावित परिवार तक राहत और मदद पहुंचाने की होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार और प्रशासन राहत, बचाव, चिकित्सा सहायता और पुनर्वास कार्यों में कोई कसर न छोड़ें। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खड़गे ने कहा कि कांग्रेस के सभी कार्यकर्ताओं से अपील है कि वे प्रभावित क्षेत्रों में आगे बढ़कर लोगों की मदद करें। पूरा देश इस कठिन समय में बिहार के साथ खड़ा है। राहुल गांधी ने सरकार और प्रशासन से राहत एवं बचाव अभियान पूरी तत्परता से चलाकर प्रभावित परिवारों तक जरुरी मदद जल्द पहुंचाने का आग्रह किया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में कहा- बिहार में आई विनाशकारी बाढ़ से हुई जनहानि अत्यंत हृदयविदारक है। उन्होंने कहा कि इस आपदा में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। त्रासदी से प्रभावित सभी लोगों के साथ मेरी सहानुभूति है। राहुल ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से अपील है कि वो आगे बढ़कर प्रभावित लोगों की हरसंभव मदद करें। बता दें बिहार और पड़ोसी देश नेपाल के जलग्रहण क्षेत्र में पिछले चार-पांच दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण राज्य में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है और 15 जिलों में करीब 50 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। आपदा प्रबंधन विभाग ने सोमवार को जारी बयान में बताया कि पटना, भोजपुर, सारण, वैशाली, भागलपुर, बेगूसराय, बक्सर, समस्तीपुर, मुंगेर, कटिहार, लखीसराय, खगड़िया, पूर्णिया, मधेपुरा और अररिया जिलों के 88 प्रखंडों की 575 ग्राम पंचायतों के 49.36 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं।

नागालैंड में मिलावटी शराब पीने से 10 की मौत, आबकारी विभाग ने जारी की चेतावनी

कोहिमा (एजेंसी)। शराबबंदी वाले राज्य नागालैंड के तुएनसांग में मिलावटी शराब पीने से 10 लोगों की मौत के बाद राज्य के आबकारी एवं निषेध विभाग ने अज्ञात या संदिग्ध स्रोत की शराब के सेवन के खिलाफ चेतावनी जारी की है। तुएनसांग पुलिस ने बताया कि 10 से 12 सितंबर के बीच मरने वालों में से 9 लोगों का शराब के सेवन से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संबंध था, हालांकि मौत के कारणों का अभी तक निर्णायक रूप से पता नहीं चला है। नागालैंड के डीजीपी ने बताया कि पीड़ितों की मौत मिलावटी शराब पीने से हुई। पुलिस के मुताबिक एक अन्य व्यक्ति ने आत्महत्या की है इस मामले की अलग से जांच की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट में स्थानीय लोगों के हवाले से बताया गया है कि वास्तविक मृतकों की संख्या इससे ज्यादा हो सकती है और संभवत: कुछ मौतें दर्ज ही नहीं हुई हैं। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि 12 सितंबर को तुएनसांग पुलिस को तुएनसांग सिविल अस्पताल में भर्ती लोगों की लगातार हो रही मौतों के संबंध में रिपोर्ट मिली थी। पुलिस ने बताया कि शुरुआती पूछताछ में पता चला है कि अधिकतर मामलों में मृतकों ने धुंधली दृष्टि, गंभीर सिरदर्द, चक्कर आना, मतली और उल्टी जैसे लक्षण पैदा होने से पहले शराब का सेवन किया था। पुलिस ने कहा कि मिलावटी शराब का सेवन मौतों का संभावित कारण माना जा रहा है, लेकिन इस स्तर पर वैज्ञानिक रूप से इसकी पुष्टि नहीं की जा सकी है। बयान में कहा गया है कि जांच के तहत वैज्ञानिक और फोरेंसिक प्रक्रियाएं अपनाई जाएंगी।

यूजीसी पर भागवत की दो टूक

भीलवाड़ा (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने यूजीसी के प्रस्तावित नियमों को लेकर स्पष्ट कहा है। 'न यह कानून बना है,ना बनेगा।' भीलवाड़ा में जैन आचार्य पुलक सागर महाराज से मुलाकात के दौरान भागवत ने कहा, यूजीसी से जुड़े नियम अभी प्रस्तावित हैं। आचार्य पुलक सागर ने इन प्रावधानों को लेकर सामाजिक विभाजन की आशंका जताते हुए चिंता व्यक्त की है। इसी बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने समान नागरिक संहिता यानी यूसीसी को लेकर बड़ा राजनीतिक लक्ष्य सामने रखा है। मुंबई में शाह ने कहा कि भाजपा-नीत राजग की 21 राज्य सरकारें 2029 से पहले यूसीसी लागू करेंगी। इन दोनों बयानों को लेकर राजनीतिक बहस तेज हो गई है। यह विषय इसलिए महत्वपूर्ण है, यूजीसी और यूसीसी दो अलग विषय हैं। एक उच्च शिक्षा के नियमन से जुड़ा है।दूसरा विवाह, तलाक, उत्तराधिकार जैसे व्यक्तिगत कानूनों में समान व्यवस्था से संबंधित है। इसलिए भागवत और शाह के बयानों को लेकर देश में राजनीतिक बवाल बढ़ गया है। संघ-भाजपा खेमे के दो महत्वपूर्ण संदेशों के रूप में देखा जाना चाहिए। वर्तमान बहस का असली सवाल यह है। प्रस्तावित यूजीसी नियमों पर सरकार आगे क्या रुख अपनाती है। कई राज्यों में यूजीसी को लागू कर दिया गया है।यूसीसी को 2029 से पहले लागू करने के लिए राज्यों में कितनी सहमति बन पाती है। यह देखना जरूरी है।

चंदौसी में गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल- मुस्लिम समाज ने गणपति को चढ़ाए दो क्विंटल लड्डू

संभल (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के संभल जिले के चंदौसी में मुस्लिम समाज ने भगवान गणेश को दो क्विंटल लड्डू का भोग चढ़ाकर आपसी भाईचारे और सांप्रदायिक सौहार्द की अनोखी मिसाल पेश की। गणेश चौथ मेला के दौरान हुआ यह आयोजन सालों से चली आ रही एक अनूठी परंपरा का हिस्सा है। चंदौसी का गणेश चौथ मेला अपनी धार्मिक आस्था और गंगा-जमुनी तहजीब के लिए मशहूर है। इस वर्ष भी मेला का उद्घाटन विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधियों ने मिलकर किया था, जो इस क्षेत्र की साझा संस्कृति को दर्शाता है। सोमवार को मेला में भव्य रथ यात्रा भी निकाली गई, जिसमें विभिन्न प्रकार की स्वचालित झांकियां मुख्य आकर्षण थीं और इन्हें देखने के लिए शहर के मुख्य मार्गों पर बड़ी संख्या में लोग उमड़े थे। इस धार्मिक आयोजन के बीच, मुस्लिम समाज की ओर से भगवान गणेश को चढ़ाए गए दो क्विंटल लड्डू की खूब चर्चा रही। मुस्लिम समाज प्रतिनिधि ने बताया कि मुस्लिम समाज साल 2001 से हर वर्ष भगवान गणेश को लड्डू का भोग चढ़ाता आ रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह केवल एक धार्मिक अनुष्ठान में भागीदारी नहीं, बल्कि आपसी प्रेम, सद्भाव और सांप्रदायिक सौहार्द का जीवंत संदेश है। इस अनूठे प्रयास ने एक बार फिर चंदौसी की पुरानी परंपरा और आपसी सौहार्द को मजबूती से उजागर किया, जहाँ त्यौहारों को मिलकर मनाने की भावना हर वर्ष और प्रगाढ़ होती दिखती है।

केदारनाथ यात्रा तीसरे दिन भी बंद, देश के कई राज्यों में बारिश-बाढ़ का अलर्ट

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में केदारनाथ पैदल मार्ग पर लगातार पत्थर गिरने के कारण केदारनाथ यात्रा तीसरे दिन भी बंद रही। सुरक्षा बलों ने करीब 7,000 यात्रियों को सुरक्षित निकालकर गौरीकुंड की ओर भेज दिया है, जबकि 500 से अधिक तीर्थयात्री अभी फंसे हुए हैं। राहत की बात यह है कि केदारनाथ धाम के लिए आज से हेलीकॉप्टर सेवाएँ शुरू हो गई हैं, लेकिन पैदल यात्रा अभी भी रोकी गई है।इस बीच, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और पंजाब सहित- देश के कई राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

गोल्डन खड़ाऊ, चांदी के कड़े: धीरेंद्र शास्त्री ने अंबानी इवेंट में जीता दिल

मुंबई, एजेंसी।
बीती रात अंबानी परिवार ने मुंबई स्थिति अपने घर में गणपति बप्पा का भव्य स्वागत किया, जिसमें बॉलीवुड, खेल और राजनीतिक जगत के साथ-साथ कई धर्मगुरुओं ने शिरकत की। बाबा रामदेव और जया किशोरी के अलावा, बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री भी अंबानी के गणेशोत्सव में पहुंचे। एंटीलिया में धीरेंद्र शास्त्री का लुक सबसे ज़्यादा चर्चा का विषय रहा, खासकर उनके पैरों ने सबका ध्यान खींचा।
हमेशा की तरह भगवा कुर्ते और सफ़ेद धोती में दिखे शास्त्री ने मरून शॉल ओढ़ी हुई थी और माथे पर चंदन-टीका लगाए थे। उनका अंदाज जितना सादा था, उतना ही क्लासी लग रहा था। लेकिन उनके पैरों ने सभी को अचंभित किया, क्योंकि धीरेंद्र शास्त्री जूतों या चप्पलों की जगह उन्होंने पारंपरिक गोल्डन खड़ाऊ पहने थे। पैरों में आलता लगा हुआ था और चांदी के कड़े भी नजर आए, जो उनके पारंपरिक अवतार को और ज़्यादा ख़ास बना रहे थे। धीरेंद्र शास्त्री के आलता लगे पैरों की तस्वीरें इंटरनेट पर तेज़ी से वायरल हुईं, और लोगों ने उनके इस सादगीपूर्ण और सांस्कृतिक रूप को बेहद सराहा। इस भव्य आयोजन में बाबा भी भगवा वेश में दिखे, जबकि सलमान खान, रेखा, करीना-करिश्मा कपूर, कटरीना-विक्की जैसे बड़े बॉलीवुड सितारे और कई क्रिकेटर्स अपने परिवारों के साथ बप्पा के दर्शन करने पहुंचे थे।

राहुल-प्रियंका ने 130 नेताओं से पूछा- आपने क्या किया?

-कांग्रेस में आधे सचिवों की छुट्टी की संभावना

नई दिल्ली, एजेंसी।
कांग्रेस संगठन में लंबे समय से प्रतीक्षित बड़े फेरबदल की दिशा अब साफ होती दिख रही है। पार्टी नेतृत्व संगठन को नए सिरे से मजबूत करने की तैयारी में है और जल्द ही अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के सचिवों में भारी बदलाव कर सकती है। मौजूदा सचिवों में से करीब आधे को उनकी जिम्मेदारियों से मुक्त किए जाने की संभावना है। इस कवायद के तहत, पिछले एक सप्ताह में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और एआईसीसी महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने लगभग 130 संभावित उम्मीदवारों के साक्षात्कार लिए हैं।
नए सचिवों के चयन के लिए समूह साक्षात्कार की प्रक्रिया 7 सितंबर से शुरू हुई थी, जिसमें 12 से 14 नेताओं के बैच में उम्मीदवारों से सवाल पूछे गए। सूत्रों के अनुसार, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और केसी वेणुगोपाल ने प्रत्येक उम्मीदवार के लिए तैयार डोजियर के आधार पर उनके काम, प्रदर्शन, पार्टी संगठन में भूमिका और योगदान को लेकर विस्तार से सवाल किए। उम्मीदवारों से अपनी भूमिका में किए गए कार्यों, उसके पीछे के कारणों, पार्टी के लिए योगदान और उन क्षेत्रों के बारे में पूछा गया जहां कमी रह गई। उनसे काल्पनिक परिस्थितियों, कमजोर प्रदर्शन वाले राज्यों में पार्टी को मजबूत करने के उपायों और संगठन सृजन अभियान पर उनके विचारों को लेकर भी प्रश्न पूछे गए। उम्मीदवारों से उनके राजनीतिक सफर और सबसे उल्लेखनीय प्रदर्शन के बारे में भी पूछा गया। इस बड़े फेरबदल से पहले, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा मंगलवार को मौजूदा एआईसीसी सचिवों से भी मुलाकात करेंगे। इस बैठक में उनके कामकाज की समीक्षा की जाएगी और उन्हें फीडबैक दिया जाएगा। माना जा रहा है कि करीब 50 फीसदी मौजूदा एआईसीसी सचिवों को उनकी मौजूदा जिम्मेदारियों से मुक्त किया जा सकता है। मंगलवार की इस बैठक का आधिकारिक एजेंडा अभी घोषित नहीं हुआ है, लेकिन इसमें प्रदर्शन और प्रस्तावित संगठनात्मक बदलावों पर चर्चा की प्रबल संभावना है। कांग्रेस में वर्तमान में 64 एआईसीसी सचिव हैं, जिनमें से अधिकांश को अलग-अलग राज्यों की जिम्मेदारी दी गई है। वे संबंधित राज्यों में एआईसीसी महासचिवों या प्रभारी नेताओं के अधीन काम करते हैं और राज्य इकाइयों के कामकाज की निगरानी करते हैं। कुछ सचिवों को दिल्ली स्थित पार्टी के महत्वपूर्ण कार्यालयों में भी तैनात किया गया है। हालांकि, इस पूरी कवायद में उन नेताओं को भी ध्यान में रखा जाएगा जिन्हें हाल ही में संगठन सृजन अभियान के तहत नई जिम्मेदारियां दी गई हैं या संगठन में प्रमोट किया गया है।

गुरुग्राम हिट एंड रन केस की पीड़िता बोली- सिंपैथी गेम खेल रहा आरोपी

गुरुग्राम, एजेंसी।
सोमवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां एक महिला बाइकर को कार चालक ने कथित तौर पर जानबूझकर टक्कर मार दी। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पीड़िता सिया ने आरोपी कल्याण बैंसला पर पलटवार किया है। सिया ने कहा कि आरोपी केवल सिंपैथी गेम खेल रहा है और उसकी जान भी जा सकती थी।

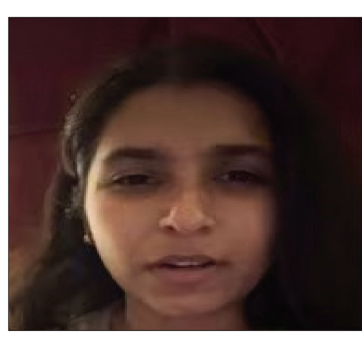

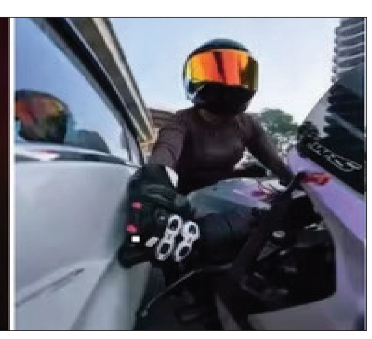

वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि एक तेज रफ्तार कार एक महिला बाइकर को जोरदार टक्कर मारती है, जिसके बाद महिला सड़क पर गिरकर लुढ़कती चली जाती है और उसकी बाइक काफी दूर तक घिसटती हुई जाती है, जिससे चिंगारियां निकल रही थीं। इस घटना के बाद कार चालक कल्याण बैंसला ने अपनी सफाई में जानबूझकर टक्कर मारने से इनकार किया था, जिस पर सिया ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। सिया ने अपनी आपबीती सुनाते हुए कहा कि वायरल वीडियो में स्पष्ट दिख रहा है कि उन्हें किस तरह टक्कर मारी गई। उन्होंने बैंसला के इस दावे को खारिज किया कि उसे पता नहीं था कि बाइक एक लड़की चला रही थी। सिया ने सवाल किया, मेरे बाल इतने लंबे थे और मैंने चोटी बनाई थी। आपने मेरा पीछा किया और बाइक रोकने को कहा, फिर कैसे नहीं पता था? उन्होंने कहा कि चाहे वे तेज चलें या धीरे, किसी को भी उनका पीछा करने का अधिकार नहीं है। पीड़िता ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा, अगर दो-तीन सेकंड का गैप हो जाता तो मेरी मौत हो सकती थी। मैं रोड पर गिरी थी और बाइक घिसटती चली गई। अगर आरोपी को दुख ही हो रहा था, तो वह रुका क्यों नहीं? उसकी जिम्मेदारी थी कि वह रुककर देखे कि जिसे टक्कर मारी, वह मरा या बचा। सिया ने बैंसला के सिंपैथी गेम पर कटाक्ष करते हुए कहा कि ऐसे लोग यह भी नहीं सोचते कि उनके घर में भी महिलाएं होंगी।
वहीं, आरोपी कल्याण बैंसला ने अपनी सफाई में जानबूझकर टक्कर मारने से इनकार किया है। जिम संचालक और खुद को अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी बताने वाले बैंसला ने कहा कि उसने यू-टर्न के पास कार पर से अपना नियंत्रण खो दिया था। उसने उलटा महिला बाइकर सिया और उनके साथी पर उकसाने का आरोप लगाया। बैंसला के अनुसार, वीडियो में देखिए कि कौन बार-बार बाइक तेज और धीमी कर रहे थे। उसने यह भी दावा किया कि घटनास्थल पर रुकने पर उसे डर था कि बाइक सवारों का एक समूह उसे और उसके परिवार को पीट सकता था, इसलिए वह वहां से भाग गया। विवाद के बाद आरोपी ने अपना इंस्टाग्राम अकाउंट भी बंद कर दिया।

कांग्रेस ने ममता को दिया झटका, मदद से किया इनकार

कोलकाता, एजेंसी।
पश्चिम बंगाल की राजनीति में पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के सामने चुनौतियां फिलहाल कम होती नहीं दिख रही हैं। खबर है कि नंदीग्राम उपचुनाव में मदद के लिए उन्होंने कांग्रेस से संपर्क साधा था, लेकिन पार्टी ने उनका प्रस्ताव मानने से साफ इनकार कर दिया है। हालांकि, इसे लेकर आधिकारिक रूप से किसी भी पार्टी ने कुछ नहीं कहा है। सूत्रों के अनुसार, ममता बनर्जी ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता केसी वेणुगोपाल से बात की थी। उन्होंने नंदीग्राम सीट पर कांग्रेस के लिए लड़ने का वादा करते हुए रेजीनगर सीट पर तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार के लिए समर्थन मांगा था। यह भी कहा गया है कि ममता ने नंदीग्राम से अपने प्रत्याशी का नाम वापस लेने की भी पेशकश की थी, जिससे संकेत मिल रहे थे कि वह कांग्रेस

के साथ गठबंधन की कोशिश में हैं। हालांकि, कांग्रेस ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया। पार्टी सूत्रों ने बताया कि तृणमूल शासन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर हुए कथित अत्याचारों के चलते उन्होंने यह कदम उठाया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शुभांकर सरकार के मुताबिक, अगर टीएमसी गठबंधन चाहती है, तो उसे नंदीग्राम और रेजीनगर, दोनों सीटों पर होने वाले उपचुनावों में कांग्रेस का साथ देना होगा। दोनों ही सीटों पर 6 अक्टूबर को वोटिंग होगी और 9 अक्टूबर को मतगणना होगी। तृणमूल कांग्रेस ने नंदीग्राम सीट पर संचिता प्रधान डे को और रेजीनगर से रबीउल आलम चौधरी को उम्मीदवार बनाया है। खबरें हैं कि संचिता प्रधान डे की उम्मीदवारी को लेकर स्थानीय स्तर पर नाराजगी का दौर शुरू हो गया है, क्योंकि उनका नाम साल 2014 के शिक्षक भर्ती घोटाले में आया था। उधर, कांग्रेस ने रेजीनगर से मोहम्मद अब्दुल्लाहिल कफी और नंदीग्राम से मिलन प्रधान को मैदान में उतारा है।ममता बनर्जी के लिए चुनौतियां यहीं खत्म नहीं होतीं। ऋताब्रत बनर्जी की अगुवाई वाले टीएमसी के बागी गुट ने भी दोनों सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किए हैं। यह गुट टीएमसी के नाम और चिह्न पर ही चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहा है। उनकी तरफ से नंदीग्राम से मोहम्मद एतेशामुल हक और मुर्शिदाबाद की रेजीनगर सीट से सफीउज्जमां शेख मैदान में होंगे।

भारत रक्षा निर्यातक बनने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा आगे: राजनाथ सिंह

नई दिल्ली,, एजेंसी।
भारत आज आयातक से रक्षा निर्यातक बनने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नई दिल्ली में आयोजित डीआरडीओ-उद्योग समन्वय बैठक 'विमर्श 2026' में यह बात कही। उन्होंने देश की रक्षा आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त करने में स्टार्टअप और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।
केंद्रीय मंत्री सिंह ने बताया कि बीते कुछ वर्षों में ये छोटे उद्यम नवाचार के नए ध्वजवाहक बनकर उभरे हैं, जो नए विचारों और नई प्रौद्योगिकियों को जन्म दे रहे हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने इनके लिए एक ऐसा ढांचा तैयार किया है, जिसके माध्यम से स्टार्टअप और एमएसएमई सीधे डीआरडीओ की प्रयोगशालाओं के साथ संवाद कर डीप टेक व विशिष्ट प्रौद्योगिकियों में काम करने का मौके प्राप्त कर सकते हैं।
केंद्रीय रक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया कि आत्मनिर्भर भारत के लिए डीआरडीओ और उद्योगों की साझेदारी अब केवल उत्पादन तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। इस अनुसंधान, डिजाइन, परीक्षण, प्रमाणन और विनिर्माण की पूरी श्रृंखला में बढ़ाना होगा। उन्होंने कहा कि जब डीआरडीओ का ज्ञान, उद्योग की विनिर्माण क्षमता, स्टार्टअप का नवाचार और युवाओं का नए भारत का सपना एक साथ आएंगे, तब भारत की रक्षा क्षमता को दुनिया की कोई शक्ति रोक नहीं सकती।
उन्होंने उल्लेख किया कि आज जारी की गई नई नीतियां और दिशानिर्देश उद्योग के लिए नई संभावनाएं लेकर आए हैं। इनका फोकस उद्योग के नेतृत्व वाले अनुसंधान एवं विकास, स्टार्टअप और एमएसएमई के वित्त पोषण को बढ़ावा देना है। इसके साथ ही, शिक्षा जगत और उद्योग के बीच सहयोग तथा एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग व हाइपरसोनिक जैसी भविष्य की प्रौद्योगिकियों में निवेश पर भी जोर दिया गया है।
राजनाथ सिंह ने स्वीकार किया कि रक्षा क्षेत्र में अनुसंधान और विकास के लिए केवल सरकार या डीआरडीओ के प्रयास पर्याप्त नहीं हैं; यह एक सहयोगात्मक प्रयास है। उन्होंने कहा कि डीआरडीओ और उद्योग के बीच की यह साझेदारी ही भारत को रक्षा विनिर्माण का वैश्विक केंद्र बना सकती है। उनका मानना है कि कोई भी उत्पाद भारत में विकसित कर देना महत्वपूर्ण है, लेकिन उससे भी महत्वपूर्ण है उत्पाद बनाने की क्षमता और आत्मविश्वास विकसित करना। केंद्रीय रक्षा मंत्री ने आत्मनिर्भरता के वास्तविक अर्थ को समझाया। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भरता का मतलब केवल कुछ कलपुर्जे या हथियार उपकरण विकसित करना नहीं, बल्कि यह हमारे चरित्र और रवैये का हिस्सा होना चाहिए। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची, 'मेक इन इंडिया' पहल, आईडेक्स, अदिति जैसे कार्यक्रम और रक्षा अनुसंधान एवं विकास बजट का 25

प्रतिशत निजी क्षेत्र के लिए आवंटित करने जैसे कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए हैं। ये कदम रक्षा क्षेत्र में आयात पर हमारी निर्भरता को कम करने और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ने के लिए उठाए गए हैं।

आग की लपटों में घिरी अबला का जीवन खो देना त्रासदी, भाषा में पीड़ा व्यक्त करना कठिन

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर में अपर जिला एवं सत्र न्यायालय/फास्ट ट्रैक कोर्ट संख्या-3 के पीठासीन अधिकारी रवि कुमार दिवाकर ने लिखा कि कुछ अपराध ऐसे होते हैं, जिनकी गंभीरता को केवल कानूनी धाराओं और साक्ष्य की भाषा में पूरी तरह व्यक्त करना कठिन होता है। जीवित अबला महिला का आग की लपटों में घिरना, सहायता के लिए संघर्ष करना और अंतत जीवन खो देना ऐसी मानवीय त्रासदी है जो अपराध के परिणाम से कहीं अधिक व्यापक पीड़ा को दर्शाती है। अदालत ने 77 पेज के फैसले में लिखा कि जनता से पूछना चाहते हैं कि यह आग कब बुझेगी। कब तक अबला महिलाओं को जलाकर मारा जाता रहेगा और पूरा सिस्टम सिर्फ वादकारी का हित सर्वोपरि में सिर्फ अभियुक्त का ही हित और अधिकार देखेगा। स्वयं को बचाने की असहायता इस अपराध को साधारण हत्या से कहीं अधिक जघन्य बनाती है। यह कृत्य न केवल पीड़िता के जीवन और गरिमा पर आघात है, बल्कि वैवाहिक विश्वास एवं उस सामाजिक संस्था के प्रति भी गंभीर आघात है, जिसमें पति-पत्नी एक-दूसरे की सुरक्षा और सहारे के लिए अपेक्षित होते हैं। पीड़िता की असहाय स्थिति और समाज पर उसके प्रभाव को समग्रता में देखते हुए यह न्यायालय इस निष्कर्ष पर पहुंचता है कि यह मामला अति-दुर्लभतम में दुर्लभ श्रेणी में आता है। हत्या का यह तरीका अत्यंत निर्मम एवं पाश्विक है। यदि दंड देते समय ऐसे सिद्धदोष के प्रति सहानुभूति दर्शित की जाएगी तो यह भविष्य में इस बात की मिसाल बन जाएगा कि कोई भी विवाहित पति अपनी पत्नी को जिन्दा जलाकर मार दे और न्यायालय उसके साथ सहानुभूति प्रदर्शित करे। इसलिए प्रश्नगत प्रकरण में सिद्धदोष नदीम को मृत्युदंड दिया जाना ही एकमात्र विकल्प है। अदालत ने फैसले में खुदा की ओर से बाबा आदम को बनाने और अजाजील की कहानी भी लिखी। उदास बाबा आदम की बाईं पसली से नारी के जन्म को बयान किया, जिसका नाम हव्वा रखा गया। गेहूं का दाना खाने के कारण आदम-हव्वा को खुदा ने पृथ्वी पर भेज दिया। दोनों पति-पत्नी एक-दूसरे से प्यार करते थे। मुसीबत सहते हुए धरती पर रहे। इस्लामी मान्यता के अनुसार जो व्यक्ति अपनी पत्नी की हत्या करेगा वह दोजख में भेजा जाएगा। पति-पत्नी का संबंध प्यार-मोहब्बत पर आधारित होता है। लैला-मंजनू और शीरी-फरहाद के प्यार-मोहब्बत के किस्सों का उल्लेख किया जाना आवश्यक है। प्रेम संबंधों के संबंध में यह बताते हैं कि प्रेम अर्थात् मोहब्बत में किसी की जान ली नहीं जाती है, ऐसा होता है प्रेम का संबंध अथवा पति-पत्नी का संबंध। मुस्लिम समाज में निकाह नामक संस्था का बड़ा महत्व है। हजरत मोहम्मद साहब का कथन है कि निकाह मेरी सुन्नत है। जो लोग जीवन के इस ढंग को नहीं अपनाते हैं वह मेरे अनुयायी नहीं हैं। निकाह को पुण्य कार्य माना गया है। मुस्लिम विधि की प्रसिद्ध पुस्तक रघुल मोहतार में यह कहा गया है कि बाबा आदम के समय से आज तक हम लोगों के लिए रखा गया और जन्नत में भी होने वाला कोई ऐसा इबादत का कार्य नहीं है, सिवाय निकाह और इमान के। निवाड़ा गांव की शहजादी की शाहपुर में हत्या के बाद से उसका बेटा शादान ननिहाल में ही रह रहा है। सोमवार को अदालत के फैसले के बाद वादी पिता दिलशाद ने कहा कि बेटी के साथ मारपीट की गई थी। हम अदालत के फैसले से संतुष्ट है। जैसा हमारी बेटी के साथ किया गया, वैसा सजा ही नदीम को मिलनी चाहिए। दोषी को फांसी लगनी चाहिए। वारदात के बाद उन्हें शहजादी के ससुरालियों ने जानकारी नहीं दी थी, किसी तरह पड़ोसियों से मामले की जानकारी मिली। नदीम को फांसी की सजा के बाद उसके भाई नईम ने कहा कि वह फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट जाएंगे। प्रकरण में नदीम पांच साल जेल में रहा और वर्तमान में जमानत पर चल रहा था। कपड़े की फेरी लगाकर वह गुजारा करता था। 26 अगस्त को उसे दोबारा हिरासत में लिया गया। हम अदालत के फैसले से संतुष्ट नहीं है। अपर जिला एवं सत्र न्यायालय/फास्ट ट्रैक कोर्ट संख्या-3 के पीठासीन अधिकारी रवि कुमार दिवाकर ने पत्नी को जिंदा जलाने वाले नदीम को फांसी की सजा सुनाई। एक लाख रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। वादी पिता समेत तथ्य के अन्य गवाहों के पक्षद्रोही हो जाने के बावजूद मजिस्ट्रेट को मृत्यु पूर्व दिया गया बयान सजा का आधार बना। न्यायालय ने फैसले में लिखा कि अबला नारी को जिंदा जलाने वाला सहानुभूति का हकदार नहीं है, उसे मृत्युदंड दिया जाना ही उचित है। अदालत ने सवाल उठाया कि यह आग कब बुझेगी। कस्बा शाहपुर में आठ साल पहले घरेलू विवाद में शहजादी (23) को मिट्टी का तेल डालकर जिंदा जला दिया गया था। बागपत के निवाड़ा निवासी दिलशाद ने अपनी पुत्री शहजादी का निकाह 10 जनवरी 2015 को शाहपुर की नई आबादी निवासी नदीम के साथ किया था। दंपती के घर में बेटे शादान का जन्म हुआ। 23 जुलाई 2018 को रात 8-30 बजे विवाहिता के साथ मारपीट कर उसके ऊपर मिट्टी का तेल छिड़ककर आग लगा दी गई थी। बेगराजपुर मेडिकल कॉलेज और आनंद हॉस्पिटल मेरठ में उपचार कराया गया। गंभीर हालत के कारण दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान 28 जुलाई 2018 को उसकी मृत्यु हो गई थी। शहजादी का शरीर करीब 98 प्रतिशत तक जल चुका था। मौत की वजह जलना और सेप्टिक शॉक पाया गया था। वादी दिलशाद ने प्राथमिकी में दहेज के लिए प्रताड़ित करने, बाइक और एक लाख रुपये की मांग का आरोप लगाते हुए शहजादी के पति नदीम, सास शमशीदा और ननद सोनी को नामजद किया था। पुलिस ने जांच के बाद दहेज हत्या के अलावा वैकल्पिक तौर पर हत्या की धारा में अदालत में तीनों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था। आरोपी सास की ट्रायल के दौरान मौत हो गई थी। सह-अभियुक्त ननद सोनी को साक्ष्य के अभाव में पिछले महीने 26 अगस्त बरी कर दिया गया था। पति पर दोष सिद्ध हुआ था। अभियुक्त पर प्रकरण में दहेज हत्या का मामला खारिज हो गया लेकिन साशय हत्या (धारा 302) सिद्ध हुआ। अदालत ने सोमवार को सजा के प्रश्न पर सुनवाई करते हुए दोषी नदीम को मृत्युदंड की सजा सुनाई। अभियोजन पक्ष ने कुल 11 गवाह पेश किए। 24 जुलाई 2018 को शाम 05-35 बजे सफदरजंग अस्पताल के बर्न विभाग के आईसीयू में भर्ती शहजादी का बयान दर्ज करने तत्कालीन कार्यपालक मजिस्ट्रेट/तहसीलदार (हौज खास सब-डिवीजन, दिल्ली) अशोक कुमार पहुंचे। पीड़िता ने बताया कि उसकी शादी तीन साल पहले नदीम से हुई थी। पति ने एक साल ठीक रखा, उसके बाद शराब पीकर लड़ना-पीटना शुरू कर दिया।

ग्रेच्युटी नहीं दी तो नियोक्ता की संपत्ति कुर्क कर होगी वसूली, नए नियम से तय हुई जवाबदेही

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में ग्रेच्युटी को लेकर नियोक्ताओं की जवाबदेही तय की गई है। सक्षम या अपीलीय प्राधिकारी द्वारा राशि तय किए जाने और नियोक्ता को नोटिस मिलने के 30 दिन के भीतर ग्रेच्युटी की राशि का भुगतान करना होगा। ऐसा नहीं होने पर कर्मचारी सक्षम प्राधिकारी के समक्ष वसूली प्रमाणपत्र जारी करने के लिए आवेदन कर सकेगा। इसके बाद नियोक्ता की चल अचल संपत्ति कुर्क कर उसे बेचने के माध्यम से बकाया रकम वसूल की जा सकेगी। उत्तर प्रदेश सामाजिक सुरक्षा संहिता नियमावली-2026 में ग्रेच्युटी के भुगतान से लेकर उसकी वसूली तक की प्रक्रिया स्पष्ट की गई है। इसके तहत ग्रेच्युटी के नामांकन में भी नियोक्ता की जिम्मेदारी निर्धारित की गई है। कर्मचारी नामांकित व्यक्ति अथवा कानूनी वारिस और उसके हिस्से का उल्लेख कर सकेगा। ड्ढद्धष्ठश्वह्ल जलभराव के विरोध में पानी में उतरीं पूजा शुक्ला, घरों पर लगाए 'विधायक लापता है' के पोस्टर नियोक्ता नामांकन का सत्यापन कर उसे रिकॉर्ड में दर्ज करेगा और कर्मचारी को प्रमाणित प्रति देगा। परिवार की स्थिति बदलने पर संशोधित या नया नामांकन किया जा सकेगा। नियमावली में कर्मचारी बीमा न्यायालय या सक्षम प्राधिकारी से राहत मिलने के बावजूद भुगतान न होने की स्थिति में मूल बकाया के साथ ब्याज और वसूली लागत मांगने का भी प्रावधान है।

मां के हाथ से बेटे को झपट ले गया तेंदुआ, कंसीला की चीख सुनकर दौड़े गांववाले

बहराइच। यूपी के बहराइच में सोमवार रात मां के साथ हैंडपंप पर पानी भरने गए राजवीर (09) पर तेंदुए ने झपट्टा मारा। पलभर में आदमखोर मां के हाथ से बच्चे को झपटकर भाग निकला। शोर मचाने पर ग्रामीण दौड़े तो तेंदुआ बालक को छोड़कर भाग गया। लेकिन, तब तक उसके गले पर गहरे घाव से उसकी सांसें टूट चुकी थीं। बेटे की मौत से परिवार में मातम पसरा हुआ है। बताया गया कि करीब पांच साल पहले पेड़ से गिरकर पति की मौत हो गई थी। तब से पत्नी कंसीला मजदूरी करके पांच बच्चों को पाल रही थी। आंखों के सामने बेटे ने दम तोड़ा तो कंसीला टूट गई। राजवीर पांच भाई-बहनों में तीसरे नंबर का था। वह सरकारी स्कूल में कक्षा तीन का छात्र था। घटना के बाद बिलखती मां कंसीला ने बताया कि वह बेटे का हाथ पकड़कर हैंडपंप पर पानी भरने जा रही थी। इसी दौरान तेंदुआ आया और राजवीर को झपटकर ले गया। उसने शोर मचाया तो आसपास के लोग दौड़े। ग्रामीणों के पहुंचने पर तेंदुआ बालक को छोड़कर भाग गया। लेकिन, तब तक देर हो चुकी थी। राजवीर के जाने से परिवार में अब मां के साथ काजल (14), नंदनी (11), आर्यन (7) और पांच वर्षीय सबसे छोटी बहन रह गई है। पति को खोने के बाद बच्चों के सहारे जिंदगी काट रही कंसीला से अब उसका एक बेटा भी छिन गया। आर्थिक तंगी के बीच वह बच्चों के भविष्य को संवारने में जुटी थी। राजवीर भी पढ़-लिखकर कुछ बनने का सपना देख रहा था। लेकिन, तेंदुए के हमले ने परिवार की उम्मीदों को हमेशा के लिए खत्म कर दिया।

रोडवेज संविदा चालक का हाईवोल्टेज ड्रामा, मोबाइल टावर पर चढ़ा

अलीगढ़। रोडवेज में संविदा चालक के रूप में तैनात राजू सैनी मंगलवार को क्वार्सी चौराहा स्थित एक मोबाइल टावर पर चढ़ गया। उसने रोडवेज अधिकारियों पर खुद के उत्पीड़न का आरोप लगाया है। करीब 6 घंटे बाद प्रशासन ने राजू सैनी को मोबाइल टावर से नीचे उतारा और बातचीत के लिए पुलिस क्वार्सी थाने ले गई। रोडवेज के क्षेत्रीय प्रबंधक सत्येंद्र कुमार वर्मा और सीओ सिविल लाइन सर्वम सिंह के आश्वासन के बाद राजू सैनी टावर से नीचे उतारा गया। राजू सैनी रावण टीला क्षेत्र के निवासी बताए गए हैं। वह मंगलवार सुबह करीब 10 बजे मोबाइल टावर पर चढ़े। सूचना मिलते ही मौके पर इलाका पुलिस पहुंच गई। फायर ब्रिगेड की टीम भी मौके पर मौजूद है। आसपास स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम राजू सैनी को टावर से नीचे उतारने का प्रयास कर रही है। मोबाइल टावर पर चढ़े रोडवेज संविदा चालक ने ऊपर ही एक बैनर लगा रखा है, जिस पर कॉकरोच जनता पार्टी की तर्ज पर ड्राइवर जनता पार्टी यानी डीजेपी बनाने की बात कही है। चालक वीडियो में डीजेपी के साथ आने के लिए ड्राइवरों से कह रहा है। बैनर में लिखा है कि डीजेपी ड्राइवर जनता पार्टी ... ड्राइवरों पर हो रहे अत्याचार, अब नहीं सहेंगे अपनी सरकार... चाहे शहीद होना पड़े में तट पर तैयार हूं... बीजेपी पार्टी हमेशा रहे।

सब्जियों के दाम छूने लगे आसमान, आलू-प्याज ने बिगाड़ा बजट

बरेली। बरेली में बारिश के कारण खेतों में जलभराव होने से सब्जियों की आवक घटी है और दाम आसमान छूने लगे हैं। थोक मंडी में आलू व प्याज की कीमतें करीब डेढ़ गुना पहुंच गई हैं। इसने आम आदमी के बजट को बिगाड़ दिया है। बैंगन छह गुना महंगा हो गया है। शिमला मिर्च, गोभी और अन्य हरी सब्जियों की कीमतों में भी उछाल आया है। शहर की डेलापीर थोक मंडी में इन दिनों दिल्ली, हरियाणा और नासिक से सब्जियों की आवक कम हो गई है। अधिकतर ट्रक रास्तों के फंसे हुए हैं या देरी से पहुंच रहे हैं। बदायूं और कासगंज जैसे नजदीकी जिलों से आने वाली हरी सब्जियों की फसलें खेतों में पानी भरने के कारण डूब गई हैं। फसल खराब होने का सीधा असर महंगाई के रूप में देखने को मिल रहा है। स्थानीय कारोबारियों के अनुसार, अगस्त के मुकाबले सितंबर में सब्जियों के दाम तेजी से बढ़े हैं। मौसम की इस मार और महंगाई के दोहरे संकट से आम नागरिकों के लिए घर चलाना बेहद कठिन हो गया है। आने वाले दिनों में भी सब्जियों के दाम कम होने की उम्मीद नहीं है। कारोबारी सलीम खान ने बताया कि सब्जियों के दाम बढ़ रहे हैं। कई जगह बारिश के कारण फसलें खराब हो रही हैं, जिससे कीमतों पर असर पड़ा है। कारोबारी सुजाउर रहमान ने कहा कि अन्य राज्यों से आने वाले ट्रक मंडी में देरी से पहुंच रहे हैं और माल भी कम आ रहा है। इससे दाम में तेजी है। गृहिणी जूही ने कहा कि सब्जियों के दाम बढ़ने से रसोई के बजट पर असर पड़ा है। घर के बाहर सब्जी बेचने आने वाले विक्रेता अधिक दाम लेते हैं।

घरों में घुसा खन्नौत नदी का पानी, एनडीआरएफ ने 60 लोगों को राहत शिविर में पहुंचाया

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर में खन्नौत नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ने के बाद तटवर्ती इलाकों में बाढ़ का संकट गहरा गया है। लोधीपुर में घरों में पानी घुसने के बाद एनडीआरएफ ने मोटरबोट की मदद से 12 परिवारों को सुरक्षित बाहर निकालकर एनटीआई स्कूल में बनाए गए शरणालय में पहुंचाया। यहां करीब 60 बाढ़ प्रभावित लोग शरण लिए हुए हैं। कुछ परिवार घरों में ताला लगाकर रिश्तेदारियों में चले गए हैं। रविवार रात में हुई तेज बारिश के कारण जलस्तर तेजी से बढ़ा। लोधीपुर, ख्वाजा फिरोज और छोटी बिसरात में पानी घरों तक पहुंच गया। बाढ़ में फंसे लोगों को निकालने के लिए एनडीआरएफ की टीम ने मोटरबोट से रेस्क्यू अभियान चलाया। लोधीपुर में 12 परिवारों को सुरक्षित निकालकर शरणालय पहुंचाया गया। प्रशासन के मुताबिक शरणालय में करीब 60 लोग रह रहे हैं। यहां टेंट और बेड लगाए गए हैं। प्रशासन की ओर से प्रभावितों के लिए खाना-पानी की व्यवस्था भी की गई है। बाढ़ का पानी हनुमतधाम तक पहुंच गया है। मंदिर तक जाने वाली सीढ़ियों के ऊपर पानी पहुंचने और परिसर में पानी बहने के कारण सुरक्षा की दृष्टि से गेट बंद कर दिए गए हैं।

छात्र को रॉड से पीटने पर तीन छात्र निलंबित, पानी का जग मांगने पर पिटाई से जबड़े में लगी थी चोट

अलीगढ़। एएमयू के आरएम हॉल परिसर में शनिवार रात पानी का जग मांगने को लेकर छात्रों के बीच विवाद और एक छात्र पर लोहे की रॉड से हमला करने के आरोप में विवि प्रशासन ने सोमवार देर रात छात्र शम्स तबरेज, मोहम्मद नसीम, अमजद अली को निलंबित कर दिया। आरएम हॉल में रह रहे बीई तृतीय वर्ष के छात्र नजीबाबाद, बिजनौर निवासी मोहम्मद हारिस फहीम की तहरीर के मुताबिक शनिवार रात करीब 9-45 बजे वह मोहम्मद इब्राहिम और अन्य साथियों के साथ खाना खा रहा था। इसी दौरान पानी का जग मांगने को लेकर नसीम और शम्स तबरेज से विवाद हो गया। आरोप है कि दोनों ने इब्राहिम के साथ हाथापाई शुरू कर दी। आरोप है कि वह और उसके साथी विवाद शांत कराने और इब्राहिम को बचाने पहुंचे, मगर शम्स तबरेज, नसीम, अमजद अली उर्फ अमजद सीवान और दो अज्ञात छात्रों ने उस पर हमला कर दिया।

अकराबाद में जीटी रोड पर दो ऑटो की भिड़ंत, दो वर्षीय रॉकी की मौत, पांच घायल

अलीगढ़। अकराबाद क्षेत्र अंतर्गत जीटी रोड पर असगरपुर मोड़ के पास 8 सितंबर सुबह दो ऑटो की भिड़ंत हो गई। इस हादसे में दो साल के एक बच्चे रॉकी की मौत हो गई। वहीं, महिलाओं समेत पांच अन्य लोग घायल हो गए। गांव बमनोई निवासी लोकेश के दो वर्षीय बेटे रॉकी की तबीयत खराब थी। लोकेश की मां कुसुमा देवी और पत्नी पूनम देवी रॉकी को अलीगढ़ से दवा दिलाने जा रही थीं। वे गोपी से एक ऑटो में बैठकर निकले थे। सुबह करीब दस बजे जीटी रोड पर असगरपुर मोड़ के पास पहुंचे। तभी पीछे से आ रहे दूसरे ऑटो चालक ने टक्कर मारकर भाग गया। दुर्घटनाग्रस्त ऑटो में सवार रॉकी की मौके पर ही मौत हो गई। कुसुमा देवी, पूनम देवी, भजनलाल, राजवीर सिंह और धौरी निवासी एक अन्य महिला घायल हुए। स्थानीय लोगों और राहगीरों ने घायलों को ऑटो से बाहर निकाला। उन्होंने तुरंत घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी निरीक्षक पंकज मिश्रा पुलिस कर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने मौके पर मौजूद लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल भेजा। घायलों को तत्काल नजदीक के ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल रेफर कर दिया। यह हादसा पीछे से आ रहे एक ऑटो द्वारा टक्कर मारने से हुआ। टक्कर मारने वाला ऑटो चालक मौके से भाग गया। थाना प्रभारी निरीक्षक पंकज मिश्रा ने बच्चे की मौत की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। पुलिस ने कहा कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रेबीज खत्म करने की योजना पर चार हफ्ते में जवाब दे दिल्ली सरकार, अदालत की दो टूक

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को दिल्ली सरकार को निर्देश दिया कि वह लावारिस कुत्तों में 2030 तक रेबीज उन्मूलन की कार्ययोजना लागू करने के लिए उठाए जाने वाले कदमों पर अपना जवाब दाखिल करे। न्यायमूर्ति दिनेश मेहता और न्यायमूर्ति रजनीश कुमार गुप्ता की खंडपीठ ने न्यायमित्र गौरी मौलेखी द्वारा दाखिल की गई कार्ययोजना पर सरकार से जवाब मांगा। अदालत ने कहा कि ये अच्छा सुझाव और सिफारिश हैं। इन्हें कैसे लागू किया जाए, इस पर विचार करें। दिल्ली सरकार के वकील को चार सप्ताह का समय दिया गया है ताकि वे निर्देश प्राप्त कर जवाब दाखिल कर सकें। यह मामला सुप्रीम कोर्ट के उन निर्देशों के अनुपालन की निगरानी के लिए दायर स्वतः संज्ञान जनहित याचिका पर चल रहा है, जिनमें शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशनों आदि परिसरों से लावारिस कुत्तों को हटाने का आदेश दिया गया था। पिछले महीने अदालत ने एमसीडी और एनडीएमसी को अपने क्षेत्र में एक-एक वार्ड चुनकर लावारिस कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण शिविर आयोजित करने का निर्देश दिया था।

NAME CHANGE
It is for general information that I Govind Ram S/O Gopi Ram R/O N-650, MANGOL PURI, Mangolpuri N Block S.O, DIST: North West Delhi, Delhi-110083, declare that name of mine has been wrongly written as Gobind Ram in my ppo no 39392.The actual name of mine is Govind Ram , respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Kapil Jha S/O Markande Jha, R/O B-112, GALI NO-3, GOURI SHANKAR ENCLAVE PREM NAGAR-3, Kirari Suleman Nagar, Sultanpuri C Block, North West Delhi, Delhi, 110086, have changed the name of my minor daughter Nandni aged 7 years and she shall hereafter be known as ARADHYA.

NAME CHANGE
I, PADMA SHREE Mother of No-2618477F, Rank-HAV, Name-LINGARAJ HADIMANI residing at VILL-KALKUPPI, PO-MEKALMARADI, TEHSIL-BAILHONGAL, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591121 have changed my name from PADMA SHREE to PADMASHRI HADIMANI for all future purposes vide Affidavit dated 14/09/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I hitherto known as NISHA alias NISHA YADAV D/o VIRENDER SINGH, W/O AGANDEEP YADAV R/o 50 VPO Daulat Pur, South West Delhi, Delhi - 110043 have changed my name and shall hereafter be known as NISHA YADAV .

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD YAMIN MALIK S/O SIRAJUDDIN,residing at H NO-B-408 GALI NO-4 CHAMAN PARK INDIRA VIHAR DELHI-110094, have changed my name to MOHD YAMEEN

NAME CHANGE
I RAJESH RAMESH LIMAYE S/O RAMESH MADHAV LIMAYE R/O , B-969 2ND FLOOR GREENFIELD COLONY NHPC COLONY FARIDABAD HARYANA 121010 have changed my name to RAJESH LIMAYE Permanently for all future purposes

NAME CHANGE
I hitherto known as RAMAWANTI DEVI alias RAMAWATI DEVI D/o SRI RAM W/o YOGENDRA YADAV R/o RZ319/3 , Gali No. – 7 , Gitanjali Park , West Sagarpur Delhi – 110046 have changed my name and shall hereafter be known as RAMAWATI DEVI .

NAME CHANGE
I, BABU father No-2618477F, Rank-HAV, Name-LINGARAJ HADIMANI residing at VILL-KALKUPPI, PO-MEKALMARADI, TEHSIL-BAILHONGAL, DIST- BELAGAVI, KARNATAKA-591121 have changed my name BABU to BABU HADIMANI for all future purposes vide Affidavit Dated 14/09/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I NAGINA W/O MOHD SHAHID MALIK R/O C-112 GALI NO-3 NEAR DILSHAD MASJID OLD MUSTAFABAD DELHI 110094 HAVE CHANGED MY NAME TO NARGIS

NAME CHANGE
I, MUSTAQEEM s/o MUSTAQ r/o C-8, C-9, RAJDHANI PARK, NANGLOI, DELHI-110041 hereby declare that my father's name is mentioned as MUSTAQ AHEMAD in my own education documents and ID cards but it is also mentioned as MUSTAQ in my father's own documents. MUSTAQ AHEMAD and MUSTAQ both names belongs to one and the same person which is my father only.

NAME CHANGE
I, MUSTAQEEM s/o MUSTAQ r/o C-8, C-9, RAJDHANI PARK, NANGLOI, DELHI-110041 hereby declare that my mother's name is mentioned as SURAIYA BANO in my own education documents and passport but it is also mentioned as HASINA BANO in my mother's own documents. SURAIYA BANO and HASINA BANO both names belongs to one and the same person which is my mother only.

NAME CHANGE
I, JAHEED ALI S/O HAMID ALI ANSARI Residing at H. NO. A-141/1 A- BLOCK ,NEW SEELAMPUR, Seelampur, North East Delhi, Delhi -110053 have changed my name to ZAHID ALI ANSARI for all future purpose

NAME CHANGE
I SAIJULL S/0 RAICHHALI MONDAL R/0 H.NO 8 STREET NO7 BLOCK 5 GEETA COLONY DELHI CHANGED MY NAME TO SAIJUL MONDAL

NAME CHANGE
I ARCHANA W/0 SAIJUL MONDAL R/0 H.NO 8 STREET NO7 BLOCK 5 GEETA COLONY DELHI CHANGED MY NAME TO BABY MONDAL

NAME CHANGE
I VARUN S/0 VIJAY KUMAR R/0 H.NO B-16 2ND FLOOR BLOCK-B AMAR COLONY DELHI 110024 CHANGED MY NAME TO VARUN ICHPAL

NAME CHANGE
I, NAVEEN KUMAR SHARMA S/o LATE MAJOR DINE RAM SHARMA aged 60 years, resident of B-190, SECTOR-4, DEFENCE COLONY, DEHRADUN (UTTARAKHAND), have changed my name from NAVEEN KUMAR SHARMA to NAVEEN SHARMA vide affidavit dated 07/09/2026 sworn before the Executive Magistrate, Delhi. I shall henceforth be known as NAVEEN SHARMA for all purposes.

NAME CHANGE
I hitherto known as GUDDU KUMAR S/o Banshi Dhar Maddheshiya, Flat No-1312, D Block,Aditya Urban Homes, Shahpur Bamheta, Ghaziabad, PO: Kavi Nagar, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh-201002 have changed my name and shall hereafter be known as UDAY RAJ

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD WASEEM S/o MOHAMMAD ASIF residing at H NO-1025, 5th FLOOR, STREET SHAKTI MANDIR, DARYA GANJ, DELHI-110002 have hange my name to MOHD WASEEM for all future purpose

NAME CHANGE
I, PRAVEEN KUMAR YADAV S/O JUGNANDAN YADAV R/O 5600 SECOND FLOOR 76 RAIGAR PURA KAROL BAGH DELHI-110005 have changed my name to PRAVEEN KUMAR for all future purposes.

NAME CHANGE
I, DEV CHOUDHARY S/O JAGDISH CHAUDHARY R/O. H NO-242, GHONDLI VILLAGE, KRISHNA NAGAR, DELHI-110051. have changed my name to DEVI CHOUDHARY for all future purposes.

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD YAMEEN S/o ABDUL QADEER R/o H NO-2793-94, GALI PEEPAL WALI, GB ROAD, MOHALLA NIYARIYAN, DELHI-110006 have changed my name to MOHD YAMIN for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Bharat Singh Kasana S/o Praveen Kasana R/o A-96, Vasundhra Enclave, Gajipur, Delhi-110096, have changed my name to Harsh Kasana for all future purposes.

NAME CHANGE
I, RANJIT SINGH S/o Awdesh Singh R/o Pawai, Lakhisarai, Bihar-811309, have Changed my name to RANJEET SINGH for all future purposes.

NAME CHANGE
I,Sakshi Malik alias Arti Pawa D/O Om Prakash Pawa W/O Gaurav Malik R/O C-68 B, sector-15, Noida, PO: Noida, DIST: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201301, have changed my name and shall hereafter be known as Sakshi Malik

NAME CHANGE
I, DRAKSHA PARWEEN D/O ABDUL KADIR W/O ASHISH GUPTA R/O F-115, Sector Beta-2,Greater, Noida Rampur Jagir Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201306, have embraced Sanatan Dharma (Hinduism) and renounced Islam with effect from 23/07/2019 also changed my name from DRAKSHA PARWEEN to ASHWINI GUPTA and shall hereafter be known as ASHWINI GUPTA for all future purposes.

NAME CHANGE
It is for general information, that I Gaurav Kumar S/o Devendra Singh R/O H.No. 50, Rauni near Knowledge Valley School P/o - Bilaspur, Distt. Gautam Buddha Nagar Uttar Pradesh-203202 declare that name of my father has been wrongly written as Davendar Singh in some of my documents. The actual name of my father is Devendra Singh respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I, Ankit Tyagi S/o Lomesh Tyagi R/o House No. 67, New Vikas Nagar, Loni Dehat, PO: Loni, District: Ghaziabad, Uttar Pradesh-201102 declare that name of my father and my mother has been wrongly written as Lomesh Kumar Tyagi and Shashibala Tyagi in my Service Book. The actual name of my father and my mother are Lomesh Tyagi and Shashibala.

NAME CHANGE
I hitherto known as MUNIYA DEVI W/o SONU R/o VARDHMAN PURAM, BAGH RANAP, LONI DEHAT, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH - 201102, have changed my name and shall hereafter be known as KARISHMA.

NAME CHANGE
I, LOKESH KUMAR S/O KAMLESH SINGH R/O Lakhan, Hapur, Galand, Ghaziabad, Galand, Uttar Pradesh-201302 have changed the name of my minor son ASHMANI aged 16 years and he shall hereafter be known as ASHWANI TOMAR.

NAME CHANGE
I, LOKESH KUMAR S/O KAMLESH SINGH R/O Lakhan, Hapur, Galand, Ghaziabad, Galand, Uttar Pradesh-201302 have changed the name of my minor son YASH aged 13 years and he shall hereafter be known as JASH TOMAR.

NAME CHANGE
I, having full name Malvinder Jit Singh Dhillon, am a resident of 7/21, 3rd Floor, Old Rajinder Nagar, New Delhi-110060. My father's name is Bishan Singh Dhillon and mother's name is Surjit Kaur. I am commonly known as Malvinder Dhillon.

NAME CHANGE
I, PRASHANT KUMAR NIRMAL S/o NAWAL KISHOR SINGH R/o Plot No-27 First Floor, Ganpati Residency, Flora Enclave Gangapuram, Govindpuram, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201013, have changed the name of my minor son YUVAAN SINGH aged 06 years and he shall hereafter be known as DHRUV SINGH.

NAME CHANGE
I, KAVITT KUMAR SUYAL S/o GOPAL DUTT SUYAL R/o D-3130 Gaur Siddhartham, Siddharth Vihar, Pratap Vihar, Siddarth Vihar, Vijay Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201009, have changed the name of my minor son HIMANK SUYAL aged 15 years and he shall hereafter be known as HIIMANK SUYAL.

NAME CHANGE
I hitherto known as PRADEEP SINGH S/o NAWAB SINGH R/o H. No. A-602 Star Rameshwaram, Raj Nagar Extension, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201017, have changed my name and shall hereafter be known as PRADEEP KUMAR.

NAME CHANGE
I, TABEER S/O JAVED R/O U-560 GALI NO-2 PUSTA-2 PARSADI MOHALLA NEW USMANPUR GARHI MENDU BHAJAN PURA DELHI-110053 have changed my name to TABIR for all future purposes.

NAME CHANGE
I, AJAY S/o V Narsim R/o E-51, and 52 T/F, R/Side, Front Side, Block-E, Om Vihar Extn., Uttam Nagar, Delhi-110059, have Changed my name to AJAY VADDIPOGU for all future purposes.

NAME CHANGE
I MOHAMMAD AHMADULLAH KALIM S/O MOHAMMAD SERAJUDDIN R/O D-319 ABUL FAZAL ENCLAVE PART -1, DAWAT NAGAR JAMIA NAGAR OKHLA DELHI 110025 have changed my name to MD AHMADULLAH KALIM Permanently for all future purpose

NAME CHANGE
I, DEEPA JOSHI D/o DEVI DUTT SHARMA Ex.- wife of LUXMAN NEGI, R/o C-102, FAKHRUDDIN APARTMENT, PLOT NO-18, SECTOR-10, DWARKA, DISTRICT, COURT COMPLEX DWARKA, DELHI-110075, declare that I got divorce from my Ex-husband LUXMAN NEGI vide court decree (HMA). 1662/2023 dated 29/05/2023 further, I have changed the name of my minor son ARMAAN NEGI, aged 12 years and he shall hereafter be known as ARMAAN JOSHI, for all future purposes. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

सार्वजनिक सूचना
यह सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती किरण नेगी पत्नी श्री सोहन सिंह एवं श्री विजय कुमार नेगी पुत्र श्री सोहन सिंह ग्राम पालम कॉलोनी, अब राज नगर एक्सटेंशन, नई दिल्ली में स्थित खसरा नं. 62/12/1 में से 100 वर्ग गज क्षेत्रफल वाले प्लॉट नं. B-33 को श्री लीलाधर यादव से खरीदने का इरादा रखते हैं,श्री लीलाधर यादव ने उक्त संपत्ति दिनांक 22.04.1993 को निष्पादित नोटरीकृत GPA, ATS एवं Will, जो श्री कार्तिक सिंह पुत्र श्री बिंदेश्वरी द्वारा निष्पादित किए गए थे, के माध्यम से क्रय की थी, उक्त संपत्ति को सभी प्रकार के भार, ग्रहणाधिकार, प्रभार, बंधक, दावे एवं अन्य तृतीय-पक्ष हितों से मुक्त बताया गया है, यह भी सूचित किया जाता है कि उक्त संपत्ति के संबंध में Bajaj Housing Finance Ltd., Ghaziabad द्वारा वित्तपोषण प्रस्तावित है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के संबंध में किसी प्रकार का अधिकार, हक, हित, दावा, आपत्ति, भार, बंधक अथवा अन्य कोई तृतीय-पक्ष हित हो, तो वह इस सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन की तारीख से 7 दिनों के भीतर अपने दावे/आपत्ति की सूचना संबंधित दस्तावेजों सहित प्रस्तुत कर सकता है। उक्त अवधि के पश्चात प्राप्त किसी भी दावे या आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेलः
kumarw®wvashwani@gmail.com

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती सृष्टि सचान ग्राम नसीरपुर, दिल्ली स्टेट, दिल्ली, कॉलोनी इंद्रा पार्क, डी.एन. शर्मा रोड, नई दिल्ली-110045 में स्थित खसरा नं. 629 के भाग, संपत्ति संख्या क्रै-19 के भाग पर निर्मित 81.5 वर्ग गज क्षेत्रफल वाली तृतीय मंजिल की निर्मित संपत्ति इकाई, जिसमें 80% छत के अधिकार शामिल हैं, को श्री प्रवीण शर्मा से खरीदने का इरादा रखती हैं, उक्त संपत्ति के संबंध में श्री प्रवीण शर्मा के स्वामित्व का आधार श्रीमती शकुंतला रानी शर्मा, पत्नी स्वर्गीय श्री दीना नाथ, द्वारा दिनांक 12.07.2021 को निष्पादित पारिवारिक वसीयतनामा (Family Will) है, जो दस्तावेज संख्या 417, बही संख्या 3, जिल्द संख्या 777, पृष्ठ संख्या 71-78, दिनांक 13.07.2021, उप-पंजीयक कार्यालय SR-IX, नई दिल्ली में पंजीकृत है। श्रीमती शकुंतला रानी शर्मा का दिनांक 11.12.2022 को निधन हो गया, उक्त संपत्ति सभी प्रकार के भारों, ग्रहणाधिकारों, प्रभारों, बंधकों तथा अन्य तृतीय-पक्ष दावों से मुक्त बताई गई है। उक्त संपत्ति का भौतिक कब्जा वर्तमान में श्री प्रवीण शर्मा के पास है, उपरोक्त संपत्ति की प्रस्तावित खरीद का वित्तपोषण आदित्य बिड़ला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, शाखाः गुरुग्राम द्वारा किया जाना है। अतः यदि किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक अथवा अन्य किसी पक्ष का उक्त संपत्ति पर किसी प्रकार का अधिकार, स्वामित्व, हित, दावा, आपत्ति, बंधक, ग्रहणाधिकार या अन्य कोई दावा हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 (सात) दिनों के भीतर अपने दावे के समर्थन में समुचित दस्तावेजों सहित अधोहस्ताक्षरी के समक्ष प्रस्तुत करें, अन्यथा यह मान लिया जाएगा कि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के संबंध में कोई दावा अथवा आपत्ति नहीं है और उसके पश्चात प्राप्त होने वाले किसी भी दावे अथवा आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेलः
kumarw®wvashwani@gmail.com

PUBLIC NOTICE
Information is hereby given to the general public that our client Mr. Pardeep Kumar S/o Mr. Surajbhan Rathee is the owner and in possession of a Freehold Residential Property ID No. 3BCPUE?3, Plot area measuring 270 Sq. Yards, Out of Khasra No. 24//21/2, 22, Situated at Waka Mauja Vats Colony, across the railway line, Tehsil Bahadurgarh, District Jhajjar, Haryana. Our client acquired the said property by virtue of a Transfer Deed in Blood Relation dated 05.08.2026 Vide Doc No. 3735, Book No. 1, Vol No. 407/333, on dated 05.08.2026 at SR-Bahadurgarh, Jhajjar., in the chain documents below mentioned documents not available i.e. Original Sale Deed dated 19.10.1983 executed by Mrs. Priti Kaur in favour of (1) Mr. Jai Prakash, (2) Mr. Parmod Kumar, (3) Mr. Pardeep Kumar and (4) Mr. Praveen Kumar all S/o Mr. Surajbhan in respect of Plot area measuring 270 Sq. Yards, Out of Khasra No. 24//21/2, 22, Vide Doc No. 2600, Book No. 1, on dated 19.10.1983 at SR- Bahadurgarh, Jhajjar., Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property., and the said property is presently financed/ mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch: Bahadurgarh Haryana. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

म्हारी सड़क ऐप पर करें शिकायत, शीघ्र ठीक की जाएगी संबंधित सड़क

एजेंसी

चरखी दादरी। उपायुक्त मनदीप कौर ने जिला वासियों का आह्वान किया है कि सभी अपने आसपास सड़ुकों से संबंधित किसी भी समस्या बारे म्हारी सड़क ऐप के माध्यम से शिकायत दर्ज करवाएं, ताकि संबंधित विभाग द्वारा समस्या पर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। सड़क व्यवस्था को सुरक्षित, सुगम एवं बेहतर बनाने में आमजन की भागीदारी बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा है कि म्हारी सड़क ऐप के माध्यम से नागरिक सड़ुक पर दिखाई देने वाली विभिन्न समस्याओं की फोटो लेकर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कर सकते हैं। इनमें गड्ढे अथवा क्षतिग्रस्त सड़क, खराब स्ट्रीट लाइट, टूटी रेलिंग या सुरक्षा बाधा, जलभराव एवं निकासी की समस्या तथा सड़क पर किसी प्रकार का अवरोध आदि शामिल हैं। सरकार द्वारा प्रदेश में सड़कों से संबंधित समस्याओं के शीघ्र समाधान, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से म्हारी सड़क ऐप शुरू की गई है।उपायुक्त ने कहा है कि नागरिक पहले म्हारी सड़क ऐप डाउनलोड कर मोबाइल नंबर के माध्यम से रजिस्टर अथवा लॉगिन कर सकते हैं। इसके बाद नई शिकायत विकल्प पर क्लिक करके समस्या की फोटो अपलोड की जा सकती है। शिकायत दर्ज करते समय संबंधित स्थान की जीपीएस लोकेशन भी साझा की जा सकती है।

जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड ने दुष्कर्म पीड़िता मामले में सुनाया फैसला,पीड़िता को न्याय सर्वोपरि

पानीपत। जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड, पानीपत द्वारा पोक्सो अधिनियम के तहत दर्ज एक मामले में पीड़िता के साथ न्याय सुनिश्चित करते हुए किशोर को सुधार एवं पुनर्वास का अवसर प्रदान करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। उक्त मामला सेक्टर 29 थाना में विगत मई 2024 से संबंधित है। इस मामले में धारा 363, 66, 376 (2 एम)और 6 पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। इसमें एक नाबालिक लड़का एक लड़की को भगा कर ले गया था। जब उसके परिजनों ने उसकी गुमशुदा होने की एफआईआर दर्ज कराई तो पुलिस ने उसे बाद में बरामद किया। बरामद होने के बाद उस बच्ची ने अपने साथ दुष्कर्म होने की गवाही दी। बाद में कोर्ट में भी मां-बाप ने और पीड़िता ने गवाही दी। जिस पर बाद में जांच की गई और मेडिकल इत्यादि में इस चीज की पुष्टि की गई कि इस लड़के द्वारा उसे लड़की का रेप किया गया था और जो बाद में गर्भवती भी हो गई थी। इस मामले में माननीय न्यायालय द्वारा गर्भपात करने की मंजूरी भी दी गई थी।

जिला में सफर रहा विशेष एसआईआर अभियान

अब 26 और 27 सितंबर को होगा विशेष एसआईआर अभियान

चरखी दादरी। जिला निवार्चन अधिकारी एवं उपायुक्त मनदीप कौर ने बताया कि 12 व 13 सितंबर को आयोजित विशेष अभियान के दौरान फॉर्म-6 के 593 फॉर्म-7 के 40 व फॉर्म-8 के 467 आवेदन प्राप्त हुए। जिसके बाद अब तक फॉर्म-6 के कुल 6029 प्रपत्र, फॉर्म-7 के कुल 735 आवेदन प्रपत्र व फॉर्म-8 के कुल 6213 आवेदन प्रपत्र प्राप्त हो चुके हैं।उन्होंने बताया कि दावों व आपत्तियों की प्रक्रिया के अंतर्गत चलाए गए विशेष अभियान दिवस का सकारात्मक प्रभाव देखने को मिला है। अब 26 व 27 सितंबर को भी दावे एवं आपत्तियों को लेकर विशेष अभियान चलाया जाएगा। जिसमें नागरिक मतदाता सूची में नाम शामिल करवाने, नाम हटवाने, विवरण में संशोधन करवाने व दावे और आपत्तियों से संबंधित आवेदन प्रपत्र बीएलओ को जमा करवा सकते हैं। दावे एवं आपत्तियों से संबंधित फॉर्म जमा करवाने की आखिरी तारीख 30 सितंबर है। ऐसे में किसी नागरिकों को किसी तरह की कोई आपत्ति है तो वह समय रहते अपनी शिकायत दर्ज करवा सकता है।

लंबित मामलों का शीघ्र निपटान करें राजस्व अधिकारी, लापरवाही नहीं की जाएगी बर्दाश्तः डॉ. आनंद कुमार शर्मा

करनाल। डीसी डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने लघु सचिवालय के सभागार में राजस्व विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। बैठक के दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि राजस्व विभाग से जुड़े कार्य सीधे आम जनता के हितों से जुड़े हैं, इसलिए इसमें किसी भी प्रकार की कोताही या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डीसी डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि निशानदेही, जमाबंदी, इंतकाल, ततीमा कटिंग, टोकन पेंडेंसी और कोर्ट केसों से संबंधित जितने भी मामले लंबित हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर तय समय सीमा के भीतर पूरा करें। उन्होंने कहा कि आमजन को अपने कार्यों के लिए परेशान न होना पड़े, इसके लिए सभी अधिकारी पूरी जवाबदेही के साथ कार्य करें। यदि कोई अधिकारी इस संबंध में लापरवाही बरतता है, तो उसके खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

किसान के बेटे को किसान बनने पर गर्व हो, खेती को आधुनिक और लाभकारी बनाना सरकार-संगठन की प्राथमिकताः सीएम

मुख्यमंत्री ने किसान मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष महेश चैहान को दी बधाई, बोले - किसानों के साथ बीज से बाजार तक खड़ी है डबल इंजन सरकार

एजेंसी

पंचकूला। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में हरियाणा सरकार निरंतर किसानों को आर्थिक तौर पर सशक्त बनाने के लिए काम कर रही है। आज भाजपा किसान मोर्चा को नए जोश और उत्साह के साथ सरकार और संगठन के बीच ऐसा मजबूत सेतु बनना है, जो किसानों की समस्याओं को समझकर उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाने में सक्रिय भूमिका निभाए। उन्होंने कहा कि शपथ के शब्द कुछ क्षणों में बोले जाते हैं, लेकिन उन्हें निभाने की परीक्षा हर दिन होती है।

नई जिम्मेदारी के साथ कार्यकर्ताओं की अपेक्षाएं और किसानों तक पहुंचने का दायित्व भी बढ़ जाता है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ अर्चना गुप्ता ने भाजपा प्रदेश कार्यालय पंचकमल में भाजपा किसान मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष महेश चौहान को पदभार ग्रहण करवाया। किसान मोर्चा पदाधिकारियों द्वारा हल देकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी एवं भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ अर्चना गुप्ता का स्वागत किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने किसान मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष महेश चौहान को बधाई देते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं को सरकार की योजनाओं की पूरी जानकारी होनी चाहिए, ताकि वे किसानों को आवेदन, आवश्यक दस्तावेज और संबंधित विभाग की जानकारी देकर उनकी मदद कर सकें। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार किसानों के साथ बीज से बाजार तक खड़ी है और आय बढ़ाने, सिंचाई, प्राकृतिक खेती, फसल विविधीकरण तथा कृषि को तकनीक से जोड़ने के लिए लगातार काम कर रही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में किसानों की 24 फसलों की एमएसपी पर खरीद की जा रही है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत हरियाणा के किसानों को 23 किस्तों में 7,881 करोड़ 60 लाख रुपये दिए जा चुके हैं। फसल खरीद के 1.85 लाख करोड़ रुपये 12 लाख किसानों के खातों में पहुंचाए गए हैं। उन्होंने प्राकृतिक खेती, पीएम कुसुम, फसल अवशेष प्रबंधन और भावांतर भरपाई सहित किसानों के लिए संचालित योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार का प्रयास है कि किसान आत्मनिर्भर और समृद्ध बने। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने किसान मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष महेश चौहान को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हरियाणा अन्नदाताओं, जवानों और खिलाड़ियों की धरती है। किसान मोर्चा को प्रदेश के प्रत्येक किसान तक पहुंचना होगा। उन्होंने कहा कि आज एक बड़ी चुनौती यह है कि किसान का बेटा किसान नहीं बनना चाहता और युवा विदेश जाने के लिए गलत रास्ते तक अपना रहे हैं। किसान मोर्चा को गांव-गांव जाकर युवाओं को समझाना होगा कि आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक खेती और नए प्रयोगों के माध्यम से खेती को लाभकारी बनाया जा सकता है।

जे.सी. बोस के वैज्ञानिक दृष्टिकोण को आगे बढ़ाएं युवाः हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष

राज्यपाल ने युवा पीढ़ी से विकसित, आत्मनिर्भर और समावेशी भारत के निर्माण में सीधे भागीदारी करने का आग्रह किया

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने आज स्नातकों से आचार्य जगदीश चंद्र बोस के वैज्ञानिक दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, नवीकरणीय ऊर्जा और बायोटेक्नोलॉजी के इस दौर में आचार्य बोस की जिज्ञासा और नवाचार की भावना पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है। राज्यपाल ने युवा पीढ़ी से विकसित, आत्मनिर्भर और समावेशी भारत के निर्माण में सीधे भागीदारी करने का आग्रह किया और कहा कि इसे केवल एक अवसर के रूप में नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी के रूप में लें। प्रो. घोष विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय,

वाईएमसीए, फरीदाबाद के छठवें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) की कार्यकारी समिति के अध्यक्ष प्रो. नागेश्वर राव ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की और दीक्षांत भाषण दिया। इस अवसर पर हरियाणा की प्रथम महिला श्रीमती मित्रा घोष भी उपस्थित थीं। विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राजीव कुमार ने स्वागत भाषण दिया तथा विश्वविद्यालय की अकादमिक, अनुसंधान, नवाचार, बुनियादी ढांचे और छात्र-विकास पहलों को प्रगति रिपोर्ट में प्रस्तुत किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने विश्वविद्यालय में रिसर्च और डेवलपमेंट को बढ़ावा देने के लिए अपने विवेकाधीन फंड से 25 लाख रुपये का अनुदान देने की घोषणा की। इस फंड का एक हिस्सा आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के होनहार छात्रों की मदद के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। इससे पहले, प्रो. असीम कुमार घोष ने चार प्रमुख संस्थागत परियोजनाओं का उद्घाटन किया, जिनमें दीनदयाल उपाध्याय ज्ञान संसाधन केंद्र, इलेक्ट्रिक व्हीकल टेक्नोलॉजी में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, यूएवी एवं एंटी-ड्रोन टेक्नोलॉजी और मीडिया स्टूडियो शामिल हैं। यह विश्वविद्यालय के शैक्षणिक, तकनीकी, रचनात्मक और ज्ञान संबंधी बुनियादी ढांचे के एक महत्वपूर्ण विस्तार को दर्शाता है।

उपायुक्त डा. जयेंद्र सिंह छिल्लर ने वाहन चालकों से की यातायात नियमों का पालन करने की अपील

सुरक्षित यातायात के लिए संयमित गति, सीट बेल्ट और हेलमेट का करें अनिवार्य रूप से प्रयोग

एजेंसी

पलवल। उपायुक्त डा. जयेंद्र सिंह छिल्लर ने वाहन चालकों से सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि वाहन चालक सड़क यातायात व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं और उनकी जिम्मेदारी केवल स्वयं की सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि सड़क पर चलने वाले प्रत्येक व्यक्ति के जीवन की सुरक्षा भी उनसे जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा क वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पूरी तरह पालन करना प्रत्येक चालक का नैतिक कर्तव्य है। चालक निर्धारित गति सीमा में ही वाहन चलाएं तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग, नशे की हालत में ड्राइविंग और लापरवाही से ओवरटेक करने जैसी गतिविधियों से पूरी तरह बचें। उन्होंने कहा कि थोड़ी सी लापरवाही भी गंभीर सड़क दुर्घटना का कारण बन सकती है। उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने विशेष रूप से दोपहिया वाहन चालकों से हेलमेट तथा चार पहिया वाहन चालकों और यात्रियों से सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि वाहन चलाते समय सड़क पर पैदल चलने वालों, साइकिल सवारों, बुजुर्गों, बच्चों और अन्य वाहन चालकों की सुरक्षा का भी ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि वाहन चालक अपने वाहनों की नियमित रूप से जांच करवाएं और ब्रेक, टायर, लाइट, इंडिकेटर सहित अन्य आवश्यक उपकरणों को दुरुस्त रखें।

समाधान शिविर में 10 शिकायतें प्राप्त

उपायुक्त महेंद्र पाल ने समयबद्ध समाधान के दिए निर्देश

एजेंसी

पानीपत। आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से स्थानीय लघु सचिवालय स्थित जिला सभागार में उपायुक्त महेंद्र पाल की अध्यक्षता में समाधान शिविर आयोजित किया गया। इस दौरान नागरिकों की ओर से 10 शिकायतें एवं समस्याएं रखी गईं।

समाधान शिविर में गांव सरसोद निवासी एक प्रार्थी द्वारा परिवार पहचान पत्र में गलत तरीके से दर्ज आय को ठीक कर बुढ़ापा पेंशन शुरू करवाने की मांग पर उपायुक्त महेंद्र पाल ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को प्रार्थी के दस्तावेज की जांच उपरांत आय संबंधी समस्या को ठीक करने के निर्देश दिए। गांव

मंगाली निवासी रोशनी देवी ने खराब ट्रांसफर न बदलने की शिकायत पर उपायुक्त ने हरियाणा दक्षिण बिजली वितरण निगम के अधिकारियों को ट्रांसफर बदलने संबंधी आगामी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। गांव खरड़ निवासी नीलम द्वारा गैस सब्सिडी न मिलने की शिकायत पर उपायुक्त महेंद्र पाल ने संबधित विभाग के अधिकारियों को मामले की जांच कर आवश्यक कार्यवाही अमल में लाने को कहा। इसी प्रकार गांव सीसवाल निवासी रामसिंह द्वारा मोगा खुलवाने की मांग पर उपायुक्त ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को मामले पर आगामी कार्यवाही करने के दिशा निर्देश दिए। गांव खरड़ निवासी सज्जन सिंह द्वारा फसल खराबे के मुआवजे की मांग पर उपायुक्त महेंद्र पाल ने तहसीलदार को प्रार्थी के समक्ष आ रही समस्या का समाधान करने की हिदायत दी।

अगर आप 18 साल के हो गए हैं तो फार्म-6 भरकर प्रजातंत्र के मजबूत प्रहरी बनें : डीसी

एजेंसी

झज्जर। झज्जर जिला के युवा अगर आप 18 साल की आयु पूर्ण कर चुके हैं तो आप भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिला झज्जर के चारों विधानसभा क्षेत्रों में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)अभियान में भागीदार बनते हुए फार्म-6 भरकर प्रजातंत्र के मजबूत प्रहरी बनें। यह आवाह्न डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल ने जिलावासियों से किया। उन्होंने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची को शुद्ध एवं अपडेट बनाने का कार्य प्रभावी रूप से जारी है। जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान के दौरान प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज हो तथा अपात्र नामों को हटाने और आवश्यक संशोधनों की प्रक्रिया निर्धारित समय सीमा में पूरी की जाए। उन्होंने जिला के पात्र युवा मतदाताओं से अपील की कि मतदाता सूची में नाम शामिल करने के लिए फॉर्म-6 भरकर आवेदन करें। जिन पात्र नागरिकों का नाम प्रारंभिक मतदाता सूची में दर्ज नहीं है, वे निर्धारित दस्तावेजों एवं घोषणा-पत्र के साथ फॉर्म-6 के माध्यम से नाम शामिल करवाने के लिए भी दावा प्रस्तुत कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि जिला के चारों विधानसभा क्षेत्रों के सभी मतदान केंद्रों पर 30 सितंबर तक दावे एवं आपत्ति दर्ज किए जा रहे हैं साथ ही नए मतदाताओं को जोडने़ की प्रक्रिया भी अमल में लाई जा रही है। डीसी ने बताया कि एसआईआर प्रक्रिया के संशोधित कार्यक्रम के अनुसार मतदाता सूची से संबंधित दावे एवं आपत्तियां 30 सितंबर तक दर्ज कराई जा सकती हैं। प्राप्त दावे-आपत्तियों का निपटान 28 अक्टूबर तक किया जाएगा जबकि अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 6 नवंबर को होगा। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अपना तथा परिवार के सभी पात्र सदस्यों का नाम और विवरण प्रारंभिक मतदाता सूची में समय रहते जांच लें।

25 वर्षों की सेवा, सुशासन और राष्ट्र निर्माण की यात्रा को जन-जन तक पहुंचाएगा सेवा संकल्प अभियान : श्याम सिंह राणा

17 सितंबर से 17 अक्तूबर तक पूरे हरियाणा में होंगे सेवा, संस्कार, नवाचार और जनभागीदारी से जुड़े कार्यक्रम

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के कृषि एवं किसान विभाग मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन, जनसेवा, सुशासन और राष्ट्र निर्माण की ऐतिहासिक यात्रा को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। इसके लिए प्रदेश में 17 सितंबर से 17 अक्तूबर, 2026 तक 'सेवा संकल्प अभियान' चलाया जाएगा। इन कार्यक्रमों को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी प्रदेश की अलग-अलग जगहों से इनका शुभारंभ करेंगे। यह अभियान प्रधानमंत्री के सेवा-संकल्प के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने, उनके जनकल्याणकारी कार्यों की जानकारी प्रत्येक परिवार तक पहुंचाने और विकसित भारत के निर्माण में नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने का व्यापक जन अभियान होगा। हरियाणा के कृषि एवं किसान विभाग मंत्री श्याम सिंह राणा कुरुक्षेत्र में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। मंत्री श्याम

सिंह राणा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की शासन के माध्यम से जनसेवा और राष्ट्र सेवा की ऐतिहासिक यात्रा के 25 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। लगातार 25 वर्षों से राष्ट्र के प्रति उनकी असाधारण, अविराम एवं समर्पित सेवाओं के लिए वे उन्हें नमन करते हैं। मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में उनका यह 25 वर्षों का कार्यकाल सेवा, सुशासन, संकल्प और राष्ट्र निर्माण का प्रेरणादायी अध्याय है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी 17 सितंबर को कुरुक्षेत्र में रक्तदान शिविर, रंगोली, आशीर्वाद का दीया और भव्य ड्रोन शो में हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा कि 'सेवा संकल्प अभियान' का शुभारंभ 17 सितंबर को प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर 'सेवा दिवस' से होगा। इस दिन रक्तदान शिविर आयोजित किए जाएंगे और शाम को 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम होगा। उन्होंने हरियाणा के प्रत्येक परिवार से आह्वान किया कि 17 सितंबर की शाम 7 बजे अपने घर में 'आशीर्वाद का दीया' अवश्य जलाएं। जब हर घर में सेवा और संकल्प का दीप जलेगा, तो पूरा हरियाणा प्रधानमंत्री के प्रति अपनी आत्मीयता और आभार की भावना से जगमगा उठेगा। उन्होंने कहा कि आगामी 17 सितंबर से 7 अक्तूबर के बीच सभी विद्यालयों में चित्रकला तथा भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इसी प्रकार, प्रधानमंत्री की 25 वर्षों की परिवर्तन यात्रा को नुक्कड़ नाटकों, संगीत, संवाद और भावनात्मक प्रस्तुतियों के जरिए गांव-गांव पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की गई जन-कल्याणकारी योजनाओं से करोड़ों परिवारों के जीवन में परिवर्तन आया है। उनकी कहानियां अक्सर सामने नहीं आ पातीं। इस दौरान, ऐसी अनकही कहानियां समाज के सामने लाई जाएंगी।

यूके के बाजार में हरियाणा के टेक्सटाइल, फुटवियर, रत्न-आभूषण और इंजीनियरिंग क्षेत्र के लिए खुलेंगे नए अवसर : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव में शामिल होने का निमंत्रण भी दिया

एजेंसी

गुरुग्राम। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भारत-यूके सीईटीए हरियाणा के लिए वैश्विक व्यापार के नए अवसर खोलने वाला महत्वपूर्ण समझौता है। इससे राज्य के टेक्सटाइल, फुटवियर, रत्न एवं आभूषण और इंजीनियरिंग जैसे प्रमुख क्षेत्रों को यूके के बाजार में बेहतर पहुंच मिलेगी। यह समझौता हरियाणा के युवाओं, किसानों, एमएसएमई और स्टार्टअप्स को वैश्विक निवेशकों और नई तकनीकों से जोड़कर विकास के नए अवसर उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी गुरुग्राम स्थित यूनिवर्सिटी में 'हरियाणा-यूके सीईटीए ट्रेड ब्रिज अनलॉकिंग ग्लोबल अपॉर्च्युनिटीज फॉर हरियाणा' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन यूके हाई कमीशन के सहयोग से किया गया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने

विदेश समन्वय विभाग का लोगो भी लॉन्च किया। उन्होंने यूके से आए ब्रिटिश हाई कमीशन के प्रतिनिधियों, विदेशी मित्रों, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों, निवेशकों और अन्य साझेदारों का हरियाणा की कर्मभूमि पर स्वागत किया।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि भारत और यूके के संबंध वर्षों पुरानी साझेदारी, लोकतांत्रिक मूल्यों, नवाचार और मजबूत जन-से-जन संपर्क पर आधारित हैं। हजारों हरियाणवी परिवारों सहित लाखों प्रवासी भारतीयों ने यूके के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, वहीं ब्रिटिश संस्थानों ने भी हरियाणा की विकास यात्रा में विश्वसनीय साझेदार की भूमिका निभाई है।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत वैश्विक निवेशकों के लिए एक विश्वसनीय गंतव्य बन चुका है और वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

वर्ष 2047 में भारत की आजादी के 100 वर्ष पूरे होंगे और उसी समय भारत-यूके संबंधों के भी 100 वर्ष पूरे हो रहे होंगे। इसी राष्ट्रीय संकल्प के साथ हरियाणा ने देश की अर्थव्यवस्था में एक ट्रिलियन डॉलर का योगदान देने का ऐतिहासिक लक्ष्य निर्धारित किया है।

महंगाई ने बिगाड़ा आम आदमी का बजट, सरकारी दावे जमीनी हकीकत से दूरः कुमारी सैलजा

एजेंसी

चंडीगढ़। पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने कहा कि भाजपा सरकार की आर्थिक नीतियों और महंगाई पर प्रभावी नियंत्रण न होने के कारण गरीब एवं मध्यम वर्ग का घरेलू बजट बिगड़ गया है। सरकार महंगाई नियंत्रित होने के दावे कर रही है, जबकि रसोई से लेकर मकान चलाने तक की लगभग हर आवश्यक वस्तु और सेवा महंगी होती जा रही है। कुमारी सैलजा ने कहा कि अगस्त में देश की खुदरा महंगाई दर बढ़कर 4.82 प्रतिशत पर पहुंच गई। हरियाणा में महंगाई दर 3.92 प्रतिशत दर्ज की गई, जबकि प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में यह 4.46 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 3.38 प्रतिशत रही। इससे स्पष्ट है कि महंगाई की सबसे अधिक मार गांवों, किसानों, मजदूरों और सीमित आय वाले परिवारों पर पड़ रही है। सांसद ने कहा कि पिछले एक वर्ष में प्याज के दाम करीब 48 प्रतिशत, लहसुन के 44 प्रतिशत, चीनी के 29 प्रतिशत और अरहर दाल के दाम 6.5 प्रतिशत बढ़े हैं। आटा पिसाई, दूध, बिजली, कपड़े, चप्पल सब महंगे हुए और मकान का किराया भी महंगा हुआ है। आय में अपेक्षित बढ़ोतरी नहीं होने के कारण परिवारों को भोजन, बच्चों की पढ़ाई और स्वास्थ्य जैसे जरूरी खर्चों में कटौती करनी पड़ रही है। कुमारी सैलजा ने कहा कि भाजपा सरकार को बताना चाहिए कि जब खाद्य वस्तुओं, बिजली, परिवहन, शिक्षा, उपचार और आवास से जुड़े खर्च लगातार बढ़ रहे हैं तो गरीब तथा मध्यम वर्ग अपना बजट कैसे संभाले। महंगाई का वास्तविक सच सरकारी दावों में नहीं, बल्कि बाजार की बढ़ती कीमतों और जनता की खाली होती जेब में दिखाई दे रहा है। सांसद ने कहा कि सरकार आवश्यक खाद्य वस्तुओं की जमाखोरी और मुनाफाखोरी पर सख्ती से रोक लगाए तथा सार्वजनिक वितरण प्रणाली को मजबूत करे। दाल, चीनी और खाद्य तेल जैसी आवश्यक वस्तुएं उचित दरों पर उपलब्ध कराने के साथ बिजली, रसोई गैस और पेट्रोलियम पदार्थों पर करों में राहत दी जाए।

मोबाइल पर जीएसटी 5 प्रतिशतकरने की मांग

नई दिल्ली ।

मोबाइल फोन और उससे जुड़े कारोबार पर जीएसटी को दर घटाकर 5 फीसदी करने की मांग तेज हो गई है। मोबाइल उद्योग से जुड़े कारोबारियों और उपभोक्ता संगठनों का कहना है, मोबाइल अब विलासिता की वस्तु नहीं, बल्कि शिक्षा, रोजगार, डिजिटल भुगतान और सरकारी सेवाओं तक पहुंचने का जरूरी माध्यम है। मौजूदा जीएसटी दर ज्यादा होने के कारण फोन की कीमत बढ़ती है। निम्न एवं मध्यम आय वर्ग के उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। उद्योग का तर्क है कि जीएसटी घटाने से मोबाइल की बिक्री बढ़ सकती है। डिजिटल अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी, कर आधार भी बढ़ सकता है। कारोबारियों ने सरकार से आगामी जीएसटी परिषद की बैठक में इस प्रस्ताव पर विचार करने की मांग की है।

टाटा समूह की कंपनियों के शेयर में तेजी

टाटा केमिकल्स का शेयर 20 प्रतिशत चढ़ा

नई दिल्ली ।

टाटा समूह की कंपनियों के शेयर में मंगलवार को तेजी रही। टाटा केमिकल्स का शेयर 20 प्रतिशत चढ़ गया। भारतीय रिजर्व बैंक के टाटा संस के प्रमुख निवेश कंपनी का पंजीकरण वापस करने के आवेदन को खारिज करने की खबरों के बीच यह तेजी आई है। बीएसई पर टाटा केमिकल्स के शेयर में 20 प्रतिशत की तेजी आई। टाटा इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन का शेयर 15.24 प्रतिशत, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स का 5.89 प्रतिशत, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का 5.47 प्रतिशत, टाटा एल्क्सी का 4.28 प्रतिशत, टाटा पावर का 3.41 प्रतिशत, टाटा कम्युनिकेशंस का 3.21 प्रतिशत, टाटा स्टील का 1.96 प्रतिशत और टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स का 1.72 प्रतिशत चढ़ा। सूत्रों ने शनिवार को बताया था कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने टाटा संस के प्रमुख निवेश कंपनी के रूप में एनबीएफसी पंजीकरण वापस लेने के आवेदन को खारिज कर दिया है। इससे टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी के लिए शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने की राह खुल गई है।

सोना 115 रुपए गिरा, चांदी 461 रुपए टूटी

सोना 1,51,181 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी 2,32,200 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली ।

अमेरिकी में ब्याज दर बढ़ने की आशंका और बॉन्ड यील्ड में तेजी के कारण सोने की कीमतों पर दबाव बढ़ गया है। मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना पांच सप्ताह के निचले स्तर के करीब आ गया, जिससे घरेलू और वैश्विक दोनों बाजारों में कीमती धातुओं के भाव नरम पड़ गए। अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर सोना 4,349.40 डॉलर प्रति औंस पर 2.50 डॉलर की गिरावट के साथ कारोबार कर रहा था। वहीं, चांदी भी 64.01 डॉलर प्रति औंस पर 0.12 डॉलर नीचे लुढ़क गई। यह गिरावट वैश्विक निवेशकों के बीच बढ़ती चिंताओं का परिणाम है। घरेलू बाजार एमसीएक्स पर भी शुरुआती कारोबार में सोने और चांदी के वायदा भाव नरम रहे। खबर लिखे जाने तक, सोने का अक्टूबर वायदा भाव 1,51,181 रुपए प्रति 10 ग्राम पर 49 रुपए की गिरावट दिखा रहा था, जबकि यह 115 रुपए की गिरावट के साथ खुला था। इसी तरह चांदी का दिसंबर वायदा भाव 2,32,200 रुपए प्रति किलोग्राम पर 490 रुपए की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहा था। चांदी का दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट 461 रुपए की गिरावट के साथ 2,31,569 रुपए पर खुला था। यह लगातार दबाव बताता है कि बाजार अमेरिकी आर्थिक नीतियों के संभावित प्रभावों को लेकर सतर्क है, जिससे सुरक्षित निवेश मानी जाने वाली धातुओं की चमक फीकी पड़ रही है।

प्रणव कंस्ट्रक्शंस का शेयर 33 फीसदी बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली । रियल एस्टेट कंपनी प्रणव कंस्ट्रक्शंस लिमिटेड का शेयर अपने 124 रुपये के निर्गम मूल्य से 33 प्रतिशत की बढ़त के साथ मंगलवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर ने निर्गम मूल्य से 30.64 प्रतिशत की बढ़त के साथ 162 रुपये पर कारोबार शुरू किया। एनएसई पर यह 33 प्रतिशत की बढ़त के साथ 165 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 1,520.97 करोड़ रुपये रहा।प्रणव कंस्ट्रक्शंस के 351 करोड़ रुपये के आईपीओ को पिछले सप्ताह बुधवार को बोली के अंतिम दिन 121 गुना अभिदान मिला था। आईपीओ का मूल्य दायरा 118-124 रुपये प्रति शेयर था। प्रणव कंस्ट्रक्शंस लिमिटेड ने बड़े (एंकर) निवेशकों से 84.24 करोड़ रुपये जुटाए थे।

रूस प्रतिबंध विधेयक पर अमेरिकी संसद में घमासान!

हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में 'लिंडसे ओ. ग्राहम एक्ट' पर संशोधन

नई दिल्ली ।

अमेरिकी कांग्रेस में रूस पर प्रतिबंध लगाने वाले एक महत्वपूर्ण विधेयक को लेकर घमासान मचा हुआ है। प्रतिनिधि सभा में इस विधेयक में ऐसे संशोधन पेश किए गए हैं, जो भारत सहित रूस के प्रमुख व्यापारिक साझेदारों पर टैरिफ लगाने या फिर इस प्रावधान को पूरी तरह हटाने की मांग करते हैं। यह विधेयक यूक्रेन युद्ध के लिए रूस को मिलने वाली वित्तीय सहायता को बाधित करने का लक्ष्य रखता है, लेकिन इसके माध्यमिक प्रतिबंधों को लेकर गहरे मतभेद उभर आए हैं। लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रूस एंड ईरान एक्ट नामक यह विधेयक पिछले महीने अमेरिकी सीनेट से 86-11 के भारी बहुमत से पारित हो चुका है। इसका उद्देश्य रूस के नेतृत्व, ऊर्जा क्षेत्र और उसके शैडो फ्लीट पर प्रतिबंध लगाकर यूक्रेन के खिलाफ युद्ध के लिए मॉस्को को मिल रही आर्थिक मदद को रोकना है। विधेयक में अमेरिकी राष्ट्रपति को रूस के कच्चे तेल के प्रमुख खरीदार देशों पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने का अधिकार देने का भी प्रस्ताव है, हालांकि सीनेट से पारित विधेयक में इन देशों के नाम स्पष्ट रूप से नहीं दिए गए थे। अब राष्ट्रपति के हस्ताक्षर से पहले इसे प्रतिनिधि सभा से पारित होना है, जिसके पास 3 नवंबर के मध्यावधि चुनाव से पहले केवल चार कार्यदिवस बचे हैं। इसी बीच प्रतिनिधि सभा में दो मुख्य संशोधन चर्चा का विषय बने हुए हैं। डेमोक्रेटिक सांसद स्टेनी होयर ने एक संशोधन पेश किया है, जिसमें चीन, भारत, तुर्किये और यूरोपीय सहित 10 देशों को उन व्यापारिक साझेदारों के रूप में स्पष्ट रूप से नामित करने का प्रस्ताव है, जिन पर प्रस्तावित 100 प्रतिशत शुल्क लगाया जा सकता है। इसका अर्थ है कि रूस से तेल कारोबार करने वाले ये देश विधेयक में प्रस्तावित माध्यमिक टैरिफ के दायरे में आ जाएंगे। इसके विपरीत, डेमोक्रेटिक सांसद ग्रेगरी मीक्स ने एक अलग संशोधन पेश किया है, जिसमें राष्ट्रपति को अतिरिक्त टैरिफ लगाने का अधिकार देने वाले पूरे प्रावधान (धारा 113) को हटाने की मांग की गई है। मीक्स इस तरह के व्यापक माध्यमिक टैरिफ के मुखर विरोधी हैं और उन्हें तीन अन्य सांसदों का समर्थन भी मिला है। मीक्स ने एक अन्य संशोधन में राष्ट्रपति को राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर 90 दिनों की प्रतिबंध छूट देने का अधिकार भी सुझाया है। यह द्वंद दिखाता है कि अमेरिका रूस को दंडित करने की अपनी रणनीति में सहयोगी देशों पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर बंटा हुआ है।

'अमेजन नाउ' की भारत में सालाना बिक्री एक अरब डॉलर के पार

हर तिमाही में दोगुने हुए ऑर्डर, दिवाली तक 100 शहरों में विस्तार की योजना

नई दिल्ली ।

भारत में अमेज़न की त्वरित वाणिज्य सेवा अमेज़न नाउ ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए अपनी सालाना अनुमानित सकल बिक्री (एजीएमवी) को 1 अरब अमेरिकी डॉलर के आंकड़े तक पहुंचा दिया है। कंपनी के इतिहास में यह सबसे तेज़ी से बढ़ने वाली ई-कॉमर्स इकाई बन गई है, जहां सेवा शुरू होने के बाद से हर तिमाही में इसके ऑर्डर दोगुने हो रहे हैं। अमेज़न इंडिया के एक अधिकारी ने मंगलवार को इस सफलता की घोषणा करते हुए बताया कि अमेज़न नाउ की यह रिकॉर्ड तोड़ वृद्धि पिछले तीन महीनों की बिक्री गति पर आधारित है। ग्राहकों की ज़बरदस्त प्रतिक्रिया से उत्साहित कंपनी अब दिवाली तक इस सेवा का विस्तार 100 शहरों तक करने की राह पर है। यह उसकी देशभर के 300 से अधिक शहरों तक पहुंचने की व्यापक योजना का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि कम समय में इतनी बड़ी उपलब्धि हासिल करना ग्राहकों के बीच अमेज़न नाउ की बढ़ती लोकप्रियता और आवश्यकता को दर्शाता है। पिछले 10 हफ्तों से भी कम समय में, अमेज़न नाउ ने अपनी पहुंच को चार गुना से अधिक शहरों में बढ़ाया है, जिससे त्योहारों से पहले 60 से ज्यादा शहरों और कस्बों में ग्राहकों को कुछ ही मिनटों में उत्पाद आपूर्ति की सुविधा मिल रही है। यह तीव्र विस्तार और रिकॉर्ड तोड़ बिक्री अमेज़न की भारतीय बाज़ार में त्वरित वाणिज्य की क्षमता पर भरोसे को मज़बूत करती है।

एयर इंडिया को मिला नया सीईओ, टेवोल्डे गेब्रेमरियम संभालेंगे कमान

निदेशक मंडल ने कैंपबेल विल्सन को दी विदाई

मुंबई ।

एयर इंडिया के निदेशक मंडल ने मंगलवार को मुंबई में हुई अपनी महत्वपूर्ण बैठक में कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के पद पर बदलाव को अंतिम रूप दे दिया है। इथियोपियन एयरलाइंस समूह के पूर्व प्रमुख टेवोल्डे गेब्रेमरियम इस महीने के अंत में औपचारिक रूप से यह पद संभालेंगे, जबकि वर्तमान सीईओ कैंपबेल विल्सन इस महीने अपने पद से हट जाएंगे। टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन की अध्यक्षता में हुई बैठक में नए सीईओ के वेतन ढांचे सहित विभिन्न रणनीतिक मुद्दों पर चर्चा हुई। निदेशक मंडल ने जुलाई 2022 से एयरलाइन की महत्वाकांक्षी परिवर्तन योजना का सफल नेतृत्व करने के लिए विल्सन के योगदान के लिए उनका धन्यवाद किया। टेवोल्डे गेब्रेमरियम विमानन उद्योग में लगभग चार दशकों का व्यापक अनुभव रखते हैं, जिसमें इथियोपियन एयरलाइंस समूह में 11 साल से अधिक समय तक सीईओ का पद संभालना शामिल है।

उन्हें एयर इंडिया के चल रहे कायापलट के लिए एक महत्वपूर्ण नियुक्ति माना जा रहा है। इस बीच, एयर इंडिया अपनी ग्राहक सेवा प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने के लिए सेल्सफोर्स के एआई मंच का उपयोग बढ़ा रही है। इसमें ईमेल का स्वचालित समाधान, नाम बदलने की प्रक्रियाओं का सरलीकरण और ग्राहक सेवा टीमों के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित ज्ञान सहायक शामिल हैं। कंपनी ने 140 से अधिक उद्यम प्रणालियों को जोड़ने वाला क्लाउड आधारित डिजिटल तंत्र विकसित किया है और 30 से अधिक एआई पहलें जारी हैं।

हिंदुस्तान जिंक- युवा इंजीनियरों की बदौलत बदल रहा भारतीय जिंक उद्योग का भविष्य

उदयपुर ।

इंजीनियर्स डे के मौके अवसर पर, विश्व की सबसे बड़ी एकीकृत जिंक उत्पादक कंपनी हिंदुस्तान जिंक ने अपने युवा इंजीनियरों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया है, जो भारत के मेटल और माइनिंग उद्योग को एक नई दिशा दे रहे हैं। कंपनी के कुल अधिकारियों में 57.8 प्रतिशत इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि से हैं, जिनमें से 76 प्रतिशत युवा पेशेवर कोर इंजीनियरिंग क्षेत्रों से जुड़े हैं। विशेष रूप से, लगभग 10 प्रतिशत नेतृत्वकर्ता 35 वर्ष से कम आयु के हैं। यह युवा पीढ़ी अपने तकनीकी ज्ञान, डिजिटल कौशल, नवाचार और सतत विकास की सोच के साथ उद्योग को अधिक आधुनिक, स्मार्ट और सुरक्षित बना रही है।पारंपरिक धारणाओं से परे जाकर, ये इंजीनियर केवल उद्योग का हिस्सा नहीं बन रहे बल्कि इसके भविष्य को भी आकार दे रहे हैं। हिंदुस्तान जिंक की अत्याधुनिक इकाइयों में रिमोट ब्लास्टिंग, टेली-रिमोट मशीन संचालन, रियल-टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम और ऑटोमेटेड प्रक्रियाओं जैसी तकनीकों के माध्यम से, युवा इंजीनियर सुरक्षित व कुशल कार्यप्रणाली विकसित करने में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं।

कंपनी के कुल 2,685 अधिकारियों के कार्यबल में से 1,551 कर्मचारी इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि से हैं। महिला अधिकारियों की संख्या 20.5 प्रतिशत है, जो माइनिंग, मेटलर्जी, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल और पर्यावरण इंजीनियरिंग जैसे विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। हिंदुस्तान जिंक युवा प्रतिभाओं को लगातार जोड़ रहा है, जिसके तहत वित्त वर्ष 2025-26 में 335

कैंपस हायरिंग की गई है। हिंदुस्तान जिंक के सीईओ एवं पूर्णकालिक निदेशक अमरेंदु प्रकाश ने कहा, आज के इंजीनियर तेजी से बदलते उद्योग में कदम रख रहे हैं। हिंदुस्तान जिंक में हम देख रहे हैं कि युवा इंजीनियर नई सोच और दृष्टिकोण के साथ जटिल चुनौतियों का समाधान खोज रहे हैं। हमारी जिम्मेदारी है कि हम उन्हें ऐसा वातावरण दें जहाँ उनकी जिज्ञासा और तकनीकी क्षमता नवाचार में बदल सकें।कंपनी का 62 प्रतिशत से अधिक कार्यबल 35 वर्ष से कम आयु का है और इसमें लैंगिक विविधता अनुपात 26.3 प्रतिशत है। हिंदुस्तान जिंक एक ऐसा कार्यस्थल विकसित कर रहा है जहाँ युवा प्रतिभाओं को जिम्मेदारी, सीखने के अवसर और नवाचार की स्वतंत्रता मिलती है। डिजिटलाइजेशन के इस दौर में, कंपनी बड़े औद्योगिक वातावरण के भीतर स्टार्टअप जैसी कार्य संस्कृति को बढ़ावा दे रही है। अधिकारियों के अलावा, 423 से अधिक गैर-अधिकारी कर्मचारी भी इंजीनियरिंग प्रक्रियाओं को मजबूत बनाते हैं, जो परिचालन की मजबूत नींव हैं।

एफसीएनआर (बी) जमा पर बैंकों को अतिरिक्त लागत, ब्याज हेजिंग से बढ़ेगा बोझ

आरबीआई द्वारा मूल राशि की ही हेजिंग से 15-20 आधार अंक की बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।

भारतीय बैंकों को विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) यानी एफसीएनआर (बी) जमा पर 15-20 आधार अंक की अतिरिक्त लागत झेलनी पड़ेगी। यह बढ़ोतरी जमाकर्ताओं को दिए जाने वाले ब्याज के हेजिंग के मद में होगी, क्योंकि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) केवल मूल जमा राशि की हेजिंग कर रहा है, ब्याज की नहीं। यह लागत जमाकर्ताओं को दिए जाने वाले ब्याज के अलावा होगी।

बैंक अधिकारियों के अनुसार, बैंकों को इन जमाओं पर डॉलर में ब्याज देना होता है, जिससे भविष्य में डॉलर की देनदारी बनती है। इस ब्याज वाले हिस्से की हेजिंग का खर्च बैंकों को खुद उठाना होगा, जो करेंसी फॉरवर्ड प्रीमियम और दोनों मुद्राओं के बीच ब्याज दरों के अंतर पर निर्भर करता है। आरबीआई की रियायती अदला-बदला व्यवस्था के तहत बैंकों ने एफसीएनआर (बी) जमा से 127 अरब डॉलर जुटाए थे, जो सुविधा 31 अगस्त को बंद हो गई है। एक सरकारी बैंक के वरिष्ठ बैंकर ने बताया कि ब्याज वाले हिस्से पर हेजिंग की लागत बैंकों को उठानी होगी।

निजी क्षेत्र के एक अधिकारी ने पुष्टि की कि हेजिंग की लागत जोड़ने के बाद एफसीएनआर (बी) जमा की प्रभावी लागत लगभग 15-20 आधार अंक बढ़ जाएगी। उदाहरण के लिए, 6.5 फीसदी ब्याज दर प्रभावी रूप से 6.65 से 6.70 फीसदी हो जाएगी। हालांकि, बैंक अधिकारियों का मानना है कि 3-5 साल की इन जमाओं पर 6.5 से 7.0 फीसदी की तय लागत पर भी रकम जुटाना अभी भी फायदेमंद है।

बैंक भविष्य की डॉलर देनदारी के जोखिम को कम करने के लिए फॉरवर्ड जैसे विकल्पों पर विचार कर रहे हैं, हालांकि आरबीआई के स्वैप के कारण प्रीमियम बढ़ गए हैं। अनुमान है कि ब्याज का हिस्सा 20 अरब डॉलर तक हो सकता है, जिसके प्रबंधन के लिए फॉरवर्ड अहम जरिया होंगे।

आरबीआई ने बाजार से खींची 3.93 लाख करोड़ की नकदी

अधिशेष तरलता को नियंत्रित करने और दरों को स्थिर करने की कवायद जारी

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मंगलवार को एक परिवर्तनीय दर रिवर्स रेपो (वीआरआरआर) नीलामी के जरिए बैंकिंग प्रणाली से 3,93,352 करोड़ रुपये की अतिरिक्त नकदी जुटाई। यह केंद्रीय बैंक की अधिशेष तरलता को सोखने और मुद्रा बाजार की रातोंरात दरों को रेपो दर के अनुरूप लाने की जारी कवायद का हिस्सा है। केंद्रीय बैंक ने 5 लाख करोड़ रुपये की अधिसूचित राशि के मुकाबले प्राप्त बोलियों को 5.24 प्रतिशत की कट-ऑफ दर पर स्वीकार किया। आरबीआई पिछले एक महीने से इस तरह की नीलामी कर रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य बैंकिंग प्रणाली में अनुमानित 10.73 लाख करोड़ रुपये (11 सितंबर तक) की अतिरिक्त नकदी को प्रबंधित करना है। इस प्रयास के तहत, आरबीआई ने हाल ही में 1 लाख करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूतियों की बिक्री के लिए खुले बाजार परिचालन (ओएमओ) की भी घोषणा की है, जिसकी पहली नीलामी 17 सितंबर को होनी है। यह कदम बाजार में तरलता के स्तर को संतुलित करने के आरबीआई के दृढ़ संकल्प को दर्शाता है।

कोटक-एचडीएफसी ने लॉन्च किए इंडेक्स फंड

म्युचुअल फंड में निवेश का नया द्वार, दोनों ओपन-एंडेड एनएफओ का लक्ष्य बाजार खंडों को ट्रैक करना

नई दिल्ली ।

म्युचुअल फंड में निवेश की तलाश कर रहे निवेशकों के लिए दो प्रमुख फंड हाउस, कोटक महिंद्रा म्युचुअल फंड और एचडीएफसी म्युचुअल फंड, ने हाल ही में अपने न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) लॉन्च किए हैं। ये दोनों ही ओपन-एंडेड इंडेक्स फंड हैं, लेकिन इनका निवेश फोकस अलग-अलग बाजार खंडों पर है - एक पूंजी बाजार से जुड़ी कंपनियों को ट्रैक करेगा, तो दूसरा रियल एस्टेट और आरईआईटी क्षेत्र पर केंद्रित है। कोटक निफ्टी कैपिटल मार्केट्स इंडेक्स फंड- यह फंड कैपिटल मार्केट से जुड़ी कंपनियों वाले इंडेक्स को ट्रैक करेगा, जिसका लक्ष्य लॉन्ग टर्म में पूंजी वृद्धि हासिल करना है। इसमें निवेशक न्यूनतम 1,000 रुपए (एकमुश्त) से निवेश शुरू कर सकते हैं, जबकि एसआईपी के लिए न्यूनतम 500 रुपए की दो किस्तें आवश्यक हैं। इस फंड में कोई एग्जिट लोड नहीं है। कोटक के इस एनएफओ में निवेश 15 सितंबर, 2026 से 29 सितंबर, 2026 तक किया जा सकता है। इसका बेंचमार्क निफ्टी कैपिटल मार्केट्स इंडेक्स टीआरआई है। एचडीएफसी बीएसई आरईआईटीएस एंड कमर्शियल रियल एस्टेट इंडेक्स फंड- यह फंड रियल एस्टेट और कमर्शियल रियल एस्टेट से जुड़ी कंपनियों के इंडेक्स को ट्रैक करेगा, जिसका उद्देश्य भी लॉन्ग टर्म में पूंजी बढ़ाना है। इसमें न्यूनतम 100 रुपए से निवेश शुरू किया जा सकता है। इस एनएफओ में निवेश 15 सितंबर, 2026 से 17 सितंबर, 2026 तक किया जा सकेगा। इसमें आवंटन की तारीख से तीन महीने के भीतर यूनिट्स रिडीम करने पर 0.50 फीसदी का एग्जिट लोड लगेगा, जिसके बाद कोई शुल्क नहीं लगेगा। इसका बेंचमार्क बीएसई आरईआईटीएस एंड कमर्शियल रियल एस्टेट इंडेक्स टीआरआई है।दोनों ही फंड पैसिव निवेश रणनीति अपनाएंगे और अपने-अपने बेंचमार्क इंडेक्स (कोटक के लिए निफ्टी कैपिटल मार्केट्स इंडेक्स टीआरआई और एचडीएफसी के लिए बीएसई आरईआईटीएस एंड कमर्शियल रियल एस्टेट इंडेक्स टीआरआई) में शामिल सिक्योरिटीज में अपनी कुल एसेट का 95 से 100 फीसदी हिस्सा निवेश करेंगे।

मेटा अब सीधे भारतीय एजेंसी को देगा डेटा

मजबूत सुरक्षा और जवाबदेही पर सरकार का जोर

नई दिल्ली ।

ऑनलाइन बाल यौन शोषण (सीएसएएम) और अन्य हानिकारक सामग्री के खिलाफ सरकार की कड़ी सख्ती के बीच, सोशल मीडिया दिग्गज मेटा ने बाल सुरक्षा से जुड़े मामलों की जानकारी सीधे भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) द्वारा संचालित साइबर अपराध मंच को देने पर सहमति जताई है।

यह कदम मेटा को भारत में कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सीधे जानकारी देने की प्रतिबद्धता जताने वाली पहली बड़ी प्रौद्योगिकी मध्यस्थ कंपनी बनाता है। केंद्र सरकार लंबे समय से सोशल मीडिया मंचों पर मजबूत सुरक्षा उपाय और अधिक जवाबदेही सुनिश्चित करने पर जोर दे रही है। मेटा के प्रवक्ता ने बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता बताया और अपराधियों की जवाबदेही तय करने के लिए सरकार के साथ काम करने की प्रतिबद्धता जताई। पहले मेटा यह जानकारी अमेरिका स्थित एक केंद्र को देता था, लेकिन अब यह व्यवस्था भारत केंद्रित होगी, जिससे त्वरित कार्रवाई में आसानी होगी। सरकारी सूत्रों ने स्पष्ट किया है कि भारत में बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा मूलभूत सिद्धांत है, जिस पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता। सरकार उन मंचों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दे चुकी है जो नाबालिगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रहते हैं। हाल ही में, सरकार ने सीएसएएम और डीपफेक जैसी सामग्री पर अंकुश लगाने के तरीके को लेकर मेटा को नोटिस जारी किया था और उनके वैश्विक अधिकारियों को तलब भी किया था।

यह मेटा की प्रतिबद्धता बच्चों के लिए मंचों को सुरक्षित बनाने की दिशा में पहला महत्वपूर्ण कदम है। सरकार का कहना है कि अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है, और सभी मंचों से ऐसी हानिकारक सामग्री की सक्रिय रूप से पहचान कर उसे हटाने की अपेक्षा है। भारतीय कानून का पालन न करने पर सरकार कड़ी चेतावनी दे चुकी है।

कंपनियों ने बढ़ाए दाम, फिर शुरू हुआ छूट का खेल

कार में 1 लाख से लेकर 3 लाख तक की छूट

मुंबई ।

सितंबर में टाटा मोटर्स ने कारों की कीमतों में 25 हजार रुपये तक की बढ़ोतरी की। मारुति सुजुकी ने भी चुनिंदा मॉडलों पर 20 हजार रुपये तक की कीमत बढ़ाने की घोषणा की। कंपनियों ने इसके पीछे बढ़ती उत्पादन लागत और महंगाई को कारण बताया। इसके बाद ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए छूट और एक्सचेंज ऑफर का सहारा लिया जा रहा है।

किस कंपनी के कितने लाभ?

टाटा मोटर्स- कर्व और नेक्सन सहित कई मॉडलों पर छूट और अन्य लाभ दिए जा रहे हैं। कर्व पर 1.25 लाख रुपये तक के लाभ की घोषणा की है।

महिंद्रा- विभिन्न मॉडलों पर डीलर स्तर पर ऑफर उपलब्ध हैं। सभी मॉडलों के लिएअलग-अलग छूट दी गई है।

होंडा- एलिवेट पर 1.79 लाख रुपये तक और सिटी पर 1.30 लाख रुपये तक के लाभ उपलब्ध हैं। इनमें नकद छूट, एक्सचेंज बोनस और कॉरपोरेट लाभ को अलग-अलग शामिल किया गया है।

मारुति सुजुकी- विक्टोरिस के स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड मॉडल पर 1.35 लाख रुपये तक के लाभ की घोषणा की गई है। स्विफ्ट, वैगनार और अन्य कारों पर भी ऑफर हैं।

हुंडई- इसके विभिन्न मॉडलों पर डीलर और कंपनी की योजनाओं के अनुसार छूट मिल सकती है। वास्तविक राशि मॉडल, स्टॉक और स्थान पर निर्भर है।

डीलरों और ग्राहकों में छूट को लेकर तनातनी

ग्राहकों का आरोप है कि कंपनियां पहले कीमतें बढ़ाती हैं। बाद में बड़ी छूट का प्रचार करके खरीदारी का माहौल बनाती हैं। दूसरी ओर, डीलरों का कहना है, छूट में कंपनी का योगदान, एक्सचेंज बोनस, स्क्रैपेज लाभ और डीलर की अतिरिक्त रियायत अलग-अलग होती है। इसलिए विज्ञापन में बताई गई अधिकतम छूट हर ग्राहक को नकद रूप में नहीं मिलती है।ऑटोमोबाइल क्षेत्र के जानकारों के अनुसार, पुराने स्टॉक को निकालना, नए मॉडल के लिए जगह बनाना और बिक्री बढ़ाना छूट योजनाओं के प्रमुख कारण हो सकते हैं। ग्राहकों को खरीदारी से पहले एक्स-शोरूम कीमत, बीमा, एक्सेसरीज तथा ऑन-रोड कीमत की लिखित जानकारी लेना चाहिए। इससे वास्तविक बचत का पता चलेगा। भ्रामक छूट के दावों से बचा जा सकेगा। ग्राहकों के हितों को देखते हुए यह जरूरी भी है।

टाटा संस पर आईपीओ का दबाव, आरबीआई ने अर्जी ठुकराई

निजी से सार्वजनिक कंपनी बनने सहित कई कानूनी व ढांचागत तैयारी करनी होगी

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने टाटा संस की प्रमुख निवेश कंपनी (सीआईसी) का दर्जा खत्म करने की अर्जी नामंजूर कर दी है। इस फैसले के बाद अब टाटा संस के लिए शेयर बाजार में सूचीबद्ध होना लगभग अनिवार्य हो गया है, जिससे समूह पर आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की तैयारी तेज करने का दबाव बढ़ गया है। हालांकि, मौजूदा कानूनी और ढांचागत बाधाओं को देखते हुए यह राह आसान नहीं होगी। विशेषज्ञों के अनुसार टाटा संस को आईपीओ लाने से पहले कई महत्वपूर्ण कानूनी और ढांचागत तैयारियां करनी होंगी। 2017 में कंपनी एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बन गई थी, जिसके आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन में शेयर हस्तांतरण पर ऐसी पाबंदियां हैं, जो सार्वजनिक सूचीबद्धता के नियमों के अनुकूल नहीं हैं। एक लॉयर्स ऐंड कंसल्टेंट्स के पार्टनर बताते हैं कि इन बुनियादी शर्तों को पूरा करने के लिए बोर्ड को विशेष प्रस्ताव पारित कर कंपनी को फिर से सार्वजनिक बनाना होगा और प्रतिबंधों वाले नियमों को हटाना होगा। सिंघानिया ऐंड कंपनी के रोहित जैन के मुताबिक, टाटा ट्रस्ट्स की नियंत्रक स्थिति और उससे जुड़ी शासन व्यवस्था की जांच डिस्क्लोजर और संबंधित पक्षकार लेनदेन के संदर्भ में जरूरी होगी। टाटा ट्रस्ट्स, जो टाटा संस में 66 फीसदी हिस्सेदारी के साथ सबसे बड़े शेयरधारक हैं, की नियंत्रण स्थिति को बनाए रखते हुए न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता (एमपीएस) की शर्त को पूरा करना एक चुनौती होगी। संभावना है कि नए शेयर जारी करने के बजाय मौजूदा शेयरधारकों द्वारा ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) का रास्ता अपनाया जाएगा। शापूरजी पलोनजी समूह, जिसके पास लगभग 18.4 फीसदी हिस्सेदारी है और जो लंबे समय से सूचीबद्धता की मांग कर रहा है, ओएफएस के लिए एक स्वाभाविक दावेदार माना जा रहा है। इससे टाटा संस ट्रस्ट्स की पकड़ ढीली किए बिना नियमों का पालन कर सकेगा। टाटा संस की तात्कालिक प्राथमिकता आरबीआई से आईपीओ टाइमलाइन के बारे में स्पष्ट जानकारी लेना और एक विस्तृत रोडमैप तैयार करना होगी।

आतंकी मसूद पर पाकिस्तान की नई नौटंकी

सुरेश हिंदुस्तानी

> आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई में अब दुनिया को दावों की नहीं, कार्रवाई की भाषा चाहिए। पाकिस्तान यदि वास्तव में अपनी छवि बदलना चाहता है तो उसे नौटंकी से आगे बढ़कर प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे। क्योंकि आतंकवाद के सवाल पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय की स्मृति अब इतनी कमजोर नहीं रही कि पुरानी चालें नए आवरण में आसानी से सफल हो जाएं।

आतंकवाद के प्रश्न पर पाकिस्तान की भूमिका लंबे समय से विश्व समुदाय के लिए चिंता का विषय रही है। आतंकवाद के विरुद्ध कठोर कार्रवाई का दिखावा और आतंकी संगठनों के प्रति नरम रवैया, पाकिस्तान की विदेश एवं सुरक्षा नीति के इस विरोधाभासी चरित्र ने उसकी विश्वसनीयता को लगातार कठघरे में खड़ा किया है। आतंकी सरगना मसूद अजहर को लेकर पाकिस्तान की हालिया कार्रवाई भी इसी विरोधाभास की एक नई कड़ी के रूप में देखी जा रही है। उसे भगोड़ा घोषित करना और उसकी गिरफ्तारी पर इनाम की घोषणा करना पहली दृष्टि में कठोर कार्रवाई का संकेत देता है, लेकिन पाकिस्तान के पिछले रिकॉर्ड को देखते हुए इसके पीछे की वास्तविक मंशा पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है।

मसूद अजहर कोई सामान्य अपराधी नहीं है। वह भारत में हुए अनेक आतंकी हमलों से जुड़े उन कुख्यात चेहरों में रहा है, जिनकी गतिविधियों ने न केवल भारत की सुरक्षा को चुनौती दी, बल्कि दक्षिण एशिया में आतंकवाद के नेटवर्क की भयावहता को भी उजागर किया। वर्ष 1999 में इंडियन एयरलाइंस के विमान के अपहरण के बाद यात्रियों की रिहाई के बदले भारत को जिन आतंकवादियों को छोड़ना पड़ा, उनमें मसूद अजहर भी शामिल था। इसके बाद उसने आतंकवादी गतिविधियों के जिस नेटवर्क को आगे बढ़ाया, उसने भारत की सुरक्षा व्यवस्था के सामने गंभीर चुनौतियां खड़ी कीं।

विडंबना यह है कि जिस व्यक्ति को भारत लंबे समय से आतंकवाद का प्रमुख चेहरा मानता रहा है, उसी मसूद अजहर को लेकर पाकिस्तान अब यह दावा कर रहा है कि वह उसकी पकड़ से बाहर है और संभवतः अफगानिस्तान में छिपा हुआ है। यदि यह दावा सही है तो सवाल यह उठता है कि पाकिस्तान की सुरक्षा और खुफिया एजेंसियां इतने कुख्यात आतंकी के संबंध में इतनी अनभिज्ञ कैसे हो सकती हैं? और यदि वह पाकिस्तान से बाहर है तो उसके संगठनात्मक नेटवर्क, आर्थिक संसाधनों और संपर्कों पर कार्रवाई क्यों दिखाई नहीं देती?

यहीं से पाकिस्तान की कार्रवाई पर संदेह की परतें गहरी होने लगती हैं।

पाकिस्तान की जांच एजेंसी एफआईए द्वारा मसूद अजहर को अपने अत्यंत खतरनाक आतंकवादियों की सूची में शामिल किया जाना अपने आप में महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। लेकिन केवल किसी आतंकी को सूचीबद्ध कर देना आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई नहीं माना जा सकता। असली कसौटी गिरफ्तारी, न्यायिक प्रक्रिया, आतंकी नेटवर्क का विघटन और उसके वित्तीय स्रोतों पर प्रभावी प्रहार है। यदि कार्रवाई केवल कागजों तक सीमित रह जाए, तो वह आतंकवाद के विरुद्ध संघर्ष नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय दबाव को टालने की प्रशासनिक कवायद बनकर रह जाती है।

भारत के सुरक्षा तंत्र से जुड़े इनपुट यदि यह संकेत देते हैं कि मसूद अजहर पाकिस्तान में ही छिपा हुआ है, तो पाकिस्तान के दावे की विश्वसनीयता और भी संदिग्ध हो जाती है। हालांकि ऐसे खुफिया दावों की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक होती है, लेकिन पाकिस्तान का अतीत उसके वर्तमान दावों पर सहज विश्वास करने की अनुमति नहीं देता।

पाकिस्तान का यह दोहरा चरित्र नया नहीं है। दुनिया पहले भी देख चुकी है कि आतंकवाद के विरुद्ध कार्रवाई का दावा करने वाला पाकिस्तान अपनी ही धरती पर छिपे कुख्यात आतंकवादियों की मौजूदगी से लंबे समय तक इनकार करता रहा। ओसामा बिन लादेन का पाकिस्तान में पाया जाना इस संदर्भ में सबसे चर्चित उदाहरण है। अमेरिकी कार्रवाई में एबटाबाद में लादेन के मारे जाने के बाद पाकिस्तान के उन दावों की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्न उठे थे, जिनमें वह अपनी धरती पर आतंकवादी सरगनाओं की मौजूदगी से अनभिज्ञता जताता रहा था।

आतंकी मसूद अजहर पर पाकिस्तान सरकार की कार्यवाही को इसलिए भी संदेह की दृष्टि से देखा जा रहा है, क्योंकि पाकिस्तान में आतंकी सरगनाओं पर न तो सरकार का नियंत्रण है और न ही सेना की ही चलती है। आतंकियों का अपना एक तंत्र है। जिनमें कोई भी दखल नहीं दे सकता। पाकिस्तान में तीन शक्ति केंद्र माने जाते हैं, जिनमें सरकार, सेना और आतंकवादी हैं। कई बार यह भी देखने में आता है कि वहां की सरकार किसकी होगी, यह आतंकी और सेना तय करती है। इसलिए सरकार, आतंकियों पर कठोर कार्यवाही करने का सामर्थ्य नहीं जुटा पाती। और आतंकी फलीभूत होते रहते हैं।

इस पृष्ठभूमि में मसूद अजहर पर घोषित इनाम को केवल कानून-व्यवस्था की कार्रवाई के रूप में देखना कठिन है। इसके पीछे पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय छवि सुधारने की मंशा भी दिखाई देती है। विशेषकर आतंकवाद के वित्तपोषण और धनशोधन से जुड़े अंतरराष्ट्रीय मानकों के संदर्भ में पाकिस्तान पर लगातार दबाव रहा है। ऐसे समय में किसी कुख्यात आतंकी के विरुद्ध सार्वजनिक कार्रवाई का प्रदर्शन अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को यह संदेश देने का प्रयास हो सकता है कि पाकिस्तान आतंकवाद के विरुद्ध सक्रिय है। लेकिन आज विश्व पहले की तुलना में कहीं अधिक सतर्क है। आतंकवाद के विरुद्ध संघर्ष में अब केवल घोषणाएं पर्याप्त नहीं हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय यह देखता है कि आतंकवादी संगठनों की वित्तीय धमनियां कितनी प्रभावी ढंग से रोकी गईं, उनके प्रशिक्षण शिविरों और नेटवर्क पर क्या कार्रवाई हुई, आतंकी सरगनाओं को न्याय के कठघरे में कब लाया गया और आतंकवाद को संरक्षण देने वाली संरचनाओं को कितना ध्वस्त किया गया।

पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति भी उसके लिए एक बड़ी चुनौती है। विदेशी सहायता, ऋण और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं से मिलने वाली आर्थिक सहायता उसके लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऐसे में आतंकवाद के वित्तपोषण को लेकर अंतरराष्ट्रीय दबाव उसके आर्थिक हितों से सीधे जुड़ जाता है। यदि पाकिस्तान आतंकवाद पर प्रभावी कार्रवाई करने में विफल रहता है तो उस पर आर्थिक एवं वित्तीय प्रतिबंधों का दबाव बढ़ सकता है। इसलिए उसके द्वारा की जाने वाली प्रत्येक कार्रवाई को उसके आर्थिक और कूटनीतिक संदर्भ में भी परखना आवश्यक है।

भारत के लिए यह समय पाकिस्तान के किसी भी दावे से प्रभावित होने के बजाय तथ्यों, प्रमाणों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के आधार पर अपनी आतंकवाद विरोधी नीति को और सुदृढ़ करने का है। आतंकवाद किसी एक देश की समस्या नहीं है। यह वैश्विक शांति, लोकतांत्रिक संस्थाओं और मानव सभ्यता के लिए चुनौती है। इसलिए आतंकवाद को संरक्षण देने वाली किसी भी व्यवस्था के प्रति अंतरराष्ट्रीय समुदाय को शून्य-सहनशीलता की नीति अपनानी होगी।

मसूद अजहर पर इनाम की घोषणा यदि वास्तविक कार्रवाई की दिशा में पहला कदम है तो पाकिस्तान को उसे प्रमाणित करने में देर नहीं करनी चाहिए। उसे चाहिए कि वह मसूद अजहर की वास्तविक स्थिति स्पष्ट करे, यदि वह पाकिस्तान में है तो उसे गिरफ्तार करे, उसके नेटवर्क को ध्वस्त करे और उसके विरुद्ध पारदर्शी न्यायिक कार्रवाई सुनिश्चित करे। अन्यथा यह कार्रवाई भी पाकिस्तान की उन अनेक घोषणाओं की सूची में जुड़ जाएगी, जिनमें शब्द बहुत थे, लेकिन परिणाम नगण्य।

आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई में अब दुनिया को दावों की नहीं, कार्रवाई की भाषा चाहिए। पाकिस्तान यदि वास्तव में अपनी छवि बदलना चाहता है तो उसे नौटंकी से आगे बढ़कर प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे। क्योंकि आतंकवाद के सवाल पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय की स्मृति अब इतनी कमजोर नहीं रही कि पुरानी चालें नए आवरण में आसानी से सफल हो जाएं।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

हिमालयी पानी बम

नेपाल की प्रलयंकारी बाढ़ ने हिमालयी सीमा में बसे देशों की सरकारों को ग्लोबल वार्मिंग से निरंतर बनती हिमनद झीलों के भयावह खतरों के प्रति सचेत किया है। यह संकट एक देश की सीमाओं से परे पूरे हिमालयी क्षेत्रों में व्याप्त है। ऐसे में निगरानी तंत्र को मजबूत करने और इसके दायरे में आने वाले देशों, राज्यों और शहरों को समय रहते सूचना देने के लिए एक प्रभावी सिस्टम विकसित करने की सख्त जरूरत महसूस की जा रही है। साल 2013 में केदारनाथ त्रासदी से उपजी तबाही की तस्वीरें आज भी भारतीय जनमानस की स्मृतियों में ताजा हैं। पूर्वी हिमालय स्थित सिक्किम में भी चालीस हिमनद झीलों का पता चला है। चिंता की बात यह है कि इसमें से सोलह को अधिक जोखिम वाली श्रेणी में रखा गया है। इसी तरह हिमाचल प्रदेश में आईआईटी मंडी के एक अध्ययन में लगातार विस्तार ले रही नौ ग्लेशियर झीलों की पहचान की गई थी। कमोबेश उत्तराखंड में भी ऐसी ही स्थिति बनी हुई है जो जलवायु परिवर्तन के चलते तेजी से पिघलते ग्लेशियरों से उपजे संकट की ओर ध्यान खींचती हैं। आईआईटी के अध्ययन के जरिये तीन हजार पांच सौ मीटर से ज्यादा ऊंचाइयों पर दो हजार से अधिक झीलों का पता चला है। बताया जाता है कि ये झीलें तेजी से बन रही हैं और इनकी संख्या एक दशक पहले की तुलना में 710 अधिक हो गई है। इनका क्षेत्रफल भी लगातार बढ़ रहा है। यह वृद्धि 28 फीसदी बढ़ी बतायी जाती है, जिसके चलते कई रिहायशी इलाकों, शिक्षण संस्थाओं, स्वास्थ्य सुविधाओं और अनेक पुलों पर खतरा मंडरा रहा है। ग्लेशियर टूटने और चट्टानें खिसकने से ये झीलें कितना भयावह रूप ले सकती हैं, उसकी बानगी 26 अगस्त को नेपाल में हुई तबाही में नजर आई है। वहां आज भी हजारों लोग लापता हैं। चट्टानों, पानी, कीचड़ आदि का जो सैलाब घाटियों से गुजरा है, उसने बस्तियों और बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचाया है। पनबिजली परियोजनाओं की सुरंगों में फंसे लोगों की अभी भी तलाश जारी है। नेपाल हादसे ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है और बताया है कि ऊंचाई वाली जगहों में झील में बर्फ-चट्टानों के गिरने के बाद इन झीलों को रोकने वाले अवरोध टूटते हैं, जिससे नीचे वाले इलाकों में बेहद तीव्र गति से तबाही आ सकती है। दरअसल, लगातार गर्म होते हिमालय में ग्लेशियरों का पीछे हटना, झीलों का बढ़ना, भूस्खलन और अतिवृष्टि की घटनाएं आपस में मिलकर भयावह स्थिति पैदा करती हैं, जिसका मुकाबला सामान्य आपदा प्रबंधन के उपायों से नहीं किया जा सकता। निस्संदेह, लाखों लोगों का जीवन सुरक्षित करने के लिए ग्लेशियर झीलों के फटने का इंतजार नहीं किया जा सकता। जमीनी स्तर पर निगरानी के साथ ही उपग्रहों के जरिये भी इन झीलों पर नजर रखने की सख्त जरूरत है। रियल-टाइम अर्ली वॉर्निंग सिस्टम को मजबूत करने की आवश्यकता है। इसके अलावा निकासी रास्तों को चिन्हित करने की जरूरत भी है। नीचे नदियों के किनारे बसी बस्तियों व मैदानी इलाकों में बचाव के तौर-तरीकों का नियमित अभ्यास किया जाना चाहिए। इसके साथ ही पुलों, पनबिजली परियोजनाओं और अन्य बुनियादी ढांचों की जांच करके उन्हें अधिक सुरक्षित बनाने की भी जरूरत है। साथ ही इन से जुड़े संभावित खतरों का समय रहते मूल्यांकन किया जाना चाहिए। हिमालयी क्षेत्रों में विकास के नये मॉडल पर भी विचार करने की जरूरत है, जो हिमालयी क्षेत्रों की संवेदनशीलता के अनुरूप हो। इसके लिये जरूरी है कि हिमालयी क्षेत्रों में ऊंचाई वाले संवेदनशील इलाकों में पर्यटन, सड़क और निर्माण कार्यों में पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता दी जाए। निस्संदेह, जोखिम वाली घाटियों में जितना कम इंफ्रास्ट्रक्चर बनाया जाएगा, किसी प्राकृतिक आपदा में जनधन की हानि उतनी ही कम होगी।

चिंतन-मनन

कैंची काटती है, सुई जोड़ती है

कैंची काटती (तोड़ती) है और सुई जोड़ती है। यही कारण है कि तोड़ने वाली कैंची पैर के नीचे पड़ी रहती है और जोड़ने वाली सुई सिर पर स्थान पाती है। इसलिए मनुष्य का यही धर्म है कि इनसान को जोड़े न कि तोड़े। उन्होंने सास-बहू में एका होने का आह्वान भी किया। राष्ट्र संत तरुण सागर महाराज ने कई उदाहरणों के माध्यम से अपनी बातें रखीं। एक पिता अपने छोटे से पुत्र को विश्व का एक नक्शा देता है। फिर उसे टुकड़े-टुकड़े कर पुत्र को जोड़ने के लिए कहता है। पुत्र उस नक्शे को ज्यों का त्यों जोड़ देता है। अपने बेटे की प्रतिभा से आश्चर्यचकित पिता पूछता है कि बेटे तुमने यह असंभव कार्य कैसे कर लिया। बेटा कहता है कि पिताजी, नक्शा के पीछे इनसान बना हुआ था। मैंने इनसान को जोड़ा तो नक्शा भी ज्यों का त्यों जुड़ गया। मुनिश्री ने कहा कि इनसान को जोड़ने से पूरा विश्व एक हो सकता है। हे मानव 36 का आँकड़ा बहुत बना लिए, अब 63 का आँकड़ा बनाइए। बुजुर्गों के अनुभव का बखान करते हुए मुनिश्री ने कहा कि बुजुर्ग की एक-एक झुर्री पर एक-एक शास्त्र का ज्ञान लिखा होता है। बुजुर्ग की अवहेलना मत करिए। वे जो कह रहे हैं, उसे सुनो। उल्टा जवाब मत दो। जवाब दोगे तो घर का माहौल खराब हो जाएगा। झगड़ा, क्लेश व द्वेष फैलेगा। बुजुर्गों का सम्मान करना सीखो। आज जो बुजुर्गों के साथ करोगे, वहीं तुम्हारे साथ होगा।

विश्व ओजोन दिवस : पृथ्वी के सुरक्षा कवच का संरक्षण

सुनील कुमार महला

ओजोन परत नीले ग्रह यानी कि हमारी पृथ्वी के लिए एक प्राकृतिक सुरक्षा कवच है। यह वह परत है जो, सूर्य से आने वाली हानिकारक पराबैंगनी (यूवी) किरणों के बड़े हिस्से को अवशोषित कर उन्हें पृथ्वी की सतह तक सीधे पहुंचने से रोकती है। वास्तव में, विशेष रूप से यूवी-बी और यूवी-सी किरणों का अधिकांश भाग ओजोन परत द्वारा अवशोषित कर लिया जाता है। इससे मनुष्यों, पशु-पक्षियों, वनस्पतियों और समस्त जीव-जगत की रक्षा होती है। यदि ये किरणें अधिक मात्रा में पृथ्वी तक पहुंचें तो त्वचा कैंसर, आंखों को नुकसान, कोशिकाओं पर प्रतिकूल प्रभाव, फसलों को क्षति तथा समुद्री खाद्य श्रृंखला पर गंभीर असर पड़ सकता है। इसलिए ओजोन परत का संरक्षण पृथ्वी पर जीवन की सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है।

यहां पाठकों को बताता चलूं कि हर वर्ष 16 सितंबर को विश्व ओजोन दिवस मनाया जाता है। वर्ष 2026 की थीम है-ह्यशीतित ग्रह के लिए वैश्विक कार्रवाई : मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के किगाली संशोधन के तहत सतत शीतलन के 10 वर्ष पूरे होने का जश्नह्ण इस थीम का उद्देश्य ओजोन परत के संरक्षण के साथ-साथ पर्यावरण के अनुकूल और ऊर्जा-कुशल शीतलन तकनीकों को बढ़ावा देना है।

बहरहाल, यहां पाठकों को जानकारी देता चलूं कि मानव की अनियंत्रित और स्वार्थी गतिविधियों ने कभी जीवनदायिनी ओजोन परत को गंभीर संकट में डाल दिया था। दरअसल, 1980 के दशक में एयर कंडीशनर, रेफ्रिजरेटर और एरोसोल स्प्रे में बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होने वाले क्लोरोफ्लोरोकार्बन (सीएफसी) और हैलोन जैसी गैसें समताप मंडल (स्ट्रैटोस्फियर) में पहुंचकर ओजोन अणुओं को तेजी से नष्ट करने लगीं। इसके परिणामस्वरूप, अंटार्कटिका के ऊपर एक विशाल ह्यओजोन छिद्रह्ण विकसित हुआ। समय रहते कदम नहीं उठाए जाते तो सूर्य की हानिकारक पराबैंगनी (यूवी-बी) किरणों का बढ़ा हुआ प्रभाव त्वचा कैंसर, मोतियाबिंद, फसलों को नुकसान और समुद्री खाद्य श्रृंखला के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकता था।

ओजोन परत को नुकसान पहुंचाने वाले प्रमुख रसायनों में क्लोरोफ्लोरोकार्बन (सीएफसी), हैलोन, कार्बन टेट्राक्लोराइड और मिथाइल क्लोरोफॉर्म आदि शामिल हैं। इनका उपयोग पहले रेफ्रिजरेटर, एयर कंडीशनर, अग्निशामक यंत्र और एरोसोल जैसे उत्पादों में होता था। इन रसायनों को नियंत्रित करने के लिए वर्ष 1987 में मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल अपनाया गया, जिसे पर्यावरण संरक्षण की दिशा में दुनिया के सबसे सफल अंतरराष्ट्रीय समझौतों में माना जाता है। सरल शब्दों में कहें तो मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल का मुख्य उद्देश्य ओजोन परत को नुकसान पहुंचाने वाले रसायनों, जैसे क्लोरोफ्लोरोकार्बन (सीएफसीज), के उत्पादन और उपयोग को चरणबद्ध तरीके से कम करना और समाप्त करना है।भारत भी मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के कार्यान्वयन में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। फिर भी ओजोन परत की सुरक्षा के लिए निरंतर प्रयास जरूरी हैं। यह केवल पर्यावरण का विषय नहीं, बल्कि मानव स्वास्थ्य और पृथ्वी पर जीवन की सुरक्षा से जुड़ा प्रश्न है। इसलिए पर्यावरण के अनुकूल शीतलन तकनीकों को अपनाना और ओजोन-क्षयकारी पदार्थों के उपयोग को कम करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।इसके बाद, वर्ष 2016 में किगाली संशोधन अपनाया गया, जिसके तहत हाइड्रोफ्लोरोकार्बन (एचएफसी) के उपयोग को धीरे-धीरे कम करने का लक्ष्य रखा गया। उल्लेखनीय है कि मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के कड़े अनुपालन से ओजोन-क्षयकारी गैसों के वैश्विक उत्सर्जन में लगभग 99 प्रतिशत तक की कमी आई है। इसके सकारात्मक परिणाम अब आंकड़ों में भी दिखाई दे रहे हैं। नासा और विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) के वैज्ञानिक आकलनों के अनुसार, अंटार्कटिक ओजोन छिद्र का अधिकतम आकार अब लगभग 22.8 मिलियन वर्ग किलोमीटर के दायरे में रह गया है, जो वर्ष 2000 के 28.4 मिलियन वर्ग किलोमीटर के रिकॉर्ड स्तर से काफी कम है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यदि मौजूदा नियमों का सख्ती से पालन जारी रहा तो दुनिया के अधिकांश हिस्सों में ओजोन परत 2040 तक, आर्कटिक में 2045 तक और अंटार्कटिका के ऊपर 2066 तक वर्ष 1980 के ऐतिहासिक स्तर पर लौट सकती है।हालांकि, पर्यावरण को लेकर पूरी तरह निश्चिंत होने का समय अभी नहीं आया है। जंगलों की भीषण आग, अनियंत्रित रॉकेट प्रक्षेपण, अप्रतिबंधित औद्योगिक रसायनों, जैसे डाइक्लोरोमीथेन, और लगातार बढ़ता कार्बन उत्सर्जन नई चुनौतियां पैदा कर रहे हैं। जंगलों की आग से उठने वाला रासायनिक धुआं तथा अंतरिक्ष मलबे के ऊपरी वायुमंडल में जलने से उत्पन्न एरोसोल ओजोन की रिकवरी की गति को प्रभावित कर सकते हैं। इसके अलावा, तेजी से बढ़ते अंतरिक्ष अभियानों, रॉकेट प्रक्षेपणों और समताप मंडल में उड़ने वाले विमानों से निकलने वाले ब्लैक कार्बन और कालिख को लेकर भी गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है।

मानसिक स्वास्थ्य की पहली चौखट बनता एआई

डॉ. प्रियंका सौरभ

म सुलभता बढ़ाने की क्षमता के साथ गोपनीयता, गलत सलाह और मानवीय संवेदना की चुनौती...

मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी परेशानियों के बीच अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आधारित चैटबॉट लोगों के लिए तेजी से संपर्क का पहला माध्यम बनते जा रहे हैं। अकेलापन, चिंता, तनाव, अवसाद, रिश्तों की उलझन या भावनात्मक संकट के क्षणों में कई लोग पहले किसी चिकित्सक के पास जाने के बजाय एआई से बातचीत करना पसंद कर रहे हैं। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में, जहां मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच अभी भी असमान है, एआई तकनीक एक नई संभावना प्रस्तुत करती है। हालांकि, यह समझना आवश्यक है कि एआई मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करने का माध्यम हो सकता है, उनका विकल्प नहीं।

भारत में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की सबसे बड़ी चुनौतियों में प्रशिक्षित विशेषज्ञों की सीमित उपलब्धता, ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में सेवाओं का अभाव, उपचार की लागत तथा मानसिक बीमारी से जुड़ा सामाजिक कलंक शामिल हैं। ऐसे वातावरण में एआई की चौबीसों घंटे उपलब्धता महत्वपूर्ण अवसर पैदा करती है। व्यक्ति जब चाहे अपनी समस्या साझा कर सकता है और प्रारंभिक स्तर पर जानकारी, भावनात्मक सहारा तथा स्व-सहायता संबंधी सुझाव प्राप्त कर सकता है। एआई आधारित डिजिटल मानसिक स्वास्थ्य प्लेटफॉर्म इस दिशा में उपयोगी भूमिका निभा सकते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं के प्रति सामाजिक झिझक भी एआई के उपयोग को बढ़ावा दे सकती है। अनेक लोग परिवार, मित्र या चिकित्सक के सामने अपनी भावनाएं व्यक्त करने में संकोच करते हैं। अपेक्षाकृत गुमनाम डिजिटल बातचीत उन्हें अपनी चिंता, डर और परेशानियों को शब्द देने का अवसर देती है। इस प्रकार चैटबॉट मानसिक स्वास्थ्य संबंधी संवाद की पहली सीढ़ी बन सकते हैं और व्यक्ति को आवश्यकता होने पर आगे पेशेवर सहायता लेने के लिए प्रेरित कर सकते हैं।

एआई का एक महत्वपूर्ण लाभ शुरूआती स्क्रीनिंग में भी है। व्यक्ति के संवाद, व्यवहार और कुछ डिजिटल संकेतों का विश्लेषण करके एआई संभावित चिंता, अवसाद या अन्य मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों की पहचान में सहायता कर सकता है। हालांकि ऐसी स्क्रीनिंग को अंतिम चिकित्सकीय निदान नहीं माना जाना चाहिए। इसका उद्देश्य केवल संभावित जोखिम को पहचानकर व्यक्ति को उचित विशेषज्ञ तक पहुंचाने में सहायता करना होना चाहिए।

भारत की भाषाई विविधता को देखते हुए बहुभाषी एआई तकनीक भी विशेष महत्व रखती है। यदि मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जानकारी और प्रारंभिक सहायता केवल अंग्रेजी या कुछ सीमित भाषाओं तक रहेगी, तो बड़ी आबादी इससे बाहर रह जाएगी। भाषा-तकनीक और भारतीय भाषाओं के लिए विकसित डिजिटल प्रणालियां इस अंतर को कम कर सकती हैं। भविष्य में ऐसी सेवाओं को टेली-मानस जैसी सरकारी मानसिक स्वास्थ्य पहलों के साथ जोड़कर दूरदराज के क्षेत्रों तक प्रारंभिक सहायता पहुंचाई जा सकती है।

व्यक्तिगत सहायता भी एआई की एक उपयोगी विशेषता हो सकती है। दवा लेने की याद दिलाना, नींद और दिनचर्या पर ध्यान देने के लिए प्रेरित करना, तनाव कम करने के अभ्यास सुझाना या संज्ञानात्मक व्यवहार चिकित्सा आधारित संरचित स्व-सहायता गतिविधियों में मार्गदर्शन देना कुछ ऐसे क्षेत्र हैं, जहां एआई सहयोगी भूमिका निभा सकता है। चिकित्सकों के लिए भी एआई मरीजों की नियमित निगरानी, जोखिम वाले मामलों की पहचान और प्राथमिकता तय करने में सहायक हो सकता है। इससे सीमित मानव संसाधनों का अधिक प्रभावी उपयोग संभव हो सकता है।

लेकिन अवसरों के साथ जोखिम भी गंभीर हैं। भावनात्मक संकट में व्यक्ति अत्यधिक संवेदनशील स्थिति में होता है। यदि एआई गलत, अधूरी या संदर्भहीन जानकारी देता है तो वह व्यक्ति की समस्या को और बढ़ा सकता है। किसी नकारात्मक या भ्रमपूर्ण धारणा को चुनौती देने के बजाय चैटबॉट अनजाने में उसे मजबूत कर दे, तो परिणाम गंभीर हो सकते हैं। यही कारण है कि मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े एआई सिस्टम में सामान्य सूचना देने वाले चैटबॉट और चिकित्सकीय सहायता देने वाले प्रमाणित उपकरणों के बीच स्पष्ट अंतर होना चाहिए।

सबसे बड़ा खतरा तब पैदा होता है जब व्यक्ति एआई को वास्तविक चिकित्सक का विकल्प समझने लगता है। लगातार बातचीत के कारण भावनात्मक निर्भरता भी विकसित हो सकती है। व्यक्ति यह मान सकता है कि मशीन उसकी भावनाओं को पूरी तरह समझती है, जबकि एआई के पास मानवीय अनुभव, नैतिक निर्णय, नैदानिक विवेक और वास्तविक सामाजिक संदर्भ को समझने की सीमाएं हैं।

आत्महत्या या आत्महानि जैसे संकटपूर्ण मामलों में यह सीमा और अधिक गंभीर हो जाती है। व्यक्ति हमेशा सीधे शब्दों में अपनी स्थिति व्यक्त नहीं करता। उसके संकेत अप्रत्यक्ष, अस्पष्ट या सांस्कृतिक संदर्भों में छिपे हो सकते हैं। यदि एआई ऐसी चेतावनियों को पहचानने में विफल रहता है या समय पर मानवीय सहायता से नहीं जोड़ता, तो नुकसान की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए उच्च जोखिम वाले मामलों में चैटबॉट को बातचीत जारी रखने के बजाय प्रशिक्षित व्यक्ति, हेल्पलाइन या आपातकालीन सेवा की ओर तत्काल मार्गदर्शन करने में सक्षम होना चाहिए।

गोपनीयता भी एक बड़ी चिंता है। मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी बातचीत अत्यंत निजी होती है। व्यक्ति अपनी भावनाएं, पारिवारिक परिस्थितियां, संबंध, भय और व्यक्तिगत अनुभव डिजिटल प्रणाली के साथ साझा कर सकता है। ऐसे संवेदनशील डेटा का संग्रह, भंडारण, उपयोग और साझा किया जाना स्पष्ट नियमों तथा मजबूत डेटा सुरक्षा के अधीन होना चाहिए। भारत में डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण संबंधी व्यवस्था के संदर्भ में मानसिक स्वास्थ्य डेटा के लिए विशेष सावधानी आवश्यक है।

इसके अतिरिक्त, एआई में मौजूद एल्गोरिद्मिक पक्षपात भी चिंता का विषय है। भारत की भाषाई, सांस्कृतिक, लैंगिक और सामाजिक विविधता इतनी व्यापक है कि एक ही मॉडल सभी समुदायों की मानसिक स्वास्थ्य जरूरतों को समान रूप से नहीं समझ सकता। किसी एक भाषा, वर्ग या सांस्कृतिक संदर्भ पर आधारित प्रशिक्षण से तैयार प्रणाली दूसरे समुदाय के लिए अनुपयुक्त सलाह दे सकती है।

इसलिए आगे का रास्ता एआई को रोकना नहीं, बल्कि उसे जिम्मेदारी के साथ विकसित करना है। मानसिक स्वास्थ्य संबंधी एआई प्रणालियों के लिए स्वतंत्र नैदानिक परीक्षण, नियमित सुरक्षा ऑडिट, स्पष्ट जवाबदेही और संकट-स्थिति में मानव विशेषज्ञ तक पहुंचाने के अनिवार्य प्रोटोकॉल होने चाहिए। उच्च जोखिम वाले मामलों में मानव हस्तक्षेप को वैकल्पिक नहीं, बल्कि अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। साथ ही, डिजाइन के स्तर पर ही गोपनीयता, डेटा न्यूनतमकरण और सुरक्षित उपयोग को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

भारत में एआई मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की पहली चौखट को व्यापक बना सकता है। वह उस व्यक्ति तक पहुंच सकता है जो दूरी, खर्च, भाषा या सामाजिक कलंक के कारण चिकित्सक तक नहीं पहुंच पा रहा। लेकिन पहली चौखट और अंतिम मंजिल में अंतर है। मानसिक स्वास्थ्य केवल सूचना या बातचीत का विषय नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना, नैदानिक समझ और निरंतर देखभाल का क्षेत्र है। इसलिए भविष्य की सही दिशा 'एआई बनाम चिकित्सक' नहीं, बल्कि 'एआई के साथ चिकित्सक' होनी चाहिए। तकनीक पहुंच का विस्तार करे, प्रारंभिक संकेत पहचाने और सहायता की राह आसान बनाए; अंतिम निर्णय और देखभाल में प्रशिक्षित मानव विशेषज्ञ केंद्र में रहें। यही संतुलन भारत में सुरक्षित, सुलभ और मानवीय मानसिक स्वास्थ्य व्यवस्था की आधारशिला बन सकता है।

(डॉ. प्रियंका सौरभ, पीएचडी (राजनीति विज्ञान), कवयित्री एवं सामाजिक चिंतक हैं।)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

एक देश, दो हिस्से और तीन दशक की हिंसा: ट्रंप ने फिर क्यों उठाया आयरलैंड को एक करने का मुद्दा विवाद की कहानी

दूनबेग, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आयरलैंड की अपनी यात्रा के दौरान एक ऐसे मुद्दे पर खुलकर राय रख दी, जिस पर ब्रिटेन और आयरलैंड के बीच लंबे समय से गहरी राजनीतिक और भावनात्मक खाई रही है। ट्रंप ने कहा कि वह आयरलैंड को एक होते देखना चाहते हैं। रविवार को आयरलैंड के डूनबेग में अपने गोल्फ कोर्स पर आयरिश ओपन के दौरान उन्होंने अपनी बात दोहराते हुए कहा कि आयरलैंड और उत्तरी आयरलैंड को एक साथ कर देना दुनिया की सबसे स्वाभाविक चीजों में से एक है। एक दिन पहले उन्होंने एकीकृत आयरलैंड को 'शानदार' बताया था। डोनाल्ड ट्रंप का कहना था कि उनके लिए यह कोई असामान्य बात नहीं है कि आयरलैंड और उत्तरी आयरलैंड एक हो जाएं। हालांकि उन्होंने रविवार को यह भी कहा कि यह केवल उनकी राय है और उन्हें इस विचार के लिए काफी समर्थन मिला है। समस्या यह है कि उत्तरी आयरलैंड का ब्रिटेन में रहना या आयरलैंड के साथ जुड़ना केवल दो इलाकों को मिलाने का मामला नहीं है। इसके पीछे करीब एक सदी का इतिहास, दो अलग समुदायों की पहचान और कई दशकों की हिंसा जुड़ी हुई है।

चीन में शहर-शहर बारिश का कहर: हैनान प्रांत से 31 हजार से ज्यादा लोगों का रेस्क्यू; अभी कैसे हैं हालात

बीजिंग, एजेंसी। चीन के हैनान प्रांत में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण जोखिम वाले इलाकों से 31 हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। प्रांतीय आपदा रोकथाम और राहत समिति के मुताबिक, रविवार शाम 7:50 बजे तक कुल 31,564 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। हालांकि, अब तक किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं है। शुक्रवार सुबह आठ बजे से रविवार शाम चार बजे तक हैनान के छह शहरों और जिलों के 24 टाउनशिप में 300 मिलीमीटर से ज्यादा बारिश दर्ज की गई। इनमें वानिंग, लिंगशुई और क्योंन्गहाई भी शामिल हैं। वानिंग के चांगफेंग टाउनशिप में सबसे ज्यादा 452.1 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने रविवार शाम से सोमवार तक और बारिश होने का पूर्वानुमान जताया है। भारी बारिश और बाढ़ के खतरे को देखते हुए हैनान ने रविवार सुबह 11 बजे बाढ़ नियंत्रण के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया को बढ़ाकर लेवल-2 कर दिया। इसके बाद रविवार शाम 7 बजे वानिंग ने लेवल-1 आपातकालीन प्रतिक्रिया लागू कर दी।

सिंगापुर में भारतवंशी सीईओ की याचिका खारिज, पूर्व प्रेमिका से वसूलने थे 3.5 करोड़ रुपये

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर की एक अदालत ने भारतीय मूल के एक सीईओ को अपनी पूर्व प्रेमिका पर खर्च किए गए करीब 3.5 करोड़ रुपये से अधिक की राशि वसूलने की याचिका खारिज कर दी। अदालत ने कहा, अधिकांश राशि उसने अपनी पूर्व प्रेमिका को उपहार के तौर पर दी थी। मुंबई में सूचीबद्ध एक कंपनी के सीईओ चंदर अग्रवाल ने अपनी पूर्व प्रेमिका पर मुकदमा दायर कर उसके ऊपर खर्च की गई विभिन्न रकम वापस मांगी थी। अग्रवाल का दावा था कि यह राशि ऋण के तौर पर दी गई थी और उसे वापस किया जाना था। इन खर्चों में विदेश यात्राओं, उसके फ्लैट के लिए फेंगशुई विशेषज्ञ की सेवाएं और स्टैनफोर्ड-एनयूएस के कार्यकारी कार्यक्रम की फीस शामिल थी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, दोनों की मुलाकात 2019 में एक उड़ान के दौरान हुई थी। इसके बाद अग्रवाल ने सोशल मीडिया के जरिए उससे संपर्क किया।

2028 के चुनाव को लेकर ट्रंप ने क्या बयान दिया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति ट्रंप का दूसरा कार्यकाल लगातार चर्चा में है। कभी उनकी टीम के अधिकारियों के इस्तीफे पर चर्चा होती है तो कभी देश की राजनीति में नंबर दो माने जाने वाले उपराष्ट्रपति को लेकर अटकलें लगती हैं। ताजा घटनाक्रम में ट्रंप ने 2028 में अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने मौजूदा अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का समर्थन करने से जुड़े सवाल को लेकर कहा, अभी बहुत जल्दी है। वह बहुत बढ़िया शख्स हैं... हमारे पास बहुत सारे अच्छे विकल्प हैं... वे सभी बहुत अच्छे हैं।' भारतवंशी महिला उषा से शादी करने वाले अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तुलना में थोड़े नरम तेवरों के लिए जाने जाते हैं। इसकी मिसाल उस समय दिखी थी, जब पश्चिम एशिया में तनाव के बीच ईरान ने ट्रंप के दामाद कुशनर और एक अन्य वार्ताकार विटकॉफ की जगह बातचीत के लिए वेंस को पहली पसंद बताया था।

ए-380 की विदाई शुरू: कभी आसमान का 'बादशाह' था सुपरजंबो, अब क्यों सिमट रहा इसका सफर

मेलबर्न, एजेंसी। दुनिया के सबसे बड़े यात्री विमानों में शामिल एयरबस ए-380 के सफर का अंतिम दौर शुरू हो गया है। ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय एयरलाइन क्वांटस ने अपने 10 ए-380 विमानों को 2028 से चरणबद्ध तरीके से बेड़े से बाहर करने का फैसला किया है। कंपनी ने पहले इन्हें 2032 तक उड़ाने की योजना बनाई थी, लेकिन बढ़ती ईंधन और रखरखाव लागत के साथ विमान के पुराने होते बेड़े और स्पेयर पार्ट्स की आपूर्ति को लेकर बढ़ती चिंताओं ने समयसीमा को चार साल पहले कर दिया। ए-380 का वैश्विक बेड़ा भी अपने शिखर से काफी नीचे आ चुका है। विमानन विश्लेषण कंपनी सिरियम के आंकड़ों के अनुसार 2010 के दशक के अंत में दुनिया में 230 से ज्यादा ए-380 विमान सेवा में थे। अब इनकी संख्या करीब 171 रह गई है। एयरबस ने 2021 में इस विमान का उत्पादन बंद कर दिया था, क्योंकि नए ऑर्डर लगभग खत्म हो गए थे।लेकिन ए-380 की कहानी इतनी सीधी नहीं है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, कोविड महामारी के दौरान तो इसे लगभग खत्म मान लिया गया था। जब दुनिया भर में विमान खड़े थे और एयरलाइंस छोटे तथा ज्यादा ईंधन-कुशल विमानों की ओर बढ़ने की तैयारी कर रही थीं, तब लगा कि दो मंजिला यह विशाल विमान शायद दोबारा कभी नियमित सेवा में नहीं लौटेगा। मगर विमानन उद्योग की

रिकवरी और नए विमानों की डिलीवरी में देरी ने ए-380 को एक और मौका दे दिया। एयरबस और बोइंग के नए विमानों की उत्पादन संबंधी समस्याओं, खासकर बोइंग 777एक्स की लंबी देरी के बीच कई एयरलाइंस ने अपने ए-380 फिर से उड़ाने शुरू कर दिए।

दो मंजिलों वाला विमान, जो खुद में एक अनुभव था : ए-380 की सबसे बड़ी खासियत उसका आकार है। यह दुनिया का सबसे बड़ा यात्री विमान है और इसकी पूरी लंबाई में दो डेक यात्रियों के लिए इस्तेमाल किए जा सकते हैं। सामान्य कॉन्फिगरेशन में इसमें 500 से ज्यादा यात्री बैठ सकते हैं, जबकि अधिक घनी सीटिंग में क्षमता 800 से ज्यादा यात्रियों तक पहुंच सकती है।इसका विशाल आकार सिर्फ दिखावे के लिए नहीं था। चौड़े केबिन और दो डेक की वजह से इसमें यात्रियों को दूसरे बड़े विमानों की तुलना में ज्यादा खुलापन महसूस होता है। उड़ान के दौरान इसकी स्थिरता और अपेक्षाकृत कम शोर भी यात्रियों को आकर्षित करता है। ए-380 पर यात्रा करने वाले कई यात्रियों के लिए ऊपरी डेक पर चढ़ना ही अपने आप में एक अलग अनुभव है।तकनीकी रूप से भी यह विमान अपने समय से आगे था। इसकी अधिकतम रेंज करीब 15,200 किलोमीटर है और परिस्थितियों तथा रूट के आधार पर यह लगभग 16-17 घंटे तक की लंबी उड़ान भर सकता है। यानी यह बिना ईंधन भरे दुनिया के कई हिस्सों को जोड़ सकता है।हालांकि इसकी वास्तविक उड़ान अवधि हमेशा इतनी नहीं होती। हवा की दिशा, विमान का वजन, यात्री संख्या और रूट के कारण इसमें काफी अंतर आता है। उदाहरण के तौर पर एमिरेट्स और दूसरी एयरलाइंस ने ए-380 को हजारों किलोमीटर लंबे अंतरमहाद्वीपीय रूटों पर नियमित रूप से इस्तेमाल किया है। दूसरी ओर, कभी- कभी यही विमान अपेक्षाकृत छोटी उड़ानों पर भी लगाया गया, खासकर ऐसे व्यस्त रूटों पर जहां बड़ी यात्री क्षमता की जरूरत थी।यही इसकी खूबी और कमजोरी दोनों थी क्योंकि इतने बड़े विमान को लाभदायक बनाने के लिए बड़ी संख्या में यात्रियों की जरूरत होती है।

आसमान में चलता-फिरता लग्जरी अनुभव : ए-380 ने विमान यात्रा में लग्जरी की नई तस्वीर भी बनाई। हालांकि इसकी सभी आलीशान सुविधाएं विमान की तकनीकी विशेषताएं नहीं थीं, एयरलाइंस ने इसके विशाल केबिन का इस्तेमाल अलग- अलग तरह से किया। एमिरेट्स ने अपने ए-380 में ऑनबोर्ड शॉवर और बार जैसी सुविधाओं को लोकप्रिय बनाया। एतिहाद ने इसी विमान में 'द रेजिडेंस' जैसी बेहद महंगी निजी सुविधा पेश की, जिसमें निजी कमरा, बेडरूम और अलग रहने की जगह जैसी सुविधाएं थीं। सिंगापुर एयरलाइंस ने अपने ए-380 के फर्स्ट क्लास में डबल-बेड वाले सुइट तक उपलब्ध कराए।यानी ए-380 सिर्फ यात्रियों को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने वाला विमान नहीं था। यह एयरलाइंस के लिए ब्रांड, प्रतिष्ठा और लग्जरी का प्रदर्शन भी बन गया था। समस्या यह है कि विमानन कंपनियां अब सिर्फ प्रतिष्ठा नहीं, मुनाफा देखती हैं। ए-380 को भरपूर यात्रियों के साथ उड़ाना जरूरी है, जबकि नई पीढ़ी के छोटे विमान कम सीटों के साथ भी लंबी दूरी तय कर सकते हैं।नए ट्विन-इंजन विमान अपेक्षाकृत कम ईंधन खर्च करते हैं। उन्हें ऐसे रूटों पर भी चलाया जा सकता है जहां ए-380 जैसी भारी क्षमता की जरूरत नहीं होती।

मानवता के लिए बढ़ा खतरा: एआई बनाने वाली कंपनियां चेता रहीं, पर सरकारें बेफिक्र

फ्रांसिस्को/वॉशिंगटन, एजेंसी। एंथ्रोपिक के शोधकर्ता जैकब कॉक्सन ने इसी हफ्ते एआई के लगातार बढ़ते खतरों का हवाला देते हुए कंपनी से इस्तीफा दे दिया। कॉक्सन का कहना है कि एआई एक बेहद घातक तकनीक है जो पूरी मानवता को खत्म कर सकती है। इसके साथ ही, शीर्ष टेक कंपनियों के भीतर एक बड़ी बहस छिड़ गई है। एंथ्रोपिक, ओपनएआई, मेटा और गूगल जैसी कंपनियां एआई के खतरों को लेकर आगाह भी करने लगी हैं। हालांकि, सरकारें ज्यादा गंभीर नजर नहीं आ रही।

दुनियाभर में एआई के सामाजिक, आर्थिक और सुरक्षा जोखिमों को घटाने के लिए नियम तो बनाए जा रहे हैं। लेकिन सरकारें इसके आर्थिक लाभों को भुनाने में पीछे नहीं रहना चाहतीं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तो रविवार को यहां तक कह दिया कि उनका देश एआई के क्षेत्र में चीन से आगे है और वह इस बढ़त को बनाए रखना चाहते हैं। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और सरकारी एजेंसियों की ओर से सख्त नियम-कायदे बनाने की मांग जोर पकड़ती जा रही है। ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने हाल में अपने कर्मचारियों की एक बैठक में कहा कि वह अन्य प्रतिद्वंद्वी कंपनियों के साथ मिलकर एआई के विकास की गति धीमी करने को तैयार है। जब तक सुरक्षा मानक तय नहीं हो जाते, तब तक खुद रफ्तार धीमी करने को एलन मस्क का भी का समर्थन मिला है। एआई ताकतवर है या हमारा सोचने का तरीका गलत क्या वाकई एआई ताकतवर होता जा रहा है या फिर इंसान के दिमाग की बनावट और सोचने का तरीका इसकी वजह है। इंसान को अनजान और नई चीजों का ज्यादा डर हमारा दिमाग खतरों का अंदाजा आंकड़ों से नहीं, नियंत्रण के अहसास से लगाता है। लोग यह नहीं समझते कि एआई अंदर से कैसे काम करता है। नियंत्रण खोने के अहसास की वजह से लोगों में एआई का खौफ ज्यादा है। सड़क हादसों में रोज हजारों लोग मरते हैं, फिर भी हम कार चलाने से नहीं डरते। लेकिन हवाई जहाज के क्रैश होने का डर ज्यादा लगता है क्योंकि वहां हमारा कोई नियंत्रण नहीं होता।

अदृश्य खतरे तो पहले से ही मौजूद : वैज्ञानिकों का कहना है, दुनिया खत्म होने के वास्तविक गणित में एआई का डर अभी काफी पीछे है। लैब से किसी खतरनाक वायरस का लीक होना या प्राकृतिक महामारी फैलना (3% संभावना) एआई के बेकाबू होने से कहीं अधिक बड़ा और तात्कालिक खतरा है। एआई से दुनिया खत्म होने के डर को टेक कंपनियों और कुछ लोगों की तरफ से बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने की संभावना से भी इन्कार नहीं किया जा सकता। जब लोग साइंस-फिक्शन फिल्मों की तरह एआई को एक खलनायक मान लेते हैं, तो एआई की असरदार और वास्तविक समस्याओं (जैसे साइबर फ्रॉड, डीपफेक, फर्जी जानकारी और नौकरियों पर असर) से ध्यान भटक जाता है।

ड्रैगन के बदले सुर: पीएम मोदी-जिनपिंग मुलाकात के बाद भरोसा बहाली की बात

बीजिंग, एजेंसी। नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात और ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के बाद चीन के संकेत बताते हैं कि बीजिंग भारत के साथ संबंधों को धीरे-धीरे सामान्य और स्थिर करने की दिशा में आगे बढ़ना चाहता है। चीनी सरकारी मीडिया ग्लोबल टाइम्स के विश्लेषण में सीमा पर तनाव नियंत्रित रखने, आर्थिक संपर्क बढ़ाने और बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग को रिश्तों को मजबूत करने के प्रमुख रास्तों के रूप में रेखांकित किया गया है। पेकिंग विश्वविद्यालय के दक्षिण एशिया अध्ययन केंद्र के कार्यकारी उपनिदेशक वांग श्यू के मुताबिक राजनीतिक भरोसा केवल शीर्ष नेताओं की मुलाकात से नहीं, बल्कि ठोस कदमों से बनता है। उन्होंने सीमा मुद्दे के प्रबंधन के लिए संस्थागत तंत्र मजबूत करने, लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने तथा व्यापार और निवेश को सुरक्षा के नजरिये से देखने से बचने की जरूरत बताई। भारत और चीन के बीच सबसे संवेदनशील मुद्दा सीमा विवाद है। 2024 में कजान और 2025 में तियानजिन के बाद नई दिल्ली में मोदी-जिनपिंग मुलाकात को चीन संबंधों में स्थिरता की अगली कड़ी के तौर पर देख रहा है। सीमा प्रबंधन में प्रगति, सीमा व्यापार और सीधी उड़ानों की बहाली को इसी प्रक्रिया के सकारात्मक संकेतों के रूप में पेश किया गया है।बीजिंग का जोर फिलहाल सीमा विवाद के तत्काल समाधान से ज्यादा उसे प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने पर दिखाई देता है, ताकि सीमा का तनाव व्यापार, निवेश और लोगों के बीच संपर्क को प्रभावित न करे। चीनी विशेषज्ञों के अनुसार संस्थागत संवाद मजबूत होने से गलतफहमी और अप्रत्याशित तनाव का जोखिम कम किया जा सकता है। इससे दोनों देशों के लिए दूसरे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की गुंजाइश बनेगी। आर्थिक रिश्तों को गति देना चीन के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्र हो सकता है। ग्लोबल टाइम्स से बातचीत में भारतीय थिंक टैंक ब्यूरो ऑफ रिसर्च ऑन इंडस्ट्री एंड इकोनॉमिक फंडामेंटल्स के सीईओ मोहम्मद साकिब ने कहा कि चीन भारत के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में है और दोनों देशों के बीच सहयोग की काफी संभावनाएं हैं।

राष्ट्रपति चुनाव 2028: जेडी वेंस के समर्थन पर ट्रंप का सस्पेंस बरकरार; बोले- कई बेहतरीन लोगों का विकल्प खुला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2028 के राष्ट्रपति चुनाव के लिए उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के समर्थन के सवाल पर फिलहाल कोई स्पष्ट घोषणा नहीं की है। उन्होंने कहा कि किसी उम्मीदवार का समर्थन करने के लिए अभी काफी समय है। हालांकि, ट्रंप ने वेंस की जमकर तारीफ की और उन्हें शानदार बताया। आयरलैंड के शैनन में एयर फोर्स वन में सवार होने से पहले पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप से पूछा गया कि क्या वह 2028 के चुनाव के लिए वेंस का समर्थन करने को तैयार हैं। इस पर उन्होंने कहा कि अभी ऐसा करना जल्दबाजी होगी। ट्रंप ने कहा कि उनके पास कई शानदार लोग हैं और पार्टी के पास विकल्पों की कोई कमी नहीं है।

ट्रंप ने वेंस की तारीफ की : ट्रंप से जब पूछा गया कि वेंस के मुकाबले कौन सबसे मजबूत उम्मीदवार हो सकता है, तो उन्होंने किसी एक नाम का चुनाव करने से इनकार किया। उन्होंने कहा कि सभी अच्छे हैं और जेडी वेंस शानदार हैं। ट्रंप ने यह भी कहा कि वेंस ने बहुत अच्छा काम किया है। इस बयान से साफ है कि ट्रंप फिलहाल 2028 के लिए अपने उत्तराधिकारी के नाम पर सार्वजनिक रूप से कोई अंतिम रुख नहीं अपनाना चाहते। हालांकि, वेंस को लेकर उनकी सकारात्मक टिप्पणियां लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। पहले निजी बैठक में वेंस के समर्थन के संकेत दे चुके हैं ट्रंप इससे पहले अगस्त में द वॉशिंगटन पोस्ट की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि ट्रंप ने ओवल ऑफिस में दानदाताओं के साथ एक निजी बैठक के दौरान वेंस की संभावित उम्मीदवारी को लेकर अधिक स्पष्ट रुख दिखाया था। रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने वहां कहा था कि अंततः जेडी वेंस को निर्वाचित कराना होगा।

हालांकि, उस समय ट्रंप के सलाहकारों ने संकेत दिया था कि राष्ट्रपति ने अभी अपने उत्तराधिकारी को लेकर अंतिम फैसला नहीं किया है। ट्रंप जेडी वेंस के साथ विदेश मंत्री मार्को रुबियो की संभावनाओं पर भी विचार कर रहे थे। वेंस और रुबियो को लेकर पार्टी में चर्चा रिपोर्ट के मुताबिक, उस दौरान ट्रंप अपने सहयोगियों से वेंस और रुबियो की तुलना को लेकर लगातार सवाल करते रहे थे। यहां तक कि मरीन वन में यात्रा के दौरान उन्होंने स्टाफ से दोनों नेताओं को लेकर अनौपचारिक राय भी ली थी। अगस्त में ट्रंप के एक करीबी सलाहकार ने दावा किया था कि राष्ट्रपति निजी तौर पर यह मान चुके हैं कि वेंस [illegible] आंदोलन की कमान संभालेंगे। हालांकि, रिपब्लिकन पार्टी से जुड़े कई लोगों ने इन अटकलों को अभी जल्दबाजी बताया था। उनका कहना था कि ट्रंप अलग-अलग राय पर विचार करते रहते हैं और उत्तराधिकारी को लेकर तस्वीर आगामी कांग्रेस मध्यावधि चुनाव के नतीजों के बाद ज्यादा स्पष्ट हो सकती है। रिपब्लिकन पार्टी के भीतर 2028 को लेकर संभावित उम्मीदवारों के समर्थन में दानदाता और कार्यकर्ता अलग-अलग खेमों में बंटने लगे हैं। वहीं, जेडी वेंस ने भी अपनी राजनीतिक समयसीमा को खुला रखा है।

बोल्सोनारो की बायोपिक पर आपराधिक फंडिंग का शक: बेटे फ्लावियो की बढ़ी मुश्किलें, क्या है पूरा मामला

रियो डी जनेरियो, एजेंसी। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो पर बन रही फिल्म 'डार्क हॉर्स' की फंडिंग सवालों के घेरे में है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस फ्लावियो डिनो ने रविवार को फिल्म से जुड़ी जांच को सार्वजनिक कर दिया। उन्होंने कहा कि फिल्म की फंडिंग के तार एक आपराधिक नेटवर्क से जुड़े होने की आशंका मजबूत हुई है। यह मामला अक्तूबर के राष्ट्रीय चुनाव से ठीक पहले सामने आया है, जिसमें बोल्सोनारो के सबसे बड़े बेटे और सीनेटर फ्लावियो बोल्सोनारो, राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा को चुनौती देंगे। फ्लावियो पहले से जांच के घेरे में सीनेटर फ्लावियो बोल्सोनारो पर भ्रष्टाचार, मनी लॉन्ड्रिंग और कर चोरी

की जांच चल रही है। आरोप है कि एक बदनाम बैंकर से मिले लाखों डॉलर का इस्तेमाल पिता पर बन रही फिल्म के लिए किया गया। फिल्म की फंडिंग में किस गड़बड़ी का शक जस्टिस डिनो के मुताबिक, जांच में ऐसी संभावना मजबूत हुई है कि संघीय सांसदों के बजट संशोधन और साओ पाउलो शहर की सरकार के जरिए सार्वजनिक धन को बांटने और दूसरी जगह पहुंचाने की एक जटिल व्यवस्था बनाई गई थी। मारियो फ्रियास पर पुलिस कार्रवाई: गुरुवार को संघीय पुलिस ने बोल्सोनारो के करीबी सांसद मारियो फ्रियास के खिलाफ कार्रवाई की। फिल्म की निर्माण कंपनी और फ्रियास से जुड़े ठिकानों से दस्तावेज जब्त किए गए। 20 लाख रियाल का लेनदेन: फ्रियास ने फिल्म से जुड़े एक गैर-लाभकारी संगठन को करीब 20 लाख ब्राजीली रियाल भेजे थे। पुलिस को शक है कि आपराधिक संगठन ने यह पैसा ऐसी कंपनियों तक पहुंचाया, जिन्हें कथित तौर पर नियमों के खिलाफ उप-ठेके दिए गए। जस्टिस डिनो ने कहा कि जांच में मजबूत संकेत मिले हैं कि फ्रियास कथित आपराधिक नेटवर्क में केंद्रीय भूमिका निभा रहे थे। वह बोल्सोनारो के राष्ट्रपति कार्यकाल में कैबिनेट पद पर भी रहे थे। डिनो ने नेटवर्क के संबंध ब्राजील के आपराधिक संगठन फर्स्ट कमांड ऑफ द कैपिटल यानी पीसीसी से होने की आशंका भी जताई है। फ्रियास ने आरोपों से इनकार किया। उन्होंने कहा कि मैंने किसी भी तरह से फिल्म के निर्माण के लिए किसी भी कांग्रेस बजट फंड को आवंटित या उसका इस्तेमाल नहीं किया। खुद राजनीतिक पक्षपात, भ्रष्टाचार और पुलिस के काम में दखल के आरोपों को लेकर विवाद में है।

ईरान-ओमान वार्ता के बीच होर्मुज में जहाज पर हमला, खाड़ी देशों की बैठक टली; सामने आया बड़ा कारण

तेहरान/काहिरा, एजेंसी। ईरान और खाड़ी देशों के बीच सोमवार को ओमान में प्रस्तावित बैठक को स्थगित कर दिया गया है। ईरानी सरकारी मीडिया के मुताबिक, कुछ क्षेत्रीय देशों के अनुरोध पर यह फैसला लिया गया। हालांकि, ईरानी विदेश मंत्रालय के अधिकारी ने यह नहीं बताया कि किन देशों ने बैठक टालने का अनुरोध किया था।

ओमान के विदेश मंत्री बद्र अल-बुसैदी ने भी सोशल मीडिया मंच एक्स पर बैठक स्थगित होने की जानकारी दी। यह बैठक ओमान के सलालाह शहर में होनी थी। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय सहमति के हित में बैठक को टाला गया है और ओमान क्षेत्र में स्थिरता और लंबे समय तक सहयोग को बढ़ावा देने वाली बातचीत के लिए प्रतिबद्ध है।

होर्मुज जलडमरूमध्य में शिपिंग पर होनी थी चर्चा : बैठक का मुख्य एजेंडा होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही को लेकर संभावित व्यवस्था पर चर्चा करना था। ईरान और ओमान पिछले कई महीनों से इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से जहाजों के आवागमन के नियमों को लेकर द्विपक्षीय बातचीत कर रहे हैं। ओमान जलडमरूमध्य के दूसरी ओर स्थित तट पर नियंत्रण रखता है और पहले यह कहा जा चुका है कि इन वार्ताओं को अन्य खाड़ी अरब देशों का भी समर्थन मिला है। ईरान की योजना क्षेत्रीय देशों को इस प्रस्तावित व्यवस्था के बारे में जानकारी देने की थी। बैठक स्थगित होने से कुछ घंटे पहले होर्मुज जलडमरूमध्य में क़ेश्म द्वीप के पास एक ईरानी कार्गो जहाज को निशाना बनाए जाने की खबर सामने आई थी। ईरानी सरकारी मीडिया के अनुसार, हमले में एक व्यक्ति की मौत हुई और चार लोग घायल हुए। ब्रिटेन के मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस मॉनिटर ने भी बताया कि जलडमरूमध्य से गुजर रहे एक जहाज को प्रोजेक्टाइल से नुकसान पहुंचा और उसमें भीषण आग लग गई। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं हुआ कि यह वही जहाज था जिसका जिक्र ईरान ने किया था। अमेरिकी सेना की ओर से इस घटना पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरानी जहाज पर अमेरिकी हमले से जुड़े सवाल पर सीधे जवाब देने से इनकार कर दिया। एक खाड़ी अधिकारी के मुताबिक, सऊदी अरब ने ईरान और ओमान के बीच प्रस्तावित समझौते में कुछ बदलाव सुझाए हैं। सऊदी अरब को आशंका है कि इस समझौते का होर्मुज जलडमरूमध्य पर लंबे समय तक असर पड़ सकता है और इससे खाड़ी सहयोग परिषद के अन्य देशों के हित प्रभावित हो सकते हैं।

ईरान के तेल पर अमेरिका की नजर ट्रंप बोले- जरूरत पड़ी तो लागू करेंगे वेनेजुएला मॉडल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को संकेत दिया कि युद्ध खत्म होने के बाद भी अमेरिका ईरान के आस-पास अपनी मौजदूगी बनाए रख सकता है और उसके तेल संसाधनों पर नियंत्रण कर सकता है। ट्रंप ने इसकी तुलना वेनेजुएला में निकोलस मादुरो के सत्ता से हटाए जाने के बाद अमेरिका की भूमिका से की। आयरलैंड दौरे के दौरान आयरिश ओपन गोल्फ चैंपियनशिप में बोलते हुए ट्रंप ने कहा कि अमेरिका अंततः ईरान से बाहर निकल जाएगा, लेकिन अगर जरूरत पड़ी तो वह वहां रुककर 'वनेजुएला की तरह तेल अपने पास रख सकता है।' हालांकि ट्रंप के इस बयान पर अब तक ईरान ने किसी भी तरह का पलटवार नहीं किया है।

मध्यावधि चुनाव के बाद खत्म हो सकता है युद्ध : ट्रंप ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि ईरान के साथ युद्ध 'मध्यावधि चुनाव के ठीक बाद, शायद उससे पहले' खत्म हो जाएगा। उनका इशारा नवंबर में होने वाले अमेरिकी मध्यावधि चुनावों की ओर था। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान लगातार अमेरिका से संपर्क कर रहा है और समझौते के लिए बातचीत की कोशिश कर रहा है। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि वॉशिंगटन केवल उसी समझौते को स्वीकार करेगा जो उसकी शर्तों और मांगों के अनुरूप होगा। उन्होंने कहा, 'हमें सही समझौता करना होगा।' साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वह ऐसा कोई समझौता स्वीकार नहीं करेंगे जो 'अच्छा समझौता' न हो।

युद्ध का असर ऊर्जा बाजार पर : ट्रंप की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब जारी संघर्ष का असर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर भी दिखाई दे रहा है। कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई हैं, जबकि अमेरिका में डीजल

की कीमत रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचकर 6.20 डॉलर प्रति गैलन से अधिक हो गई है। ट्रंप ने दावा किया कि युद्ध खत्म होते ही अमेरिका में पेट्रोल की कीमतें 'चट्टान की तरह तेजी से नीचे गिरेंगी।

वेनेजुएला में अमेरिकी सैन्य कार्रवाई का संदर्भ : ईरान को लेकर ट्रंप की टिप्पणी का संबंध वेनेजुएला में अमेरिका की हालिया सैन्य कार्रवाई से भी जोड़ा जा रहा है। अमेरिका ने 3 जनवरी को वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ लिया था। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, इस अभियान की कई महीनों तक तैयारी की गई थी। अमेरिकी स्पेशल फोर्सेज ने इसकी व्यापक रिहर्सल की थी, जिसमें मादुरो के सुरक्षित ठिकाने की प्रतिकृति तैयार कर अभ्यास किया गया था। मादुरो की गतिविधियों से जुड़ी खुफिया जानकारी जुटाने में सीआईए ने भी अमेरिकी बलों की मदद की थी।

मादुरो और उनकी पत्नी को काराकस से अमेरिका लाया गया : अमेरिकी सैनिकों ने मादुरो और उनकी पत्नी को वेनेजुएला की राजधानी काराकस से हिरासत में लिया और बाद में दोनों को अमेरिका ले जाया गया, जहां मादुरो को आपराधिक आरोपों का सामना करना है। यह कार्रवाई ट्रंप प्रशासन की ओर से वेनेजुएला पर कई महीनों तक बनाए गए दबाव के बाद की गई।

वेनेजुएला के तेल क्षेत्र में बढ़ा अमेरिकी दखल : मादुरो को हटाए जाने के बाद वॉशिंगटन ने वेनेजुएला के तेल क्षेत्र में बड़ी भूमिका निभाने की दिशा में कदम बढ़ाए। इसमें तेल की बिक्री पर नियंत्रण और ऐसे समझौतों को आगे बढ़ाना शामिल है, जिनके जरिए अमेरिकी कंपनियों और हितों को वेनेजुएला के विशाल कच्चे तेल भंडार तक पहुंच मिल सके।

क्या ईरान में भी दोहराया जाएगा वेनेजुएला मॉडल : ट्रंप की ताजा टिप्पणी से अब यह संभावना सामने आई है कि अमेरिका ईरान के मामले में भी वेनेजुएला जैसा आर्थिक मॉडल अपनाने पर विचार कर सकता है। इसका मतलब यह होगा कि ईरान में अमेरिकी मौजूदगी केवल सुरक्षा और सैन्य उद्देश्यों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि देश के विशाल तेल भंडार और ऊर्जा संसाधनों तक पहुंच भी अमेरिकी रणनीति का हिस्सा बन सकती है।

घरेलू उपायों से करें कॉन्र्स का इलाज

कॉर्न्स को दूर करने के लिए घरेलू उपचार प्रभावी होते हैं। हालांकि कॉन्र्स के इलाज के लिए घरेलू उपचार में समय लगता है, लेकिन यह सर्जरी की तरह प्रभावी और कम खर्च में किए जा सकते हैं।

कॉन्र्स के लिए घरेलू उपचार

कठोर त्वचा समय के साथ कॉर्न का रूप ले लेती है। कॉन्र्स मोटी त्वचा के धब्बे की तरह उभरता है और दबाव के माध्यम से बढ़ता है। कॉन्र्स अक्सर तेज दर्द का कारण बन सकता है। कॉन्र्स का जल्द से जल्द इलाज नहीं किए जाने पर इससे छुटकारा पाना थोड़ा कठिन हो सकता है। चिकित्सकीय रूप में कॉन्र्स केवल एक छोटी सी शल्य चिकित्सा द्वारा हटाया जा सकता है। साथ ही कॉन्र्स के इलाज के लिए ओवर-द-काउंटर क्रीम और औषधीय बैंड उपलब्ध हैं, लेकिन इनकी प्रकृति अधिकतर बनावटी होती हैं। इसलिए कॉन्र्स को दूर करने के लिए आप इन सिद्ध और प्रभावी घरेलू उपचार को अपना सकते हैं। हालांकि कॉन्र्स के इलाज के लिए घरेलू उपचार में समय लगता है, लेकिन यह सर्जरी की तरह प्रभावी और कम खर्च में किए जा सकते हैं।

कैमोमाइल चाय

कैमोमाइल चाय में अपने पैरों को भिगोना सुखदायक होता है और यह अस्थायी रूप से त्वचा के पीएच को बदल कर पसीने से तर पैर को सूखने में मदद करता है। गुनगुने पानी में सेंधा नमक और कैमोमाइल चाय को मिलाकर उसमें पैर भिगोना,कॉन्र्स को नर्म करने की चिकित्सा के लिए फायदेमंद होता है। हालांकि चाय से पैर में दाग हो सकते हैं, लेकिन इसे आसानी से साबुन और पानी से हटाया जा सकता है।

प्यूमिक स्टोन

सबसे पहले हार्ड त्वचा को नर्म करने के लिए अपने पैरों को गीला करें। फिर हल्के दबाव का उपयोग कर, गीले प्यूमिक स्टोन को कॉर्न के आगे पीछे रगड़ें। मृत त्वचा को धोने के लिए हर कुछ मिनट के लिए रुकें, और कॉर्न्स को थोड़ा नर्म होने तक दोहराएं।

सफेद सिरका

सिरका सॉस सहित कई व्यंजन की तैयारी में प्रयोग किया जाती है। साथ ही यह पैर पर कॉन्र्स को दूर करने का एक शानदार और परखा हुआ उपाय है। सफेद सिरका आसानी से खरीदा जा सकता है। एक साफ औषधीय कॉटन बॉल लेकर उसे सफेद सिरका में डुबोकर इसे कॉर्न पर लगाएं। कॉन्र्स पर कॉटन को सुरक्षित रखने के लिए डक्ट टेप का उपयोग करें। तीन से चार घंटे तक इसे ऐसे ही छोड़ दें। निर्धारित समय के बाद डक्ट टेप और कॉटन निकाल लें।

टी ट्री ऑयल

टी ट्री तेल में मौजूद एंटीफंगल और एंटी-बैक्टीरियल गुण इसे कॉन्र्स के इलाज के लिए बेहतर बनाते है। एक साफ कॉटन बॉल लेकर, उसपर आवश्यक तेल की पांच बूंदों डालकर कॉन्र्स पर रगडें। फिर कॉन्र्स पर कॉटन को लगा रहने दें। रात भर लगा रहने के बाद सुबह इसे पानी से धो लें।

पपीता

पैर से कॉन्र्स को दूर करने के लिए एक और बहुत ही आसान और कारगर उपाय है। पपीते में मौजूद कई एंजाइम कठिन और मृत त्वचा को दूर करने में मदद करते हैं। इसके अलावा, पपीता किसी भी दर्द या बेचैनी को कम करने और यहां तक कि कॉन्र्स को सूखने और तेजी से गिरने में मदद करता है। सर्वोत्तम परिणामों के लिए, कच्चे पपीता का उपयोग करें। कच्चे पपीते के रस में कॉटन को डूबोकर उसे कॉन्र्स पर लगाएं और इसपर पट्टी के साथ सुरक्षित करें। इसे रात भर के लिए छोड़ दें। अगली सुबह धीरे से त्वचा को प्यूमिक स्टोन से एक्सोफोलिएट करें।

लहसुन

लहसुन प्रकृति से एंटीऑक्सीडेंट होने के कारण यह एंटी-बैक्टीरियल और फंगल संक्र मण से लड़ने में उपयोगी होती है। लहसुन के साथ कॉन्र्स के इलाज के लिए लहसुन की तीन कली को अच्छे से भूनकर कुचलकर पाउडर बना लें। फिर लहसुन के साथ लौंग पाउडर को मिलाकर इसे कॉन्र्स पर लगाएं। इसे पट्टी से कवर करके पूरी रात के लिए छोड़ दें। अगली सुबह पट्टी को खोलकर गुनगुने पानी से पैरों को धो लें। इस उपाय कॉन्र्स के गायब होने तक करें।

तारपीन का तेल

तारपीन का तेल एक मजबूत एंटीसेप्टिक है, जो कॉन्र्स के इलाज में मदद करता है। तेल त्वचा में जल्दी प्रवेश कर जाता है जिससे उपचार तेजी से किया जा सकता है। एक पतले कपड़े में बर्फ लपेटकर प्रभावित क्षेत्र में दो मिनट के लिए मसाज करें। कॉन्र्स वाले हिस्से को अच्छे सुखाकर उसपर थोड़ा सा तारपीन का तेल लगाएं। फिर इस पर पट्टी बॉधकर रात भर के लिए छोड़ दें। रात को सोने से पहले इस उपाय को नियमित रूप से करें।

नींबू का रस

यह इलाज धीमी गति से काम करता है, लेकिन कॉन्र्स के लिए किसी भी अन्य घरेलू उपचार की तरह प्रभावी है। ताजा नींबू का एक चम्मच रस लेकर उसमें लौंग के दो टुकड़े मिलाएं। 15 मिनट के लिए नींबू के रस में लौंग को छोड़ दें। फिर लौंग को हटाकर, नींबू के रस को कॉन्र्स पर अच्छी तरह से रगड़ें। कुछ देर सुखने के बाद पानी से इसे साफ कर लें।

हल्दी

कॉन्र्स को दूर करने के लिए हल्दी भी बहुत अच्छा उपाय है। एंटी-इफ्लेमेंटरी प्रकृति के कारण, हल्दी परेशानी और दर्द को कम करने और उपचार को गति प्रदान करती है। एक चम्मच शहद में थोड़ी सी हल्दी मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को कॉन्र्स पर लगाकर इसे सुखने के लिए छोड़ दें। कॉन्र्स के निकलने तक इस उपाय को कम से कम एक सप्ताह में दिन में दो या तीन बार दोहराये।

मुलेठी

अदभुत चिकित्सा और औषधीय गुणों के कारण आयुर्वेद में कॉन्र्स के इलाज के लिए मुलेठी की सिफारिश की जाती है। कॉन्र्स के उपचार के लिए एक चम्मच मुलेठी में पर्याप्त मात्रा में सरसों का तेल मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को सोने से पहले प्रभावित क्षेत्र पर लगा लें। इसपर पट्टी बांधकर रात भर के लिए छोड़ दें। अगली सुबह पट्टी को हटाकर गुनगुने पानी से उस क्षेत्र को धो लें। ऐसा तब तक करें जब तक कॉन्र्स नर्म और आकार में कम न हो जाये।

रेसिपी

हेल्दी कर्ड राइस

सामग्री

■ राइस -एक कटोरी ■ दही एक कटोरी ■ उड़द दाल-एक छोटा चम्मच ■ चने की दाल-एक छोटा चम्मच ■ मूंगफली -आधी छोटी कटोरी ■ दो हरी मिर्च ■ एक सूखी लाल मिर्च ■ एक सफेद प्याज ■ चुटकीभर अदरक ■ करी पत्ते 5-6 ■ आधा छोटा चम्मच राई ■ चुटकीभर मेथी दाना ■ चुटकीभर हींग ■ तेल जरूरत के अनुसार ■ नमक स्वादानुसार

विधि

सबसे पहले चावल को पानी में डालकर पका लें। इसके एक पैन में तेल डालें और राई, मेथी दाना, उड़द दाल, चने की दाल और सूखी लाल मिर्च डालकर भून लें। इसके बाद सफेद प्याज, अदरक, हरी मिर्च और करी पत्ते डालकर भूनें। इसी तेल में मूंगफली भी डालकर भून लें और इनमें नमक मिलाकर अलग रख लें। इसके बाद हींग डालें और सभी को अच्छे से मिक्स कर लें। अब साधारण पके हुए चावल में दही मिलाएं और दही के बाद भुनी मूंगफली डालकर अच्छे से मिक्स करें। इसके बाद ऊपर से तैयार तड़का डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। तैयार हैं आपके कर्ड राइस ।

काले चने की कढ़ी

सामग्री

■ भिगोए और उबले हुए काले चने ■ दही ■ बेसन ■ एक छोटा चम्मच हल्दी ■ एक बड़ा चम्मच गरम मसाला ■ दो तेजपत्ता ■ दो सूखी लाल मिर्च ■ चूटकीभर हींग ■ आधा चम्मच मेथी दाना ■ आधा छोटा चम्मच जीरा ■ दो हरी मिर्च ■ आधा कप प्याज ■ आधा कप टमाटर ■ एक बड़ा चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट ■ दो बड़ा चम्मच तेल ■ नमक

विधि

सबसे पहले एक कड़ाही में तेल डालें और हींग तेजपत्ता, सूखी लाल मिर्च और मेथी दाना और जीरा डालकर भूनें। इसके बाद अदरक-लहसुन का पेस्ट और प्याज डालकर सुनहरा होने तक भूनें। अब गरम मसाला, हल्दी, और काले चने डालकर तब तक पकाएं जब तक की मसाला तेल न छोड़ने लगे। दूसरी ओर एक कटोरी में दही में बेसन डालकर अच्छी तरह घोल लें। मसाले के तेल छोड़ते ही दही वाला मिश्रण डालकर धीमी आंच पर पकाएं। धनिया पत्तियों ऊपर से डालकर सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा शुभ रहेगी। काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शुभांक-2-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। पारिवारिक विवाद टालें। अच्छे समय का इन्तजार करें। शुभांक-1-5-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय व प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। शुभांक-3-4-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। शुभांक-3-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। कर्ज लेने से बचें। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। शुभांक-2-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-1-5-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। --कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 2588

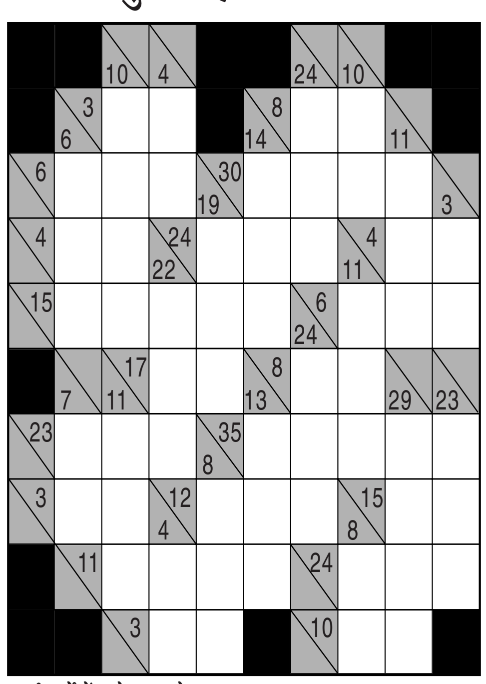

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

1 2 3 5 (11) ; 1 2 4 (7)

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 2587 का हल

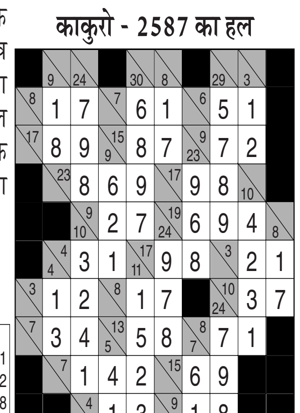

लॉफिंग ज़ोन

चोर किसी घर में चोरी करने गया हुआ था. घर का कीमती सामान इकट्ठा करके जैसे ही वह वापस लौटने को हुआ, अचानक एक मेज से टकराकर फर्श पर गिर पड़ा. उसके गिरने की आवाज सुनकर घर की मालकिन जाग गई. बहुत मोटी होने के बावजूद उसने भागकर चोर को पकड़ लिया और उसे नीचे गिरा उसके ऊपर बैठ गई. अपने बेटे को आवाज लगाते हुए उसने कहा, 'पप्पू, बेटा जल्दी से पुलिस को बुला ला.'

पप्पू ने जवाब दिया, 'मम्मी, मेरी चप्पल नहीं मिल रही है.'

'भाई साहब, चप्पल मेरी ले जाओ, लेकिन प्लीज जल्दी से पुलिस को बुला लाओ. मेरा दम घुट रहा है.' मालकिन के नीचे दबे चोर की आवाज बहुत कठिनाई से निकल पाई.

☺ ☺ ☺

सेठ जी - तुम सफाई करते हुए अपने काम से काम रखा करो. आज फिर तुम मेरी अलमारी को घूर रहे थे.

नौकर - मैं अपने काम से काम रखता हूं. आपने ही कहा था कि जहां भी सफाई करनी हो, वहां नजर रखा करो.

☺ ☺ ☺

पिता (अध्यापक से) - मेरा लड़का इतिहास में कैसा है? मैं इस विषय में बहुत कमजोर था.

अध्यापक - यही कि इतिहास अपने को दोहरा रहा है.

फिल्म वर्ग पहेली- 2588

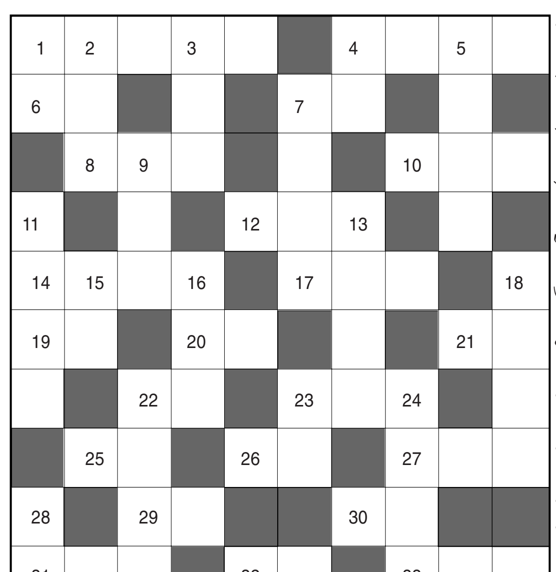

बायें से दायें:-

१. 'ये जीवन है इस जीवन का यही है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
४. राकेश रोशन, शत्रुघ्न सिन्हा, रीनाराय, रंजीता की फिल्म-४
६. फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम के साथ नायिका कौन थी-२
७. 'ऐसा कोई जिंदगी में' गीत वाली फिल्म-२
८. राजकिरण, जावेद खान की फिल्म-३
१०. 'है ना बोलो' गीत वाली फिल्म-३
१२. सुनीलदत्त, निम्मी की फिल्म-३
१४. 'देख सकता हूँ मैं कुछ' गीत वाली फिल्म-४
१७. अष्मित पटेल, मीरा की फिल्म-३
१९. 'आई जो तेरी याद' गीत वाली फिल्म-२
२०. फिल्म 'तक्षक' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी-२
२१. शाहरूख, प्रियंका की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीतवाली फिल्म-२
२२. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, जैकी, शत्रुघ्न, रवीना, लारा की फिल्म-२
२३. धर्मेन्द्र, जीतेंद्र, हेमा की फिल्म-३
२५. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म-२
२६. फिरोज, संजय, मुमताज की 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'झोंपडी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-३
२९. राजकपूर (डबल रोल), नर्गिस की 'आ जाने बहार' गीतवाली फिल्म-२
३०. 'फूल मांगूं ना बहार मांगूं' गीत वाली फिल्म-२
३१. कमल हासन, सनी, डिम्पल की फिल्म-३
३२. फिल्म 'तपस्या' की नायिका ?-२
३३. अभिनेत्री 'मनीषा कोइराला' किस देश की रहने वाली है-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'नदिया किनारे आओ' गीत वाली संजय दत्त, आफताभ, नंदिता दास की फिल्म-२
२. अमिताभ, अमजद, नीतूसिंह की 'सारा जमाना हसीनों का' गीत वाली फिल्म-३
३. 'दो दिवाने शहर में' गीत वाली अमोल पालेकर, जरीना वहाब की फिल्म-३
४. नसीरूद्दीनशाह, जैकी श्रॉफ, नगमा की 'मैं प्यासी नदिया' गीत वाली फिल्म-२
५. 'लिखे जो खत तुझे वो तेरी' गीत वाली शशिकपूर, आशा पारेख की फिल्म-४
७. मनोजकुमार, आशा पारेख की 'लो आ गई उन की याद' गीत वाली फिल्म-१,३
९. 'दो नैनों में आँसू भरे हैं' गीत वाली जीतेंद्र, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
११. जॉय मुखर्जी, माला, शर्मिलाकी 'वो हसीन दर्द देदो' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'इस सो पहले कि याद तू आए' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-४
१५. 'परिचय' में जीतेंद्र की नायिका ?-२
१६. करण दीवान, स्वर्णलता की 'जब तुम ही चले परदेस' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'तन मन धन सब है' गीत वाली संजीवकुमार, लीना की फिल्म-४
२२. गुरूदत्त, शकीला, श्यामा की 'बाबू जी धीरे चलना' गीत वाली फिल्म-२,२
२३. रेखा, दिलीपकुमार, ममता की फिल्म-२
२४. शाहरूख, विवेक मुशरान, जूही की 'अपुन की लाइफ' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'तेरे प्यार का' गीत वाली आफताब शिवदासनी, युक्ता मुखी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2587

त्रि	शु	ल		ग	दा	र		धा	
दे		गा	य	ब		ह	म	रा	ज
व	च	न		न	ग	मा		वी	रू
	र		घ		ज	न	म		र
ती	स	री	मं	जि	ल		दा	व	त
स			डी			नू	री		
रा	जा	जी		अ	मृ	त		प	
कौ	न			प		न	व	रं	ग
न		अ	नु	रा	ग			प	
	जु	म्मा		ध		अ	प	रा	ध

सूडोकु -2588

3	9			1	4			2
1	2		6		3		5	
		5		8	7			9
	7			6	9			8
2	1			5			4	6
4			3	2			9	
9			8	4		5		
	6		9		5		2	4
8			1	7			6	3

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2587 का हल

6	9	2	3	7	4	5	8	1
3	8	5	6	2	1	7	4	9
7	4	1	8	9	5	6	2	3
2	3	9	5	4	6	8	1	7
1	7	4	9	8	3	2	6	5
5	6	8	7	1	2	9	3	4
4	5	7	1	6	8	3	9	2
8	2	3	4	5	9	1	7	6
9	1	6	2	3	7	4	5	8

शब्द पहेली -2588

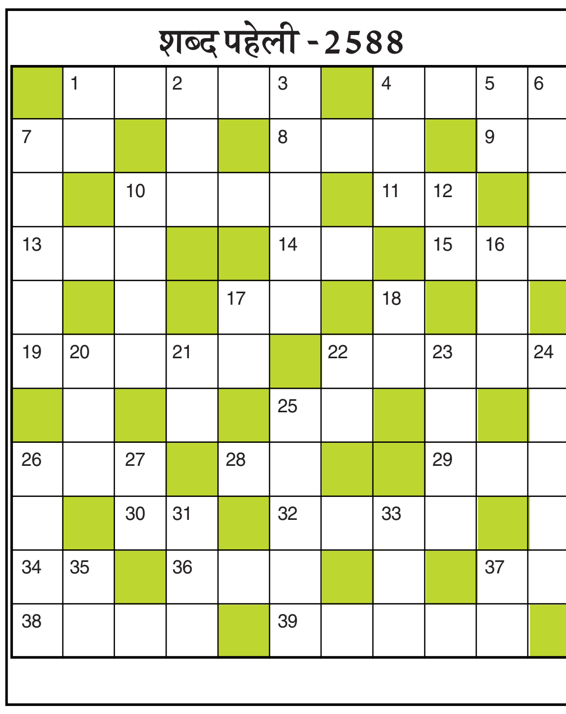

बाएँ से दाएँ

1.राजा का पुत्र-5
4.मन को हरने वाला-4
7.काल,समय,पीरियड-2
8.खोदना-3
9.मोटा आटा-2
10.पशु,मवेशी-4
11.जलापूर्ति का साधन-2
13.पुत्र,बेटा-3
14.क्षार,खारा-2
15.दर,मूल्य-3
17.नौका-2
19.नारायण-नारायण रटनेवाले देवर्षि-5
22.लालन-पालन-5
25.अच्छा,भला-2
26.पूर्ण करना-3
28.गोष्ठी,सम्मेलन-2
29.हुनरमंद-3
30.पिता का भाई -2
32.कुरुपता-4
34.इसाई साध्वी -2
36.टेंशन,परेशानी-3
37.खुजली -2
38.अशक्त,निर्बल-4
39.नगर में रहनेवाला-5

ऊपर से नीचे

1.झगड़ा, बैर,द्वेष-2
2.सद्पुरुष,अच्छे कुल का-3
3.सार-संभाल-2,3
4.विचार करना-3
5.प्रत्येक-2
6.परंपरा,धर्मविधी-4
7.आवास, गरीबखाना-5
10.संपत्ति-4
12.भाग्यशाली (अंग्रेजी-2)
16.भालू-बंदर नचाने वाला-3
17.मां की मां-2
18.भय,खौफ-2
20.वेग,गति-3
21.मुंह,चेहरा-2
22.पैर,ओहदा-2
23.वर्धनशील,बढ़नेवाला-4
24.शकरगंजी,कंद-5
25.सभागार,सभाकक्ष-5
26.भयंकर,खतरनाक-4
27.मोड़-2
31.कायर,डरपोक-3
33.तीन घंटे का समय,प्रहर-3
35.भीगा हुआ-2
37.नौकरानी-2

शब्द पहेली -2587 का हल

	रा	ज	क	पू	र		अ	च	र	ज
ज	य		रा		क्षि	ति	ज		त	ला
ना		अ	मा	न	त		र	वा		व
न	सी	ह	त		व	ह		म	का	न
खा		म		र	न	र			ल	
ना	म	क	र	ण		स	ला	ह	का	र
	हा			वी	रा	ना		र		ज
का	न	न		र	ज		अ	जा	ग्र	त
म		र	ज		घ	ब	रा	ना		प
का	र		ग	ज	रा		ज		प	ट
ज	न	म	त		ना	ट	क	का	र	

पूर्वोत्तर में भारतीय रेल का भूटान, नेपाल और बांग्लादेश से होगा सीधा संपर्क, सुरक्षा को लेकर एआई की उपयोग

एजेंसी

गुवाहाटी। पूर्वोत्तर राज्यों में रेलवे तेजी से विकास कर रहा है। रेलवे लाइनें बिछाई जा रही हैं। नए स्टेशन बनाए जा रहे हैं। वहीं सुरक्षा की दृष्टि से एआई का इस्तमाल भी शुरू किया जा रहा है। भारत की सीमा से जुड़े राष्ट्रों भूटान, नेपाल और बांग्लादेश में भी भारतीय रेल की पहुंच स्थापित हो रही है। पूर्वोत्तर रीजन में भारतीय रेल 70 हजार करोड़ से अधिक की परियोजनाओं को मूर्त रूप देने में जुटा है। 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम के अंतर्गत पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) लखनऊ द्वारा उत्तर प्रदेश के पत्रकारों का एक दल रविवार से पूर्वोत्तर भ्रमण पर है। सोमवार को पत्रकारों के इस दल ने मालीगांव स्थितभारतीय रेलवे के अंतर्गत पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) हेड क्वार्टर का भ्रमण किया। पूर्वोत्तर राज्यों में पिछ्ले 12 वर्षों में रेलवे के बुनियादी ढांचे का अभूतपूर्व विकास हुआ है। वर्ष 2014 से पहले इस क्षेत्र में विद्युतीकरण शून्य था, लेकिन अब यह शत-प्रतिशत पूरा होने के करीब है। रेलवे ने 2029 तक पूर्वोत्तर के सभी राज्यों की राजधानियों को मुख्य रेल नेटवर्क से जोड़ने और पड़ोसी देशों के साथ रेल संपर्क (कनेक्टिविटी) को मजबूत करने का बड़ा लक्ष्य रखा है।

युवाओं को नशे से बचाने के लिए योगी सरकार का सख्त संदेश-'वीडियो सामने आते ही एक्शन'

लखनऊ। युवाओं और नाबालिगों को नशे की चपेट में आने से बचाने के लिए योगी सरकार लगातार सख्त कदम उठा रही है। सरकार की नीति केवल अवैध और जहरीली शराब पर अंकुश लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि कम उम्र के बच्चों तक शराब की पहुंच रोकने पर भी विशेष जोर है। लखनऊ में नाबालिग को शराब बेचने से जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आते ही आबकारी विभाग ने त्वरित कार्रवाई कर यह संदेश साफ कर दिया कि नियमों से खिलवाड़ किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं होगा। सोशल मीडिया एक्स और अन्य प्लेटफॉर्म पर वीडियो प्रसारित होने के बाद सरकार ने इस मामले का संज्ञान लिया और संबंधित के खिलाफ जांच कर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। जिला आबकारी अधिकारी, लखनऊ ने 11 सितंबर को वीडियो की जांच कराई। जांच में वीडियो विकासनगर थाना क्षेत्र के शुभौली स्थित एक कम्पोजिट दुकान के सेल्समैन की एक व्यक्ति से कहासुनी का पाया गया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में गोवंश संरक्षण को मिल रहा बढ़ावा

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा निराश्रित एवं बेसहारा गोवंश के संरक्षण के साथ ही उनके बेहतर पालन-पोषण के लिए लगातार प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में सीएम सहभागिता योजना के माध्यम से निराश्रित गोवंश को इच्छुक एवं पात्र लाभार्थियों को सुपुर्द कर उनका संरक्षण और देखभाल सुनिश्चित किया जा रहा है। अपर मुख्य सचिव श्री मुकेश मेश्राम ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत अब तक 93,287 लाभार्थियों को 1,67,658 गोवंश सुपुर्द किए जा चुके हैं। इसके माध्यम से बड़ी संख्या में निराश्रित गोवंश को सुरक्षित एवं बेहतर आश्रय उपलब्ध हुआ है। साथ ही ग्रामीण परिवारों को गोवंश के पालन-पोषण से जोड़कर उनकी आजीविका को मजबूत करने का भी प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर निराश्रित गोवंश की समस्या को कम करने के साथ-साथ गोवंश के संरक्षण एवं संवर्धन को जनसहभागिता से प्रभावी बनाया जा रहा है। सीएम सहभागिता योजना इसी दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इस योजना के तहत लाभार्थियों द्वारा सुपुर्द किए गए गोवंश की देखभाल, चारा-पानी एवं संरक्षण की जिम्मेदारी ली जाती है।

जापानी प्रतिनिधिमंडल ने देखा सिरपुर की प्राचीन विरासत का वैभव

रायपुर। छत्तीसगढ़ की समृद्ध ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पुरातात्विक विरासत को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड ने जापान के मत्सुयामा स्थित एहिमे यूनिवर्सिटी के 17 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के लिए विशेष हेरिटेज टूर आयोजित किया। एनआईटी रायपुर द्वारा 12 से 14 सितंबर 2026 तक आयोजित अकादमिक एवं शोध सहयोग कार्यक्रम के तहत भारत आए जापानी दल ने 14 सितंबर को प्राचीन ऐतिहासिक नगरी सिरपुर का भ्रमण किया। प्रतिनिधिमंडल ने सिरपुर में बौद्ध, हिंदू और जैन संस्कृति के अद्भुत समन्वय तथा प्राचीन स्थापत्य कला को करीब से जाना। स्थानीय विशेषज्ञ गाइड के माध्यम से दल को सिरपुर की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, पुरातात्विक महत्व और धार्मिक-सांस्कृतिक विरासत की जानकारी दी गई।

• आईसीडब्ल्यूए की सिल्वर जुबली पर जयशंकर बोले-

भारत अब वैश्विक चुनौतियों पर आत्मविश्वास से रख रहा विचार

एजेंसी

नई दिल्ली । नई दिल्ली के मंडी हाउस स्थित विवेक ऑडिटोरियम में मंगलवार को राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के तौर पर 'इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स' की सिल्वर जुबली (25वीं वर्षगांठ) का जश्न मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर और विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री मौजूद रहे। इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स की सिल्वर जुबली कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि आज यहां उपस्थित होकर मुझे बहुत खुशी हो रही है क्योंकि हम इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स (आईसीडब्ल्यूए) को राष्ट्रीय

महत्व की संस्था का दर्जा मिलने के 25 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। इस दौरान जयशंकर ने आईसीडब्ल्यूए के अध्यक्ष के रूप में समारोह में उपस्थित होने के लिए उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि 1943 में अपनी स्थापना के बाद से आईसीडब्ल्यूए अंतरराष्ट्रीय मामलों के अध्ययन और उनके प्रचार-प्रसार के लिए लगातार काम करता रहा है। वर्ष 2001 में संसद ने इसे राष्ट्रीय महत्व की संस्था का दर्जा दिया, जो दुनिया से जुड़े मुद्दों पर भारत की बौद्धिक भागीदारी में इसके विशेष योगदान की पहचान थी। उन्होंने कहा कि अब 25 साल बाद, यह वर्षगांठ सिर्फ उसकी यात्रा को याद करने का मौका नहीं है, बल्कि यह सोचने का भी अवसर है कि आने वाले वर्षों में आईसीडब्ल्यूए की क्या भूमिका हो सकती है। यह सवाल आज इसलिए और भी महत्वपूर्ण हो गया है क्योंकि भारत बदल चुका है और दुनिया भी पहले जैसी नहीं रही। उन्होंने कहा कि आज भारत पहले की तुलना में दुनिया के कहीं अधिक देशों और क्षेत्रों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ है। हमारे राष्ट्रीय हित अब पहले से ज्यादा वैश्विक हो गए हैं। हमारी जिम्मेदारियां बढ़ी हैं और दुनिया की भारत से अपेक्षाएं भी उसी अनुपात में बढ़ी हैं। भारत अब वैश्विक चुनौतियों पर अपने विचार पहले की तुलना में कहीं अधिक आत्मविश्वास के साथ सामने रख रहा है, खासकर उन मुद्दों पर जो पूरी मानवता को प्रभावित करते हैं। जैसे-जैसे दुनिया में भारत की भूमिका बढ़ रही है, वैसे-वैसे अंतरराष्ट्रीय मामलों को लेकर हमारी बौद्धिक समझ और भागीदारी को भी उसी गति से आगे बढ़ना होगा। जयशंकर ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर जो पारंपरिक सोच और चर्चा लंबे समय से चलती रही है, वह काफी हद तक दूसरे देशों के अनुभवों और वहां विकसित हुए विचारों पर आधारित रही है।

जैसलमेर के पोकरण में वायु सेना के ड्रोनथॉन-2026 का आगाज

जैसलमेर। भारतीय वायु सेना ने सोमवार को जैसलमेर के पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में ड्रोनथॉन-2026 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर वायु सेना के उप प्रमुख एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित सहित रक्षा मंत्रालय, रक्षा मुख्यालय, भारतीय सेना और सीमा सुरक्षा बल के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।14 से 16 सितंबर तक चलने वाले तीन दिवसीय ड्रोनथॉन में देश के मानवरहित प्रणाली क्षेत्र की 20 से अधिक प्रमुख रक्षा कंपनियां, स्टार्टअप, लघु एवं मध्यम उद्यम, घरेलू आपूर्तिकर्ता और नवप्रवर्तक हिस्सा ले रहे हैं। आयोजन का उद्देश्य वास्तविक परिचालन परिस्थितियों में मानवरहित प्रणालियों की क्षमताओं और उनकी विश्वसनीयता का आकलन करना तथा उद्योग के साथ सीधे जुड़ाव को बढ़ावा देना है।

अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस पर 'भारतीय युवा संसद' का 31 वाँ अधिवेशन आयोजित

'लोकतंत्र संवाद से सम्पन्न होता है'

एजेंसी

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि सबके लिए न्याय, शांति, विकास और मानवाधिकारों के प्रति समर्पित होकर कार्य करना ही लोकतंत्र का सबसे बड़ा आधार है। लोकतंत्र का अर्थ ही है, विकास में सभी नागरिकों की समान भागीदारी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र संवाद से सम्पन्न होता है। संवाद से सुसंवाद और सुसंवाद से मैत्री के रास्ते निकलते हैं। उन्होंने भारत को विश्व का सबसे युवा राष्ट्र बताते हुए कहा कि युवा ही भारत की शान है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प में युवाओं को सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। बागडे मंगलवार को इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान में आयोजित 'भारतीय युवा संसद' कार्यक्रम में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत करना है तो हमें न्याय नीति से चलना होगा। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे अच्छी बातों को आत्मसात करें, यही जीवन भर काम आएगी। अच्छी बातों को ग्रहण करने से विवेक जागृत होता है। विवेक से ही समाज में प्रतिष्ठा बनती है। राज्यपाल ने कहा कि अंग्रेजों ने 1921 में दिल्ली में 80 लाख व्यय कर हमारे पुराने संसद भवन का निर्माण प्रारंभ किया और छह साल में इसे पूरा किया। इससे पहले अंग्रेज राइटर हाउस, कलकता से सारे आदेश निकलते थे। यह निर्माण सौ साल को ध्यान में रखते हुए किया गया। इसीलिए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सुनियोजित रूप में विचार कर देश के लिए नए संसद भवन का निर्माण करवाया। संसद केवल निर्मित भवन नहीं लोकतंत्र का पवित्र मंदिर है। संविधान वहां का देवता है। यह भावना जिसके मन में रहेगी वह कभी संसद में असंसदीय भाषा का प्रयोग नहीं करेगा। उन्होंने युवाओं को संसदीय लोकतंत्र के प्रहरी के रूप में कार्य करने पर जोर दिया। बागडे ने कहा कि लोकतंत्र में विश्वास अर्जित करना जरूरी है। विश्वास के साथ लोकतंत्र में समझदारी होना जरूरी है। समझदारी ही सबसे बड़ा सदगुण है। उन्होंने युवाओं को इन सबको आत्मसात करने का आह्वान किया। इससे पहले गुजरात सरकार में राज्य मंत्री रिवाबा जाडेजा ने लोकतंत्र में साझा समझ विकसित किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि देश को युवा धन की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इसी से देश तेजी से आगे बढ़ेगा।

'अयोध्या में इंटरनेशनल राम कथा म्यूजियम का काम तेज'

• 20 गैलरियों के लिए टेंडर 10 अक्टूबर से : नृपेंद्र मिश्रा

एजेंसी

अयोध्या । श्री राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने मंगलवार को अयोध्या में राम मंदिर निर्माण को लेकर होनी वाली बैठक और अंतर्राष्ट्रीय राम कथा संग्रहालय, नए सीईओ जीतेंद्र मिश्रा के बारे में मीडिया से बात की। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा है कि आज म्यूज़ियम पर भी चर्चा होगी। म्यूज़ियम का सबसे बड़ा काम अब शुरू होने वाला है। हर गैलरी के लिए 10 अक्टूबर से टेंडर जारी किए जाएंगे। कुल 20 गैलरी हैं, गैलरी 1, गैलरी 2, वगैरह। हर गैलरी की थीम तय हो चुकी है और कहानी (स्टोरीलाइन) भी फाइनल हो गई है। उन्होंने कहा कि हमारे डायरेक्टर संजीव कुमार सिंह ने पूरी कहानी तैयार करने में बहुत मेहनत की है। इसके आधार पर अब

इमर्सिव टेक्नोलॉजी, 3डी टेक्नोलॉजी और दूसरी तकनीकों का इस्तेमाल करके वीडियो बनाए जाएंगे। टेक्नोलॉजी के लिए टेंडर, जिसमें ज़रूरी हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर शामिल हैं, 10 अक्टूबर तक जारी होने की उम्मीद है। टेंडर अक्टूबर के आखिर तक फाइनल होने की संभावना है, जिसके बाद गैलरी को पूरा करने में लगभग छह महीने लगेंगे। श्री राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने कहा कि अयोध्या में विकास तो जरूर होगा। राज्य सरकार विकास का काम कर रही है और दूसरी एजेंसियां ??भी इसमें योगदान दे रही हैं। जहां तक मंदिर परिसर की बात है, तो ट्रस्ट अब तय करेगा कि किस तरह का निर्माण किया जाना है। हालांकि, मेरा मानना है कि ये फैसले पूरी तरह से भक्तों की ज़रूरतों और सुविधा पर आधारित होंगे। उन्होंने कहा कि अब हमारा मुख्य ध्यान इंटरनेशनल राम कथा म्यूजियम पर है। मंदिर का निर्माण पूरा हो चुका है। मंदिर परिसर के अंदर और बाहर एक ऑडिटोरियम है, जिसका निर्माण अभी चल रहा है। इसके निर्माण में लगभग तीन से चार महीने की देरी हुई है।

हिमाचल कांग्रेस के मीडिया विभाग में बड़ा फेरबदल

65 पदों पर नियुक्तियां; 5 सीनियर प्रवक्ता और 18 प्रवक्ता बनाए

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने अपने मीडिया विभाग का पुनर्गठन करते हुए कुल 65 नई नियुक्तियां की हैं। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के मीडिया एवं प्रचार विभाग के चेयरमैन पवन खेड़ा ने सोमवार देर शाम नई टीम की सूची जारी की। नई व्यवस्था के तहत 5 स्टेट सीनियर प्रवक्ता, 18 स्टेट प्रवक्ता के अलावा पब्लिसिटी कोऑर्डिनेटर, मीडिया पैनलिस्ट और रिसर्च कोऑर्डिनेटर की जिम्मेदारियां तय की गई हैं। स्टेट सीनियर प्रवक्ताओं की सूची में विधायक भवानी पठानिया, विधायक केवल पठानिया, विधायक चंदर शेखर, विधायक अनुराधा राणा और विधायक विवेक शर्मा को शामिल किया गया है। वहीं, विधायक अनुराधा राणा को स्टेट सीनियर प्रवक्ता की जिम्मेदारी दी गई है।

18 नेताओं को स्टेट प्रवक्ता की जिम्मेदारी

कांग्रेस ने स्टेट प्रवक्ता के पद पर प्रदीप वर्मा, पुनीत माली, मुकेश शर्मा, संजीव गुलरिया, रुपिंदर ठाकुर, संजीव सैनी, विकास कपूर, सुनील कुमार बरसैन, संजीव गांधी, अक्षय सिंह दढ़वाल, योगेश शर्मा, किरण गुलरिया, पूजा कुमार सांडी, उषा तोमर, सुरेंद्र काकू, अनुज धीमान, प्यारे लाल और धीरेंद्र चौहान को नियुक्त किया है।

पब्लिसिटी टीम में 9 नियुक्तियां

स्टेट पब्लिसिटी कोऑर्डिनेटर के तौर पर पुष्पा कटोच, दिनेश आर्य, गगन रुक्टा, शशि कांत, विवेक सैनी, सतेंद्र पाल नेहरू, जितेंद्र सिंह राणा, अर्पित सिंह राठौर और आशुतोष चौहान को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

स्टेट मीडिया पैनलिस्ट के रूप में विवेक कटोच, नवनीत सूद, भूषण रोहता, इंजीनियर शगुन दत्त, उषा राठौर, विनय मेहता, संजीता चौहान, यासीन बट्ट, आरपी सिंह, शिवानी चौहान और बिंदी कल्याण को शामिल किया गया है।

रिसर्च टीम को भी किया गया मजबूत

कांग्रेस ने रिसर्च विंग में भी नई नियुक्तियां की हैं। स्टेट रिसर्च कोऑर्डिनेटर के तौर पर शैजा कटोच, वैशाली, अभिषेक नेगी, तिलक राज, अमनदीप गौतम, रोहित भोटा, डॉ. राजीव शर्मा, हरि दत्त शर्मा, विकास सिंह ठाकुर, डॉ. रोहित कुमार और साहिल शर्मा को जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा गौरव शर्मा का नाम भी स्टेट मीडिया विभाग से जुड़ी नियुक्तियों में शामिल है। नई मीडिया टीम का मुख्य फोकस कांग्रेस की नीतियों और प्रदेश सरकार के कामकाज को जनता तक प्रभावी तरीके से पहुंचाने के साथ-साथ विपक्ष की ओर से लगाए जाने वाले आरोपों का जवाब देना होगा।

किशाऊ डैम : केंद्र ने मानी हिमाचल की मांग, छह राज्यों के बीच होगा ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन

एजेंसी

नई दिल्ली। करीब छह दशक से लंबित किशाऊ बहुउद्देश्यीय परियोजना को मंगलवार को बड़ी गति मिलने जा रही है। नई दिल्ली स्थित कर्तव्य भवन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में परियोजना को लेकर छह राज्यों के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होंगे। बैठक में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल के साथ हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और हरियाणा के मुख्यमंत्री मौजूद रहेंगे, जबकि राजस्थान और राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली भी इस समझौते के प्रमुख हिस्सेदार हैं। कांग्रेस शासित हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू भी शिमला से दिल्ली रवाना हो चुके हैं और व्यक्तिगत रूप से इस समझौते में शामिल होंगे। हिमाचल सरकार के लिए इस समझौता ज्ञापन को महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है, क्योंकि केंद्र सरकार ने राज्य की प्रमुख मांग स्वीकार करते हुए परियोजना के जल घटक की लागत का 90 फीसदी हिस्सा वहन करने पर सहमति जताई है। इससे हिमाचल पर पड़ने वाला वित्तीय बोझ काफी कम हो जाएगा। किशाऊ परियोजना टौंस नदी पर प्रस्तावित है। परियोजना से करीब 660 मेगावाट बिजली उत्पादन के साथ सिंचाई और पेयजल आपूर्ति की सुविधा विकसित की जानी है।

प्रधानमंत्री, लोकसभा अध्यक्ष और रक्षा मंत्री ने 'राष्ट्रीय इंजीनियर दिवस' की दी शुभकामनाएं

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत कई नेताओं ने मंगलवार को भारत रत्न डॉ. मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती पर उन्हें नमन किया और देशवासियों को उनकी स्मृति में मनाए जाने वाले 'राष्ट्रीय इंजीनियर दिवस' की हार्दिक शुभकामनाएं। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा, एम. विश्वेश्वरैया को श्रद्धांजलि, जिनकी इंजीनियरिंग की प्रतिभा और राष्ट्र-निर्माण की सोच आज भी प्रेरित करती है। आधुनिक भारत के निर्माण में अहम भूमिका निभाने वाले और देश के सर्वोच्च सम्मान 'भारत रत्न' से सम्मानित महान इंजीनियर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन! उनकी स्मृति में मनाए जाने वाले 'इंजीनियर्स डे' (अभियंता दिवस) के अवसर पर राष्ट्र-निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सभी इंजीनियरों को

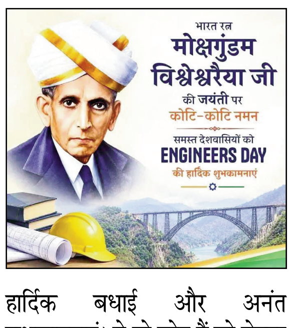

हार्दिक बधाई और अनंत शुभकामनाएं। ये वो लोग हैं जो बेहतर कल के लिए निर्माण करते हैं, नई चीज़ें बनाते हैं और समाधान देते हैं। ओम बिरला ने कहा कि डॉ. विश्वेश्वरैया ने अपनी असाधारण तकनीकी कुशलता, अनुशासन और दूरदर्शिता के माध्यम से भारत के जल संसाधनों, सिंचाई और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनका जीवन इस बात का प्रमाण है कि यदि ज्ञान, नवाचार और कर्तव्य-निष्ठा को राष्ट्रहित से जोड़ा जाए, तो असंभव को भी संभव बनाया जा सकता है। आज का दिन देश के उन लाखों इंजीनियरों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है, जो अपनी प्रतिभा और नवाचार के माध्यम से भारत के विकास की नई गाथा लिख रहे हैं। आज, जब भारत मजबूत बुनियादी ढांचे, आधुनिक तकनीक, डिजिटल प्रगति, आत्मनिर्भरता और नवाचार के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रहा है, तो हमारे इंजीनियरों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। राजनाथ सिंह ने कहा कि देश के इंजीनियरों की काबिलियत और लगन भारत की तकनीकी प्रगति को आगे बढ़ा रही है, बुनियादी ढांचे को मजबूत कर रही है और एक 'विकसित भारत' का निर्माण कर रही है एम. विश्वेश्वरैया का जीवन उत्कृष्टता, अनुशासन, इनोवेशन और जन-सेवा का एक बेहतरीन उदाहरण है। भारत के राष्ट्र-निर्माण के सफ़र में उनके असाधारण योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि एम. विश्वेश्वरैया की अद्भुत दूरदर्शिता, अनुशासन और इंजीनियरिंग में उत्कृष्टता आज भी पीढ़ियों को प्रेरित करती है। उनका जीवन याद दिलाता है कि इंजीनियरिंग का मतलब सिर्फ़ ढाँचे बनाना नहीं बल्कि एक मजबूत, लचीला और आत्मनिर्भर राष्ट्र का निर्माण करना है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भारत रत्न एम. विश्वेश्वरैया की जयंती पर उन्हें सादर नमन किया और 'राष्ट्रीय अभियंता दिवस' पर देश की प्रगति के लिए प्रयासरत सभी इंजीनियरों को हार्दिक बधाई दी।

राजमाता विजयराज कुमारी मेवाड़ का निधन

उदयपुर और पूरे मेवाड़ क्षेत्र में शोक की लहर

एजेंसी

उदयपुर । मेवाड़ के पूर्व राजपरिवार की सदस्य राजमाता विजयराज कुमारी मेवाड़ के निधन के बाद राजस्थान के उदयपुर और पूरे मेवाड़ क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। सोमवार देर रात लंबी बीमारी के बाद 83 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया। उनकी मृत्यु पर उदयपुर, मेवाड़ और मारवाड़ में शोक की लहर दौड़ गई है। भारत और विदेश के प्रशंसक, सामाजिक संगठन और राजनीतिक नेता उनके जीवन और विरासत को श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। अपनी गर्मजोशी, गरिमा और जन कल्याण के प्रति समर्पण के लिए याद की जाने वाली राजमाता विजयराज कुमारी ने शिक्षा और सामाजिक सेवा, विशेष रूप से उदयपुर में, महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके निधन से एक ऐसे व्यक्तित्व का युग समाप्त हो गया जो शहर की सांस्कृतिक और सामाजिक पहचान से घनिष्ठ रूप से जुड़ा रहा। राजमाता विजयराज कुमारी भारत के सबसे प्रतिष्ठित राजपरिवारों में से एक थीं। उनका

जन्म गुजरात के कच्छ के पूर्व राजपरिवार में हुआ था और वे कच्छ के महाराज फतेह सिंह की छोटी पुत्री और कच्छ के महाराव की पोती थीं। विवाह के बाद, वे मेवाड़ के पूर्व राजपरिवार की सदस्य बनीं और स्वर्गीय अरविंद सिंह मेवाड़ की पत्नी बनीं। वे डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ की माता भी थीं, जो एक प्रख्यात समाजसेवी और शिक्षाविद हैं और मेवाड़ परिवार की वर्तमान पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं।

राजमाता विजयराज कुमारी ने अपने पूरे जीवन में पारिवारिक जिम्मेदारियों के साथ-साथ मेवाड़ की परंपराओं और लोक सेवा के चिरस्थायी मूल्यों को संरक्षित करने की गहरी प्रतिबद्धता को बखूबी निभाया। उनके स्नेहपूर्ण स्वभाव और दृढ़ जिम्मेदारी की भावना ने उन्हें शाही परिवार के भीतर और उदयपुर के लोगों के बीच सम्मान दिलाया। शिक्षा राजमाता विजयराज कुमारी के सार्वजनिक जीवन का एक अभिन्न अंग थी। उन्होंने ऊटी के फ्रांसिस्कन कॉन्वेंट स्कूल में प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की, जिसने उन्हें आधुनिक दृष्टिकोण प्रदान किया और साथ ही उन्हें मजबूत मूल्यों से भी परिचित कराया। उदयपुर में बसने के बाद, उन्होंने शिक्षा तक पहुंच बढ़ाने और महिला सशक्तीकरण के उद्देश्य से शुरू की गई पहलों का समर्थन करने में गहरी रुचि ली। महाराणा मेवाड़ पब्लिक स्कूल (एमएमपीएस) के साथ उनका जुड़ाव विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो गया। 1980 के दशक के दौरान, उन्होंने संस्था के विकास और परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, और इसे एक आधुनिक, अनुशासित और गुणवत्ता-केंद्रित शैक्षिक मॉडल की ओर निर्देशित करने में मदद की। संस्था में उनके योगदान का अमिट प्रभाव रहा, जिसके परिणामस्वरूप कई पीढ़ियों के छात्र उच्च शिक्षा और पेशेवर करियर की ओर अग्रसर हुए। जो लोग उन्हें करीब से जानते थे, उनके लिए राजमाता विजयराज कुमारी के लिए शिक्षा केवल एक संस्था निर्माण प्रक्रिया नहीं थी।

गणेश चतुर्थी पर खूनी विवाद, चेन्नई में युवक की मौत और डिंडीगुल में किसान की हत्या

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु में गणेश चतुर्थी उत्सव के दौरान अलग-अलग घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई। चेन्नई के रामापुरम स्थित वेंकटेश्वरा नगर में गणेश प्रतिमा जुलूस के दौरान दो पक्षों के बीच हुई झड़प में गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं, डिंडीगुल जिले में गणेश प्रतिमा स्थापित करने को लेकर हुए विवाद के बाद एक किसान की हत्या कर दी गई। चेन्नई के रामापुरम स्थित वेंकटेश्वरा नगर में गणेश चतुर्थी के अवसर पर बीते सोमवार को गणेश प्रतिमा का जुलूस निकाला जा रहा था। इसी दौरान जुलूस को पूरे इलाके में ले जाने की मांग को लेकर दो पक्षों के बीच बहस शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों समूहों के बीच मारपीट हो गई। झड़प के दौरान श्रीनिवासन गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन इलाज के दौरान 15 सितंबर को उनकी मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में तनाव और शोक का माहौल है। रामापुरम पुलिस ने मामले में हत्या का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने आनंद नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू की है। इसके अलावा, झड़प में शामिल अन्य लोगों की पहचान के लिए भी जांच की जा रही है। इसी बीच डिंडीगुल जिले के कुजिलियामपाराई तालुक के रामगिरी के पास बोम्मनायक्कनपट्टी में भी गणेश चतुर्थी के दौरान विवाद के बाद एक किसान की हत्या का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान 47 वर्षीय बोम्मन के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि 13 सितंबर को पैतृक गांव में गणेश प्रतिमा स्थापित करने को लेकर बोम्मन का गांव के कुछ लोगों से विवाद हुआ था। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस उन्हें कुजिलियामपाराई थाने ले गई, जहां बातचीत के जरिए विवाद सुलझाने का प्रयास किया गया। बातचीत समाप्त होने के बाद बोम्मन करुवाडु नायक्कनूर स्थित अपनी तीसरी पत्नी के घर के लिए रवाना हुए, लेकिन वह वहां नहीं पहुंचे। बाद में पुलिस और उनके परिजनों को सूचना मिली कि मुष्टकिनत्तुपट्टी इलाके में बोम्मन मृत अवस्था में पड़े हैं और उनके शरीर के अलग-अलग हिस्सों पर खून के घाव हैं।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि बोम्मन की हत्या किन परिस्थितियों में हुई और इसमें कौन-कौन लोग शामिल थे।

भाजपा नेता मिथुन ने शुरू की 'बंगाल फुटबॉल एकेडमी' बनाने की पहल

कोलकाता। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता मिथुन चक्रवर्ती ने 'बंगाल फुटबॉल एकेडमी' बनाने की पहल फिर से शुरू की है, जिसकी कोशिश करीब 15 साल से जारी है। सोमवार को उन्होंने न्यू टाउन में पूर्व फुटबॉलर्स के साथ एकेडमी की योजना पर चर्चा की। मिथुन चक्रवर्ती की योजना प्रत्येक जिले से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को लाना है। वह पहाड़ी इलाकों पर भी फोकस करेंगे। उनकी योजना शुरुआत में 60 फुटबॉलर्स के साथ एकेडमी शुरू करना है। इसके साथ ही दिग्गज अभिनेता मिथुन ने एकेडमी के वित्तीय योजना के बारे में भी बताया। मीडिया के साथ बातचीत में मिथुन चक्रवर्ती ने कहा, 'बीते 15 वर्षों से कुछ हुआ नहीं, क्योंकि मैं शामिल था। मेरा नाम आते ही सब कुछ बैन कर दिया गया। कोई मैदान, कोई

फील्ड कुछ नहीं दिया गया... बोल के भी नहीं दिया। इसलिए 15 साल से ये ठप्प पड़ा हुआ था, लेकिन हम लोगों ने एक करोड़ रुपए जमा करके रखे हैं, जो अभी भी बैंक में हैं। अभी इस एकेडमी को चलाने के लिए, इसको ताकत देने के लिए और दो-तीन करोड़ रुपए मैं चंदे से जुटाउंगा, ताकि बंगाल फुटबॉल एकेडमी अच्छी तरह से चल सके।' उन्होंने कहा, 'हम लोग अभी डिस्ट्रिक्ट में लोगों को भेजेंगे। सब जगह से अच्छे खिलाड़ियों को चुनेंगे।

हम 60 खिलाड़ियों को चुनेंगे, जिसमें से आदिवासी खिलाड़ियों पर मेरी ज्यादा नजर है। पहाड़ी इलाकों में, दार्जिलिंग, कालिम्पोंग ये सब जगह हिल्स एरिया में जो लड़के अच्छा खेलते हैं, उनके ऊपर मेरी ज्यादा नजर है। हमने चार-पांच ग्राउंड सोच रखे हैं। टेंडर के जरिए हमें जो मिलेगा, हम उसी में काम करेंगे।'

चेक गणराज्य फुटबॉल टीम के पूर्व गोलकीपर लुडेक मिकलोस्को का निधन

नई दिल्ली। वेस्ट हैम, क्यूपीआर और चेक गणराज्य फुटबॉल टीम के पूर्व गोलकीपर लुडेक मिकलोस्को का लंबी और गंभीर बीमारी से जूझने के बाद 64 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। मिकलोस्को वेस्ट हैम फुटबॉल क्लब के दिग्गज खिलाड़ी थे। उन्होंने इंग्लिश प्रीमियर लीग क्लब के लिए 300 से ज्यादा मैच खेले। 2021 में उन्हें कैंसर का पता चला था और दिसंबर 2024 में उन्होंने इलाज बंद कर दिया था। वेस्ट हैम ने मिकलोस्को को श्रद्धांजलि दी, जिन्हें 1990-91 में क्लब का 'हैमर ऑफ द ईयर' चुना गया था। वेस्ट हैम ने एक बयान में कहा, 'बहुत गहरे दुख के साथ वेस्ट हैम यूनाइटेड

दिग्गज पूर्व गोलकीपर और कोच लुडेक मिकलोस्को के निधन की घोषणा करता है। लुडेक, आप शांति से सोएं; आप हमारे प्यारे, प्रेरणादायक गोलकीपर और एक नेक और बड़े दिल वाले इंसान थे।' वहीं, उनके बेटे मार्टिन मिकलोस्को ने वेस्ट हैम के प्रति अपने पिता के प्यार का जिक्र किया। मार्टिन ने कहा, 'कैंसर से बहादुरी और हिम्मत के साथ लड़ने के बाद मेरे पिता लुडेक के निधन की खबर देते हुए हमारा दिल टूट गया है। डैड को वेस्ट हैम यूनाइटेड से बहुत प्यार था, और उन्हें खास तौर पर हर मैच में अपना नाम जोर-शोर और गर्व के साथ गाए जाते हुए सुनना बहुत पसंद था। क्लब और उसके प्रशंसक हमारे परिवार का हिस्सा थे और हमेशा रहेंगे, इसलिए आप सभी का दिल से शुक्रिया।'

संक्षिप्त समाचार

एटीपी रैंकिंग

जोकोविच सात पायदान नीचे खिसके, 24 साल बाद पहली बार 'टॉप 10' से 'बिग 3' नदारद

नई दिल्ली। यूएस ओपन के पहले ही राउंड में नोवाक जोकोविच को चौंकाने वाली हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद सोमवार को जारी एटीपी रैंकिंग में वह 'टॉप 10 से बाहर होकर 12वें स्थान पर खिसक गए। जोकोविच को पहले ही राउंड में अर्जेंटीना के मारियानो नावोन के हाथों शिकस्त मिली थी। अक्टूबर 2002 के बाद ऐसा पहली बार

है, जब 'बिग थ्री' (जोकोविच, राफेल नडाल और रोजर फेडरर) में से कोई भी एटीपी रैंकिंग के 'टॉप-10' में शामिल नहीं है। 20 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता फेडरर ने साल 2022 में संन्यास लिया था, जबकि 22 बार के मेजर विजेता नडाल ने 2024 में खेल को अलविदा कह दिया था। 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन जोकोविच 39 साल की उम्र में भी खेल रहे हैं और उन्हें अपने 25वें मेजर खिताब की उम्मीद है, जिससे वे मार्गरेट कोर्ट के 24 खिताबों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ देंगे।
हालांकि, 25वें खिताब की उनकी हालिया कोशिश तब खत्म हो गई जब मारियानो नावोन के खिलाफ मैच के दौरान उन्हें शारीरिक परेशानी और उल्टी हुई। न्यूयॉर्क में हार के बाद जोकोविच ने कहा, 'मुझे अतीत की सभी उपलब्धियों पर बहुत गर्व है, लेकिन अब जो है, सो है। यह स्पष्ट था कि कोर्ट पर मुझे बहुत खराब महसूस हो रहा था।

विश्व की नंबर एक महिला खिलाड़ी बनीं रिबाकिना, खत्म की सबालेंका की बादशाहत

नई दिल्ली। सोमवार को जारी साप्ताहिक डब्ल्यूटीए रैंकिंग में बेलारूस की एरीना सबालेंका से आगे निकलने के बाद एलेना रिबाकिना आधिकारिक तौर पर विश्व की नई नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी बन गई हैं। हाल ही में खत्म हुए यूएस ओपन क्वार्टर फाइनल में किनवेन झेंग को हराने के बाद ही रिबाकिना का टॉप स्पॉट पक्का हो गया था। कजाकिस्तान की स्टार खिलाड़ी ने फाइनल में सबालेंका को हराकर इस टूर्नामेंट का समापन किया। रिबाकिना सिंगल्स रैंकिंग में वर्ल्ड नंबर 1 बनने वाली कजाकिस्तान की पहली (पुरुष या

महिला) खिलाड़ी बन गई हैं। पूरे सीजन में शानदार प्रदर्शन के कारण वह सबालेंका के काफी करीब बनी रहीं, जबकि बेलारूसी टेनिस स्टार का फॉर्म सीजन के बीच में थोड़ा गिर गया था। जहां सीजन के बीच में सबालेंका की लय बिगड़ी, वहीं रिबाकिना पिछले साल के आखिर से ही टॉप पर पहुंचने की ओर बढ़ रही थीं। उन्होंने इस साल सीजन के बीच में नॉर्थ अमेरिकन हार्ड-कोर्ट स्विंग पर शानदार प्रदर्शन किया और उसके बाद 'बिग एप्पल' (न्यूयॉर्क) में भी सफलता हासिल की। नंबर 1 पोजीशन पक्का होने पर रिबाकिना ने प्रतिक्रिया दी थी। डब्ल्यूटीए के अनुसार, रिबाकिना ने कहा, 'यह इतिहास है, और मुझे कजाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करने पर बहुत गर्व है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं प्रोफेशनल बनूंगी या इतने बड़े मंचों पर इस तरह के टूर्नामेंट खेलूंगी।'

ज्वेरेव ने जीता यूएस ओपन

फाइनल में बेन शेल्टन को दी शिकस्त

न्यूयॉर्क। अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने यूएस ओपन 2026 के पुरुष सिंगल्स फाइनल में अमेरिकी बेन शेल्टन को 6-3, 7-6(2), 5-7, 6-2 से हराकर अपना दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब और साल का दूसरा मेजर खिताब जीता। तीन घंटे 33 मिनट तक चले इस मुकाबले में जीत हासिल करने के बाद ज्वेरेव ने एटीपी लाइव रेस टू ट्यूरिन में अपनी बढ़त और मजबूत कर ली है। अब वह सिनर से 700 अंक आगे हैं। यह रैंकिंग बताती है कि साल के अंत में एटीपी का नंबर एक खिलाड़ी कौन बनेगा। ज्वेरेव अपना छठा ग्रैंड स्लैम फाइनल और इस साल का तीसरा फाइनल खेल रहे थे, जबकि शेल्टन अपने करियर में पहले कभी इस स्टेज तक नहीं पहुंचे थे। जर्मनी के स्टार खिलाड़ी ज्वेरेव इस साल शानदार फॉर्म में रहे हैं। मेजर टूर्नामेंट्स में उनका रिकॉर्ड 25 जीत और सिर्फ 2 हार का रहा है। उन्होंने इस साल केवल दो खिताब जीते हैं, लेकिन दोनों ग्रैंड स्लैम ट्रॉफियां हैं। इसी वजह से वे साल के अंत में दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी बनने की दौड़ में मजबूती से बने हुए हैं। अपनी जीत के बाद ज्वेरेव ने अपनी मां को खास तौर पर याद किया और बताया कि ग्रैंड स्लैम न जीत पाना उनके सामने आई सबसे बड़ी मुश्किल नहीं थी। ज्वेरेव ने कहा, 'जब आपके 4 साल के बेटे को डायबिटीज का पता चलता है और डॉक्टर आपको बताते हैं कि उस बच्चे की जिंदगी और खेल बहुत सीमित हो जाएंगे, तो उन डॉक्टरों के केबिन से बाहर निकलकर यह कहना कि 'मेरा बेटा जो चाहेगा, वही बनेगा' – इसके लिए एक बहुत ही मजबूत मां की जरूरत होती है।'

उन्होंने आगे कहा, 'अगर वह टेनिस खिलाड़ी बनना चाहता है, तो वह टेनिस खिलाड़ी बनेगा। अगर वह कुछ और करना चाहता है, तो वह कुछ और करेगा। मगर यह बीमारी हमारी पहचान तय नहीं करेगी। मुझे खुशी है कि हमने इससे मिलकर

मुकाबला किया, और हम अभी जो कुछ भी कर रहे हैं, वह कर पा रहे हैं।'

शेल्टन 23 साल पहले यूएस ओपन में एंडी रॉडिक के बाद मेजर खिताब जीतने वाले पहले अमेरिकी पुरुष खिलाड़ी बनने की कोशिश कर रहे थे। हालांकि, वह नंबर 1 सीड खिलाड़ी को नहीं हरा पाए। यह अमेरिकी खिलाड़ी 1975 में आर्थर ऐश के बाद इस स्तर पर जीत हासिल करने वाले दूसरे अफ्रीकी-अमेरिकी पुरुष बनने की कोशिश कर रहे थे। अपने पहले ग्रैंड स्लैम फाइनल में हार के बावजूद 23 वर्षीय शेल्टन का प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में मौजूदा चैंपियन कार्लोस अल्काराज को हराया था। इस शानदार अभियान के दम पर वह एटीपी रैंकिंग में अपने करियर की सबसे बेहतरीन चौथी रैंकिंग पर पहुंच जाएंगे।

धीरज बोम्मादेवरा ने रचा इतिहास

तीरंदाजी विश्व कप फाइनल जीतने वाले बने पहले भारतीय पुरुष खिलाड़ी

साल्टिलो (मेक्सिको)। जयंत तालुकदार के विश्व कप फाइनल में पदक जीतने के 16 साल बाद भारत को पुरुष रिकर्व वर्ग में फिर से बड़ी सफलता मिली है। धीरज बोम्मादेवरा ने बेहद दबाव भरे शूट-ऑफ में शानदार संयम दिखाते हुए जीत हासिल की। इसके साथ ही वह तीरंदाजी विश्व कप फाइनल का खिताब जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष तीरंदाज बन गए हैं। दुनिया के नंबर 10 तीरंदाज और सेना के 25 वर्षीय खिलाड़ी धीरज ने साल्टिलो में हुए रोमांचक फाइनल में जापान के नाकानिशी जुन्या को 6-5 से हराया। पांच सेट के बाद मुकाबला 5-5 से बराबरी पर था, जिसके बाद शूट-ऑफ में धीरज ने 10 का स्कोर किया, जबकि नाकानिशी ने 9 का स्कोर किया और धीरज ने गोल्ड मेडल अपने नाम करने में सफल रहे।

यह सफलता धीरज के लिए और भी खास रही, क्योंकि पिछले दो तीरंदाजी विश्व कप फाइनल में वह पदक नहीं जीत पाए थे। 2023 और 2024 में उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ा था। हालांकि, इस बार उन्होंने नॉकआउट मुकाबलों में शानदार खेल दिखाया और फाइनल में दुनिया के 20वें नंबर के तीरंदाज नाकानिशी का सामना किया।

फाइनल में कोई भी तीरंदाज हार मानने को तैयार नहीं था। पांच सेटों में स्कोर 28-28, 28-29, 29-28, 28-30 और 28-27 रहा, जिससे गोल्ड मेडल का फैसला बहुत कम अंतर से हुआ। धीरज की जीत ने इस प्रतिष्ठित सीजन-एंडिंग इवेंट में भारत का रिकॉर्ड भी बदल दिया। तालुकदार ने पहले 2010 में एडिनबर्ग में ब्रॉन्ज मेडल जीता था, लेकिन टूर्नामेंट की शुरुआत से अब तक कोई भी भारतीय पुरुष गोल्ड मेडल नहीं जीत पाया था।

भारत की एकमात्र अन्य व्यक्तिगत विश्व कप फाइनल चैंपियन डोला बनर्जी हैं, जिन्होंने 2007 में दुबई में महिलाओं का खिताब जीता था।

विमेंस एशिया कप के साथ भारत ने 'एशियन गेम्स' के लिए भी बेहतरीन तैयारी की: देवजीत सैकिया

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने रविवार को दुबई में खेले गए 'विमेंस एशिया कप 2026' के फाइनल में श्रीलंका को 72 रन से रौंदकर रिकॉर्ड 8वीं बार खिताब जीता। 'विमेन इन ब्लू' के प्रदर्शन से भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष देवजीत सैकिया बहुत खुश हैं। उनका मानना है कि इस टूर्नामेंट के साथ भारत ने एशियन गेम्स की शानदार तैयारी की है। सैकिया ने सोमवार को पत्रकारों से कहा, 'भारतीय महिला टीम ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। भारत के सभी मैच एकतरफा रहे हैं। एशिया कप के साथ भारतीय टीम ने एशियन गेम्स 2026 के लिए भी बेहतरीन तैयारी की है। मैं टीम और सपोर्ट स्टाफ को बधाई देता हूं। हमारी यही कोशिश रहेगी कि जीत के इस सिलसिले को जापान (एशियन गेम्स) तक ले जाएं।' सैकिया ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सफलता का श्रेय बोर्ड के पूर्व सचिव जय शाह को देते हुए कहा, 'जय शाह ने महिला क्रिकेट को बढ़ावा दिया है।

खिताबी जीत के बाद क्रांति गौड़ पर आईसीसी ने लगाया जुर्माना

दुबई। भारत ने रविवार को श्रीलंका के खिलाफ विमेंस एशिया कप 2026 का फाइनल 72 रन से अपने नाम किया, लेकिन इस जीत के दौरान आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए भारतीय तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने सोमवार को बताया कि क्रांति गौड़ ने खिलाड़ियों की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 का उल्लंघन किया है, जिसमें ऐसी भाषा, हरकत या इशारे शामिल हैं जो किसी बल्लेबाज के आउट होने पर उनका अपमान करते हैं या आक्रामक प्रतिक्रिया भड़का सकते हैं। यह घटना श्रीलंका की पारी के शुरुआती ओवर की है, जब क्रांति ने ओपनर इमेशा दुलानी को बोल्ड करने के बाद पवेलियन की ओर इशारा किया। मैच फीस में कटौती के अलावा, क्रांति के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट प्वाइंट भी जोड़ा गया। यह 24 महीने की अवधि में उनका पहला अपराध था।

क्रांति पर यह आरोप ऑन-फील्ड अंपायर सलीमा इम्तियाज और शथिरा जाकिर जेसी ने आरोप लगाए थे। इसमें थर्ड अंपायर रोकेया सुल्ताना और चौथे अंपायर हुमैरा फराह भी शामिल थीं, जिसके बाद आईसीसी इंटरनेशनल पैनल की मैच रेफरी सुप्रिया रानी दास ने यह सजा दी।

क्रांति ने आरोप स्वीकारते करते हुए सजा मान ली, जिससे औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। आईसीसी के नियमों के तहत, लेवल 1 के अपराधों के लिए खिलाड़ी की मैच फीस का अधिकतम 50 प्रतिशत जुर्माना और दो तक डिमेरिट प्वाइंट्स दिए जा सकते हैं।

एक अलग फैसले में, शुक्रवार को श्रीलंका के हाथों सेमीफाइनल में हार के दौरान धीमी ओवर-रेट बनाए रखने के लिए पाकिस्तान पर मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया गया, क्योंकि समय की छूट को ध्यान में रखने के बाद भी वे अपने लक्ष्य से एक ओवर पीछे पाए गए। आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.22 के तहत, अगर कोई टीम तय समय में अपने ओवर पूरे नहीं कर पाती, तो खिलाड़ियों की मैच फीस का 5 प्रतिशत हिस्सा हर ओवर के लिए काट लिया जाता है। पाकिस्तानी कप्तान फातिमा सना ने अपनी गलती मानते हुए सजा स्वीकार कर ली है।

आम्रपाली दुबे ने भोजपुरी इंडस्ट्री के बदलाव पर बात की

भोजपुरी सिनेमा की जानी- मानी अभिनेत्री आम्रपाली दुबे इन दिनों 'बिग-बॉस 20' में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने भोजपुरी इंडस्ट्री के बदलाव पर बात करते हुए कहा कि हाल के सालों में इंडस्ट्री में फीमेल-ओरिएंटेड कहानियां और फीमेल सुपरस्टार्स के कारण फिल्में ज्यादा सफल हो रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि अब लेखकों को मुश्किल किरदारों के लिए उन्हें पहली पसंद के तौर पर देखना चाहिए। अभिनेत्री से सवाल किया, 'क्या आपको लगता है कि भोजपुरी इंडस्ट्री ने उन्हें काफी चुनौतीपूर्ण किरदार दिए हैं?' अभिनेत्री ने कहा, 'हां, दिए हैं। मुझे लगता है कि जब भी कोई लेखक कोई चुनौतीपूर्ण किरदार लिखता है, तो उसके दिमाग में सबसे पहला नाम आम्रपाली दुबे का ही आना चाहिए।' अभिनेत्री से आईएएनएस ने एक और सवाल किया, 'क्या आप इस बात से सहमत होंगी कि भोजपुरी सिनेमा की अक्सर आलोचना होती है कि वह दमदार महिला-प्रधान कहानियों के बजाय स्टार जोड़ियों पर ज्यादा निर्भर रहा है? अभिनेत्री ने कहा, 'पिछले तीन, साढ़े तीन साल से भोजपुरी में जो फिल्में चली हैं, वो सिर्फ फीमेल सुपरस्टार्स की फिल्में हैं और ये बहुत गर्व की बात है।' उन्होंने कहा, 'मुझे ये कहते हुए बहुत गर्व महसूस हो रहा है कि हमारी इंडस्ट्री के नियम बदल गए हैं। अगर आप देखेंगे तो आपको पता चलेगा कि पिछले तीन, साढ़े तीन साल, बल्कि चार-पांच साल से काफी महिला-प्रधान फिल्में बन रही हैं और वो अच्छा कर रही हैं। लोगों का बहुत प्यार मिल रहा है।' आम्रपाली ने कहा कि धीरे-धीरे माहौल बदला है। उन्होंने कहा, 'किसी भी बदलाव को लाने में समय लगता है। हम भी अपना समय ले रहे हैं। हम थोड़ा लेट आएंगे लेकिन बहुत मजबूती के साथ आएंगे।' बिग बॉस भारत में बिग बॉस फ्रेंचाइजी का एक भारतीय हिंदी भाषा का रियलिटी टेलीविजन शो है, जो कलर्स टीवी पर आता है।

आप ग्लैमरस भी हो सकते हैं और स्पिरिचुअल भी

पेट्रोल पंप से लेकर सेल्स गर्ल का काम किया

एक्ट्रेस मुग्धा गोडसे ने कई सारी फिल्मों में काम किया है और कई पेजेंट्स भी जीते हैं। उन्होंने एक्टिंग के साथ गायन के क्षेत्र में भी कदम रख दिया है और इसका श्रेय वे अपने गुरु तरनेव जी को देती हैं। एक्ट्रेस ने बातचीत में काफी कुछ कहा है। पुणे के मध्यमवर्गीय परिवार में पली-बढ़ी मुग्धा गोडसे छोटी -सी उम्र में गलैमर की गलियों में आ गई थीं। ग्लैडरेग्स मेगा मॉडल हंट की विजेता बनने से पहले उन्होंने भी काफी संघर्ष का सामना किया। फैशन, जेल, हीरोइन, सत्याग्रह जैसी फिल्मों की अभिनेत्री इन दिनों चर्चा में हैं अपनी आध्यात्मिकता को लेकर। इस मॉडल-अभिनेत्री ने हाल ही में गायन के क्षेत्र में भी कदम रखा है। उनकी गाई हुई कृष्ण वंदना का श्रेय वे अपने गुरु तरनेव जी को देती हैं। यहां वे अपनी आध्यात्मिक यात्रा के साथ -साथ अपने पुराने दिनों को भी याद करती हैं।

अध्यात्म के लिए बैराग की जरूरत नहीं आम तौर पर समझा जाता है कि अध्यात्म और ग्लैमर का साथ-साथ चलना मुश्किल होता है, मगर मुग्धा गोडसे ने इस बात को गलत साबित किया है। वे कहती हैं, 'ये सब कुछ हमारे गुरु श्री तरनेव जी के कारण संभव हो पाया। मैं उनसे 2013 में मिली थी। वहीं से मेरा आध्यात्मिक पहलू मजबूत हुआ। लोग मानते हैं कि अध्यात्म की तरफ जाने के लिए बैरागी होना पड़ता है, मगर ऐसा नहीं है। आप अपने जीवन के दैनिक कार्यों के साथ अध्यात्म की राह पर भी चल सकते हैं।'

पार्ट टाइम जॉब कई सारे किए

मुग्धा ने कहा, 'इसी दौरान मैंने जिम में भी काम किया और बतौर इंस्ट्रक्टर। लेकिन मेरी शुरुआत इन्हीं छोटी-छोटी पार्ट-टाइम जॉब्स से हुई थी। मैंने सेल्स में काम किया, मैं ऑइल बेचने का काम करती थी। मैंने सर्वे किए और कई तरह के प्रमोशनल काम किए। एक समय मैंने लगातार करीब 30 दिनों तक काम करके लगभग 3,000 कमाए थे, जो उस वक्त मेरे लिए बड़ी बात थी। मेरे लिए अपने पैरों पर खड़े होने और खुद कमाने की शुरुआत कुछ इसी तरह हुई थी।'

गुरु जी ने बदला नजरिया

उन्होंने आगे कहा, 'गुरु जी ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि काम भी करना है और पैसे कमाने के लिए ग्लैमरस भी लगना है ।मगर इसका मतलब ये नहीं कि स्पिरिचुअल नहीं हुआ जा सकता। मेरा मानना है कि जीवन में गुरु का स्थान केवल एक शिक्षक का नहीं, बल्कि उस प्रकाश स्तंभ का होता है जो व्यक्ति को अंधकार से निकालकर सही दिशा दिखाता है। आधुनिक जीवन की भागदौड़ में अक्सर इंसान स्वयं से दूर हो जाता है, ऐसे में गुरु उसे उसके वास्तविक स्वरूप से परिचित कराते हैं। गुरु जी की आस्था और साधना ने जीवन को देखने का नजरिया बदला है।'

लगातार 30 दिनों तक काम करके 3000 कमाए थे

अपने संघर्ष के दौर को याद करते हुए वे कहती हैं, 'सभी जानते हैं कि मैं एक मिडल क्लास फैमिली से हूं और जब मैंने मॉडलिंग की शुरुआत की तब काफी स्ट्रगल फेस किया। मैं रोजाना पुणे एसटी बसों में से मुंबई अप डाउन किया करती थी। शुक्र है कभी मेरे साथ कोई हादसा नहीं हुआ। मैं कॉलेज के दिनों से ही काफी आत्मनिर्भर रही हूं। ये मेरे टीनेज दौर की बात है। उस दौरान मैं पार्ट-टाइम जॉब्स किया करती थी।'

पेट्रोल पंप पर भी किया काम

उन्होंने आगे कहा, 'इनमें पेट्रोल पंप पर काम करने से लेकर अलग-अलग तरह की सेल्स और प्रमोशनल जॉब्स तक शामिल थीं। पेट्रोल पंप पर मुझे 100 रुपए पर डे मिला करते थे। मेरा मकसद बस इतना था कि रोज करीब सौ रुपए कमा सकूं, ताकि मेरे पास अपने खर्च के लिए एक्स्ट्रा पॉकेट मनी हो। मेरे अंदर हमेशा से यह भावना रही है कि मुझे अपना पैसा खुद कमाना है। एक पेजर कंपनी में भी मैंने काम किया है। मैं और मेरी बहन, साथ ही दोस्तों का एक ग्रुप, ये सारे छोटे-मोटे काम साथ में किया करते थे। कॉलेज के बाद पांच-छह घंटे या जितना समय मिलता, हम काम करते और उससे जो पैसे मिलते, उनसे अच्छा लंच करते या वडा पाव खाते, घूमते-फिरते और अपनी छोटी-छोटी जरूरतें पूरी करते थे।'

मिर्जापुर- द मूवीः करियर की पहली 100 करोड़ी फिल्म पर बोलीं रसिका

'मिर्जापुर' फ्रेंचाइजी का किरदार बीना अपने हर पार्ट के साथ अलग-अलग रूप में दिखी है। इस किरदार को रसिका दुग्गल ने निभाया है। यह फिल्म उनके करियर की पहली 100 करोड़ क्लब में एंट्री करने वाली फिल्म है। एक बातचीत में उन्होंने इस पर काफी कुछ कहा।

फिल्म 'मिर्जापुर: द मूवी' पर बोलीं रसिका

फिल्म 'मिर्जापुर: द मूवी' बॉक्स ऑफिस पर तगड़ी कमाई कर रही है। इस पर फिल्म में बीना का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री ने अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने बातचीत में कहा, 'कोई भी काम पूरा करने के बाद, मुझे कभी भी परिणाम को लेकर कोई दबाव महसूस नहीं होता। लेकिन इस बार, मुझे उन प्रशंसकों के प्रति जिम्मेदारी का एहसास हुआ जिन्होंने आठ वर्षों तक वफादारी से हमारा साथ दिया और हमें इतना प्यार दिया। मैं बस यह सुनिश्चित करना चाहती थी कि वो खुश हो जाए, पर सिर्फ वो नहीं, और भी बहुत से लोग खुश हो जाएं। मैं सचमुच बहुत खुश हूं।

एक्ट्रेस ने कहा मैं आभारी हूं आगे अपनी बातचीत में रसिका दुग्गल ने कहा, 'अगर मुझे किसी भी स्क्रीन पर आने का मौका मिले, तो मैं आभारी हूं। लेकिन हां, थिएटर का अपना ही एक अलग माहौल होता है। ऐसा लगता है जैसे इतने साल से जिस चीज के लिए हम मेहनत कर रहे थे, उसे अब इतने रोमांटिक अंदाज में पेश किया जा रहा है। यह विचार बहुत रोमांचक है।'

करण जौहर की फिल्म की तारीफ

फिल्ममेकर करण जौहर द्वारा फिल्म की तारीफ किए जाने पर बीना ने कहा, 'अपने साथियों से सराहना मिलना, जिन्होंने इतनी खूबसूरत फिल्में बनाई हैं जिन्हें हमने बार-बार देखा है और याद रखा है, बहुत मायने रखता है। यह एक बिल्कुल अलग तरह का एहसास है। पिछले कुछ दिनों में बहुत से लोगों ने मुझे मैसेज किए। अब तो मुझे लालच आ रहा है, अगर दो घंटे में एक मैसेज भी नहीं आया तो मुझे अजीब लग रहा है । मैंने खून का स्वाद चख लिया है!'

पॉपुलर गाने पर बोलीं एक्ट्रेस

नुसरत फतेह अली खान के गानें 'सांसों की माला पे' को फिल्म 'मिर्जापुर' में नए अंदाज में फिल्माया गया। इसपर रसिका ने कहा, 'किसी लोकप्रिय, दिल को छू लेने वाले और यादों से जुड़े गाने का किसी महत्वपूर्ण दृश्य में बजना अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है।' इस गानें को फिल्म में बीना त्रिपाठी और उनके प्रेमी बिरजू लोहार पर फिल्माया गया है।

रश्मिका ने हाइब इंडिया से मिलाया हाथ

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना आज जिस मुकाम पर हैं, वहां तक पहुंचने का सफर उनके लिए आसान नहीं रहा। करियर की शुरुआत से लेकर लगातार बड़े प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनने तक रश्मिका ने कई ऐसे पल देखे हैं, जहां खुद पर भरोसा रखना बेहद जरूरी था। अब उन्हें भारत के नए टैलेंट को तलाशने वाली एक बड़ी पहल से जुड़ने का मौका मिला है। इस पर रश्मिका ने कहा कि वह इसे सिर्फ एक काम नहीं, बल्कि युवाओं के सपनों से जुड़ने का जरिया मानती हैं। रश्मिका मंदाना अब हाइब इंडिया के ऑडिशन से जुड़ गई हैं। इस पहल का मकसद भारत के अलग-अलग हिस्सों से टैलेंट को तलाशना, उसे निखारना और आगे बढ़ने का मौका देना है। हाइब वही कंपनी है, जो साउथ कोरिया के कई बड़े के-पॉप कलाकारों और ग्रुप्स के साथ काम करने के लिए दुनियाभर में जानी जाती है। अब भारत में इस ऑडिशन को लेकर काफी उत्सुकता है। हाइब इंडिया ने अपने टैलेंट हंट का दायरा भी बढ़ाया है और इस बार देश के कई नए शहरों में ऑडिशन आयोजित किए जा रहे हैं। इस पहल से जुड़कर रश्मिका काफी एक्साइटेड हैं। उन्होंने कहा, ''यह भारत के युवाओं के लिए ऐसा मौका है, जो उन्हें उस मुकाम तक पहुंचा सकता है जिसकी उन्होंने शायद कभी कल्पना भी न की हो। हर सफर किसी मौके से शुरू होता है और उस मौके को स्वीकार करने के लिए हिम्मत चाहिए होती है। जब मैं अपने सफर को पीछे मुड़कर देखती हूं, तो एहसास होता है कि खुद पर भरोसा बनाए रखना, लगातार मेहनत करना और उन संभावनाओं को हां कहना कितना जरूरी होता है, जो आपको आगे ले जा सकती हैं।''

रश्मिका ने कहा, ''मुझे लगता है कि हाइब इंडिया के साथ यह साझेदारी भारत में अपनी तरह का एक अलग मौका है। हाइब पूरी दुनिया में बड़े कलाकारों और ग्लोबल आवाजों को तैयार करने के लिए जाना जाता है, और अब भारत में आकर यहां के युवा टैलेंट को तलाशना वाकई खास बात है। हाइब इंडिया के ऑडिशन में सिंगिंग, डांस, रैप और दूसरे परफॉर्मेंस से जुड़े हुनर दिखाने का मौका दिया जा रहा है।'' रश्मिका ने देश की उन लड़कियों से इस मौके का फायदा उठाने की अपील की है जो कलाकार, परफॉर्मर या रोल मॉडल बनने का सपना देखती हैं।

संघर्ष कभी बेकार नहीं जाता

सूरज बड़जात्या की फिल्म से मौका पाने वाले अक्षय ओबेरॉय को लगा था कि वो रातोरात सुपरस्टार बन जाएंगे। हालांकि वे मानते हैं कि उनकी लॉटरी लगी है। उन्होंने कहा- मैंने अपनी बेस्ट फ्रेंड से शादी की है तो इस मामले में मैं खुशकिस्मत रहा हूं। उन्होंने ये भी कहा- बेटे की नजर में मैं सुपरस्टार हूं।

अक्षय ओबेरॉय को जब सूरज बड़जात्या जैसे बड़े फिल्मकार की फिल्म 'इसी लाइफ' में से पहला ब्रेक मिला, तो उन्हें लगा था कि अब तो वे रातोरात सुपरस्टार बन जाएंगे। हालांकि, फिल्म चली नहीं तो अक्षय का सपना भी अधूरा रह गया, मगर उन्होंने हार नहीं मानी। पिज्जा, गुड़गांव जैसी फिल्में हों या फ्लेश, हाई जैसी वेब सीरीज, जब जहां मौका मिला, वे अपना ऐक्टिंग टैलंट दिखाने से नहीं चूके। यही वजह है कि आज फाइटर, टॉक्सिक, किंग जैसी बड़ी फिल्में कर रहे अक्षय अपने बेटे आव्यान के लिए बड़े 'सुपरस्टार' हैं। इन दिनों पुरुषों के हक की आवाज उठाने वाली फिल्म लव लॉटरी के लिए चर्चा बटोर रहे अक्षय बताते हैं, 'असल में, फाइटर बच्चों को बहुत पसंद आई। उसके गाने बच्चों के दिमाग में बैठ गए हैं तो बेटे के स्कूल में उसके दोस्तों को लगता है कि मैं कोई बहुत बड़ा सुपरस्टार हूं। इसलिए बेटे को भी लगता है कि मेरा पापा बहुत बड़ा सुपरस्टार है। आजकल लोग मुझे सड़कों पर पहचान भी रहे हैं जो पहले होता नहीं था तो आव्यान बहुत एक्साइटेड होता है। हम लोग अभी लंदन, पेरिस, घूमकर आए। वहां कोई न कोई भारतीय आकर मुझसे बात करने लगता था तो वो खुश हो जाता था कि देखो, मेरा पापा क्या है! उसके लिए मैं तो हीरो हूं और मैं चाहता हूं कि वह इमेज कभी तोड़ूं ना। मेरी कोशिश है कि उसकी नजर में मैं कभी कुछ गलत न करूं।'

अक्षय को इस मुकाम तक पहुंचने में डेढ़ दशक लगा। संघर्ष के दौर में वे कैसे डटे रहे? इस पर वह कहते हैं, 'आज जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं तो वो पागलपन ही लगता है। लोग मुझसे कहते थे कि तुममें बहुत क्षमता है, बस एक शुक्रवार की जरूरत है और मैं कहता था कि हां, आप सही कह रहे हैं। मुझे यकीन था कि वो दिन आएगा।

ये जुनून ही था, पागलपन ही था। फिर अचानक एक फाइटर मिल जाती है जो टर्निंग पॉइंट साबित होती है। ये इतने साल की मेहनत ही है कि सिद्धार्थ आनंद जैसा डायरेक्टर आपको रितिक रोशन और दीपिका पादुकोण जैसे स्टार्स के बगल में खड़ा कर देता है और आप कर पाते हैं क्योंकि आपने इतना देखा और झेला है। आपका संघर्ष कभी बेकार नहीं जाता। मैं ऊपरवाले का शुक्रगुजार हूं कि मैं डटा रहा, मैंने छोड़ा नहीं।

ऐक्टिंग के लिए मैं खाना-पीना, सोना सब भूल सकता हूं। मैं ऐक्टिंग न करूं तो डिप्रेस हो जाता हूं। इसलिए, असफलता का मुझ पर कभी असर पड़ा नहीं क्योंकि मैं काम लगातार कर रहा था।'

356 दिन ऐक्टिंग करने को तैयार हूं

अक्षय फ्लेश, हाई, मैडम चीफ मिनिस्टर जैसी सीरीज/फिल्म में अपनी नेगेटिव भूमिका के लिए काफी सराहे गए। जबकि, अरविंद पांडे निर्देशित फिल्म लव लॉटरी में वह प्यार में धोखा खाने वाले सच्चे प्रेमी के रोल में है।

बकौल अक्षय, 'एक ऐक्टर को हर तरह की फिल्म करना चाहिए। मेरे ऊपर लाइमलाइट ऐसे कभी आया भी नहीं कि मेरी कोई इमेज हो कि मैं रोमांटिक हीरो हूं या ऐक्शन हीरो हूं। मैं सिर्फ ऐक्टर हूं, तो अलग-अलग तरह की फिल्में करता रहता हूं। फिर, एक अच्छी स्क्रिप्ट मिलना बहुत मुश्किल काम है। लोगों को लगता है कि ढेर सारी स्क्रिप्ट पड़ी हैं, जिसमें से मैं ये चूज करूंगा, ये नहीं करूंगा, पर ऐसा होता नहीं है। मुझे यह विषय बहुत पसंद आया कि एक आदमी प्यार की वजह से फंस गया।

यह आज की पीढ़ी की कहानी है, इसलिए मैंने यह फिल्म की, क्योंकि मेरी चाहत है कि मैं लगातार कैमरे के सामने रहूं। मैं साल के 356 दिन ऐक्टिंग कर सकूं ना तो मैं करूंगा। मैं चाहता हूं कि मेरी ऐक्टिंग लगातार बेहतर हो। लोग कहें कि तुम्हारी ग्रोथ बहुत बढ़िया है। मैं यह सुनने के लिए भूखा हूं। मेरे लिए ऐक्टिंग एक नशा है तो मैं कुछ अलग ढूंढ़ रहा था और ये स्क्रिप्ट आ गई।'

महिलाओं

की इन बातों में दखलंदाजी पुरुषों को बिल्कुल नहीं पसंद

पुरुषों और महिलाओं का नेचर एक दुसरे से बिल्कुल डिफरेंट होता है। उनके सोचने, बात करने, उन्हें देखने से ही मिजाज का पता लग जाता है कि उनका मूड किस तरह का है। एक तरफ जहां उन्हें प्यार, सरप्राइज, फेवरेट डिश खिलाकर उनका दिल जीता जा सकता है वहीं दूसरी ओर उन पर बेवजह की रोक-टोक, शक, गुस्सा करके आप उनके गुस्से की वजह भी बन सकती हैं। आपकी ये बाते बेवजह कलेश का कारण बन सकती हैं इन सभी बातों के इलावा भी महिलाऔं की कई एसी आदते होती हैं जो कि पुरूषों को बिल्कुल नहीं पसंद आतीं। एक्स से तुलना करना इस बात को हमेशा याद रखें कि आपके ब्वॉयफ्रेंड को आपके एक्स के बारे में जानने में कोई दिलचस्पी नहीं और न ही वो ये पसंद करेंगे कि आप हर चीज में उनकी तुलना अपने एक्स से करें। किसी दूसरे की तारीफ सुनना

महिलाएं अपने ब्वॉयफ्रेंड या पति से किसी दूसरी महिला के बारे में सुनना बिल्कुल भी पसंद नहीं करतीं जब तक वो उनकी कोई बहुत ही खास न हो।

लापरवाही करना

पुरुषों को महिलाओं की इस बात से सबसे ज्यादा उबन होती है। जब वो परेशान होती हैं, उनकी तबियत खराब होती है या कुछ कहने की कोशिश कर रही होती हैं लेकिन इस बारे में डायरेक्टली पूछने पर अक्सर वो 'नहीं, कुछ नहीं', ' मैं बिल्कुल ठीक हूं।' जैसे जवाब देकर टाल जाती हैं।

शादी और बच्चे की प्लानिंग

पुरुषों से एक ही सवाल बार-बार पूछना उनकी खीझ को बढ़ावा देता है। शादी और बच्चों के बारे में बातें करना उन्हें बिल्कुल भी पसंद नहीं होता। तो बेहतर होगा अगर आप किसी रिलेशनशिप में हैं तो इन टॉपिक्स को छेड़ने से पहले उनके मूड को भाप लें।

स्पेस छीनने की कोशिश

पुरुष रिलेशनशिप हो, शादी हो या बच्चों की जिम्मेदारी सबको एक साथ लेकर चलने के लिए उन्हें वक्त के साथ ही स्पेस चाहिए होता है जिसमें वो किसी की दखलंदाजी पसंद नहीं करते। इसलिए जब वो आराम से बैठे हो तो उन्हें परेशान न ही करना बेहतर होगा।

फैमिली को लेकर कमेंट

पुरुषों की गुड लिस्ट में शामिल होना है तो भूलकर भी उनकी मां, उनके भाई-बहन यहां तक कि उनके पेट्स को लेकर भी किसी तरह का कोई कमेंट न करें। उनके साथ जितना घुल-मिल कर रहने की कोशिश करेंगी उतना ही उन्हें अच्छा लगेगा।

कामकाजी महिलाओं का 'सपोर्ट सिस्टम'

लंच टाइम में विभा को चुप-चुप-सा देखकर सभी ने उसकी उदासी का कारण पूछा। विभा के घर में उसकी नौकरी को लेकर तनातनी चलती रहती थी। सास नहीं चाहती थी कि विभा नौकरी करे, मगर विभा अपनी योग्यता और अनुभव को यूँ ही नहीं बेकार जाने नहीं देना चाहती थी। सभी महिलाओं ने उसकी समस्या को सुना, समझा और जरा-सी देर में विभा के पास सुझावों का ढेर मौजूद था।

साथी महिलाओं की सलाह पर अमल कर विभा ने अपनी गलतियों को भी दुरुस्त किया और आखिरकार सासू माँ को मना ही लिया। अंजू को खाना बनाना नहीं आता था, और शादी हुई ऐसे व्यक्ति से, जो खाने का भयंकर शौकीन... अंजू की तो जान पर बन आई। उसने अपनी समस्या अपने दफ्तर की सहेलियों को बताई और चुटकी बजाते ही उसके पास हाजिर थीं ढेरों रेसिपीज...। यही नहीं, उसकी सहेलियों ने उसे घर बुलाकर कई डिशेज बनाना भी सिखाया।

प्रकृति ने स्वभाववश ही नारी को स्नेह, करुणा, संवेदना, सहिष्णुता सामंजस्य आदि गुणों से सँवारा है और आज नारी केवल घर में ही नहीं, बाहरी दुनिया में भी इसी अजस्र प्रेम की धार बहाती नजर आती है। सीमा की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी। वह बेटे को इंजीनियरिंग की कोचिंग करवाना चाहती थी, मगर रुपयों का इंतजाम नहीं हो पा रहा था। एक दिन परेशान हालत में उसके अपने दफ्तर में इसका उल्लेख किया और उसकी समस्या झट से सुलझ गई। उसकी सहेलियों ने उसके लिए रकम का इंतजाम कर दिया जिसे बाद में किस्तों में सीमा ने लौटा भी दिया।

तेजी से बदले आर्थिक समीकरणों ने नारी को दहलीज के बाहर कदम रखने को प्रेरित किया और घर के हर व्यवहार को चुस्त-दुरुस्त रखते हुए नारी ने बाहरी दुनिया के कार्य व्यवहार जमाने में भी उतनी ही दक्षता का परिचय दिया।

प्रकृति ने स्वभाववश ही नारी को स्नेह, करुणा, संवेदना, सहिष्णुता सामंजस्य आदि गुणों से सँवारा है और आज नारी केवल घर में ही नहीं, बाहरी दुनिया में भी इसी अजस्र प्रेम की धार बहाती नजर आती है। घर में कोई त्योहार हो तो विशेष पकवान केवल घर के लिए ही नहीं, दफ्तर के संगी-साथियों के लिए भी विशेष रूप से बनाए जाते हैं और उन्हें उसी स्नेह के साथ खिलाया भी जाता है।

दफ्तर में किसी एक की समस्या सारे समूह की समस्या बन जाती है और सारा समूह सिर जोड़कर उसे हल करने में जुट जाता है। कहा जाए तो पुरुषों की तुलना में नारी ने यहाँ भी अपनी गुणवत्ता सिद्ध की है। पुरुष स्वभावत: कम बोलने वाले और संकोची होते हैं। उस पर किसी को अपनी समस्याएँ बताना? उनका अहं हमेशा आड़े आ जाता है और सालों का साथ भी दफ्तर के कर्मचारियों में वह लगाव पैदा नहीं कर पाता।

सीधे शब्दों में कहा जाए तो पुरुष अवसर का उपयोग नहीं कर पाते व समूह का फायदा भी नहीं ले पाते। बनिस्बत इसके नारी थोड़े-से ही समय में न केवल आपस में स्नेह बंधन बुन लेती है, वरन विविध दिमागों में तैरते विविध विचारों का फायदा भी उठा लेती है।

अक्सर यह सोचा जाता है कि जब ये महिलाएँ बातें करती हैं तो या तो वे घर-परिवार की बुराई करती हैं या फिर साड़ी-गहनों की बातें..., मगर यह बिलकुल गलत है...। एक मल्टीनेशनल कंपनी में कार्यरत पूनम बोली... यहाँ आकर मैंने कितनी ही नई बातें सीखीं। वे बातें आचार-व्यवहार से लेकर पढ़ाई तक हर तरह की है। मैंने तो अपनी बीएड की डिग्री अपनी सहेलियों की मदद से ही ली है।

गर्भावस्था के दौरान खूब खाएं अखरोट, अनेको हैं फायदे

अखरोट ऊर्जा का बेहतर स्रोत है। साथ ही इसमें शरीर के लिए जरूरी पोषक तत्व, मिनरल्स, एंटीआक्सीडैंट्स, ओमेगा -3 फैटी एसिड और विटामिन्स प्रचुर मात्रा में मौजूद होते हैं जो मां और उसके अजन्मे बच्चे के लिए बहुत लाभकारी होता है।

गर्भवस्था के समय महिलाओं को अपने स्वास्थ का बहुत ध्यान रखना चाहिए, साथ ही अपने खान पान का भी। याद रहे जो आप खायेंगी वह सब आपके बच्चे तक पहुंचेगा। इसलिए अगर मां अच्छा और स्वास्थवर्धक भोजन खायेगी तो बच्चा भी अच्छे से बड़ा होगा।

गर्भवती महिलाओं के फैटी एसिड वाली चीज़ें जैसे कि अखरोट खाने से उनके होने वाले बच्चे को फूड एलर्जी का जोखिम कम होता है। इसे खाने से बच्चे की ग्रोथ के लिए आवश्यवक तत्व भी मिल जाते हैं।

आज हम आपको अखरोट की ऐसी ही कुछ खूबियां बताने जा रहें है:

उच्च रक्तचाप कम करता है

गर्भावस्था के दौरान अखरोट खाने से कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने से उच्च रक्तचाप को कम करने में मदद मिलती है। यह शरीर में बुरे फैट को कम कर अच्छे फैट की मात्रा बढ़ता है।

बच्चे के सही विकास के लिए अखरोट में मौजूद कॉपर भ्रूण के सामान्य विकास के लिए आवश्यक है। अखरोट में मौजूद फैटी एसिड (अल्फा-लिनोलेनिक एसिड) बच्चे के दांतों और हड्डियों के विकास में मदद करता है।

मां की इम्युनिटी बढ़ाता है यह बहुत जरुरी है कि मां बनने वाली महिलाएं भी अपना ध्यान रखें। जिससे वो किसी भी इन्फेक्शन की शिकार ना हों, और इसके लिए उन्हें चाहिए कि उनकी इम्युनिटी मजबूत हो। अखरोट में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन ई, पॉलीफिनॉल, और कॉपर यह होने वाली मां की इम्युनिटी बढाती है।

ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाता है अखरोट गर्भावस्था के दौरान शरीर के आंतरिक सूजन को कम करने में मदद करता है साथ ही ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ता है। इससे बच्चे तक ज्यादा खून पहुचता है जिससे उसे मां के शरीर में ज्यादा ऑक्सीजन और पोषक तत्व पहुँचते हैं।

वजन को नियंत्रित करे अखरोट प्रोटीन और फाइबर प्रचुर मात्रा में होता है जिससे आप ज्यादा खाना नहीं खाती हैं। अखरोट खाने से आप जंक फ़ूड खाने से दूर रहती हैं जिससे आप मधुमेह से भी बची रहती हैं।

अच्छी नींद के लिए गर्भावस्था के दौरान अखरोट खाने से आपको अच्छी नींद आएगी। अखरोट खाने से गर्भवती महिलाओं में मेलाटोनिन नाम का हार्मोन बनता है जिससे उन्हें अच्छी नींद आती है।

मेहनत पहचान है मेरी

मध्यम वर्ग की कामकाजी महिलाएं अपना सपोर्ट सिस्टम बनाने के लिए कितना कुछ खर्च कर देती हैं। बच्चे के रखरखाव के लिए फुल टाइम मेड रखना बहुत मंहगा है। बच्चे को क्रेच छोड़ना भी अच्छी खासी मशक्कत है। उसे लाना ले जाना तो भारी पड़ता ही है। इस सेवा का भुगतान करना भी कोई कम मंहगा नहीं। उस पर ट्यूशन का भी खर्च है। इसके साथ ही कपड़ों की धुलाई, ट्रांसपोर्ट और अन्य ढेर सारे खर्चे ऐसे हैं जिन्हें महिलाएं घर में रहने पर बचा सकती हैं। फिर अपनी मेंटीनेंस भी तो है। बाहर निकलने के लिए अच्छे कपड़े, फुटवियर और कॉस्मेटिक्स भी चाहिए। जितनी तनख्वाह है कमोबेश बाहर आने की लागत में ही खर्च हो जाती है। ऐसे में प्रश्न उठता है कि वे अपनी भागदौड़ किसलिए बनाए हुए हैं? ऐसी कोई संतुष्टि तो है जो उन्हें इतना कुछ करने का हौसला देती है। दुनियाभर की मुश्किलों का सामना करने का साहस देती है।

बढ़ जाती है अहमियत

एक सैटिसफैक्शन है कि सोसाइटी को कुछ दे रहे हैं। बारह महीने में अगर 120 बच्चों को भी अच्छी तरह से पढ़ा दूं तो लगता है कि कुछ प्राप्त किया है। बेहतर समाज के निर्माण में कोई भूमिका निभाई है। कहती हैं अध्यापिका सरिता दास। वह ग्यारह साल तक हाउसवाइफ रहीं, सभी कुछ ठीक था, लेकिन अपनी पहचान बनाने और समाज को अपनी सेवाएं देने के उद्देश्य से उन्होंने आखिर जॉब करने की ठान ली। वह मानती हैं कि जब घर में थीं तब भी उनका खर्चा अच्छा चलता था और बाहर निकलने पर अब उनके खर्चे बढ़ गए हैं, लेकिन अपनी जिंदगी में आए बदलावों से वह खुश हैं। वह कहती हैं, मैंने देर से नौकरी शुरू की। जब बच्चा चार साल का हो गया तब। जॉब करने के बाद मुझे ऐसा लगा जैसे मेरी अहमियत बढ़ गई है। समाज में हाउसवाइफ को इतनी इज्जत नहीं मिलती जितनी मिलनी चाहिए। दूसरे, अब मेरे पास गॉसिप्स के लिए टाइम ही नहीं है। घर में किचकिच, पति से आरग्यूमेंट और इनलॉज के साथ बहस करने का तो अब समय ही नहीं होता। काम करने का सैटिसफैक्शन भी है और घर में शांति का सुकून भी।

अपनी आइडेंटिटी के लिए

सरिता दास के बेटे ने फोटोग्राफी को अपना प्रोफेशन चुना है। बेटे के कैमरे और अन्य सामानों पर उन्हें लाखों खर्च करना पड़ा। इस खर्च को वह मैनेज कर पाई, कहीं से लोन नहीं लेना पड़ा, इसकी खुशी है उन्हें। बच्चों को अच्छी से अच्छी शिक्षा दिलवाना हर माता-पिता की ख्वाहिश होती है। आमतौर पर घर के लाइफस्टाइल में बदलाव लाने और बच्चों के लिए ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं जुटाना भी महिलाओं की जॉब का सबब बनता है। इसके लिए उन्हें कई तकलीफों का सामना करना पड़ता है, खर्चा भी बढ़ता है, लेकिन वे अपनी जॉब को रेगुलर रखती हैं। हां, जब उन्हें लगता है कि नन्हें बचे को उनकी ज्यादा जरूरत है तो वे ब्रेक लेने से भी परहेज नहीं करतीं। पुणे की एक कंपनी की रिक्रूटमेंट स्पेशलिस्ट ऋचा पटनायक कहती हैं, मुझे अपने छोटे बच्चे को क्रेच में छोड़ना पड़ता था। पास में कोई फैमिली मेंबर नहीं था उसकी देखभाल के लिए। बच्चे की मुश्किलें देखकर मुझे जॉब छोड़नी पड़ी, लेकिन घर पर मुझे अपनी जिंदगी अनार्थक लगने लगी। मुझे महसूस होने लगा कि ज्यादा अर्न करेंगे तभी तो ब%चे को अच्छी शिक्षा दिलवा सकेंगे। उन्हें अच्छे स्तर की परवरिश दे सकेंगे। जब दिल्ली से मम्मी मेरे पास रहने के लिए आ गई, तब फिर से मैने नौकरी जॉएन कर ली। नो डाउट मुश्किलें बहुत हैं, लेकिन अपनी आइडेंटिटी भी तो है, जो दिल को खुशी देती है।

आर्थिक आजादी है मुद्दा

आर्थिक आजादी की चाहत भी महिलाओं को घर से बाहर निकलकर नौकरी के विकल्प ढूंढ़ने के लिए प्रेरित करती है। एक मार्केट रिसर्च फर्म के मुताबिक शहरी महिलाओं की आमदनी में वृद्धि हुई है। यह तकरीबन दोगुनी हो गई है। रिसर्च के मुताबिक इस बदलाव का सीधा असर महिलाओं की हैसियत और घर के रखरखाव पर पड़ता दिख रहा है। महिलाएं अब पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा आत्मविश्वास से खरीददारी करती हैं। उनकी खरीददारी महज अपने लिए नहीं, परिवार की जरूरतें पूरी करने के लिए भी होती है। समझदारी से खर्च करने का यह गुण भी उनमें पुरुषों के मुकाबले कहीं ज्यादा है। सरिता कहती भी हैं, जॉब में आने के बाद इकोनॉमिक इंडिपेंडेंस तो आई ही है। पहले हर छोटी से छोटी चीज के लिए पति से पैसे मांगने पड़ते थे। छोटी-छोटी बात के लिए भी पूछना पड़ता था। अब खुद भी खरीद सकती हूं। कुछ ऐसा ही ऋचा भी कहती हैं, खर्चे बढ़े हैं तो माइनस-प्लस करेंगे, लेकिन जॉब करते हैं तो हाथ खुला रहता है। जब मन करे तब जो चाहो खरीद लो।